RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 215
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 13 जून, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

नई लोकसभा का पहला सत्र 24 जून से

राष्ट्रीय-10

जम्मू में दहशतगर्दों की खूनी दस्तक, तीन दिन में तीन हमले

मोहित कंडारी। जम्मू

उत्तर भारत में चढ़ते पारे से राहत पाने के लिए पर्यटकों की भीड़ कश्मीर की ओर भाग रही है। दूसरी ओर जम्मू क्षेत्र में पिछले तीन दिनों से खून बह रहा है क्योंकि 29 जून को अमरनाथ यात्रा की शुरुआत से पहले क्षेत्र के शांतिपूर्ण इलाकों में आतंक फिर से हावी हो गया है। रविवार शाम से रियासी, कठुआ और डोडा जिलों में आतंकवादी हिंसा की एक के बाद एक तीन घटनाएं सामने आई हैं, जिससे स्थानीय आबादी और तीर्थयात्रा पर क्षेत्र में आने वाले पर्यटकों में दहशत फैल गई है। राजौरी और पुंछ के सीमावर्ती जिले पहले से ही सुरक्षा बलों से जुड़े आतंकवादी हमलों/घातों की सिलसिलेवार घटनाएं हो रही हैं। अक्टूबर 2021 के बाद से क्षेत्र में हिंसा की लगभग एक दर्जन घटनाएं सामने आई हैं और सुरक्षा बल आतंकवादियों का पता लगाने में विफल रहे हैं। रविवार को रियासी जिले में पहली बार एक तीर्थयात्री बस पर हुए दुस्साहसिक आतंकवादी हमले में नौ तीर्थयात्रियों की मौत हो गई और 41 अन्य घायल हो गए।

मंगलवार देर रात आतंकियों ने कठुआ की हीरानगर तहसील और डोडा जिले के चत्तरगाला इलाके में दो अलग-अलग जगहों पर हमला किया। भारी हथियारों से लैस विदेशी आतंकवादियों का एक ताज़ा घुसपैठिया समूह कठुआ की हीरानगर तहसील में सुरक्षा की कई परतों को तोड़ते हुए सईदा सुखल के घनी आबादी वाले इलाके में सामने आया। जैसे ही भूखे-प्यासे आतंकवादी पीने के पानी की तलाश में गांव के आसपास गए, स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिस अधिकारियों को सतर्क कर दिया जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। बुधवार को मुठभेड़ स्थल पर पत्रकारों से बात करते हुए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक आनंद जैन ने कहा कि रात भर चले ऑपरेशन में सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने अब तक दो आतंकवादियों को ढेर कर दिया है। जैन ने कहा कि केंद्रीय अर्धसैनिक बल (सीआरपीएफ) के एक जवान ने भी इन आतंकवादियों से लड़ते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया और भारी गोलीबारी में एक नागरिक भी घायल हो गया। सीआरपीएफ जवानों की पहचान 121 बटालियन सीआरपीएफ के कांस्टेबल कबीर दास के रूप में की गई है। विवरण साझा करते हुए जैन ने कहा कि मंगलवार देर शाम कठुआ जिले की हीरानगर तहसील के कूटा मोड़ के पास सैदा सुखल गांव में दो आतंकवादियों को देखा गया। एक आतंकवादी ने ग्रेनेड फेंकने की कोशिश की और गोलीबारी में मारा गया, जबकि दूसरा आतंकवादी इलाके में छिपा हुआ था। उन्होंने कहा, किसी भी नागरिक की मौत या किसी बंधक जैसी स्थिति नहीं हुई है। केवल एक नागरिक घायल हुआ है और उसे भी अस्पताल ले जाया गया है। यह कहते हुए कि यह एक ताज़ा घुसपैठ का प्रयास था, जम्मू पुलिस प्रमुख ने कहा कि शत्रुतापूर्ण पड़ोसी, पाकिस्तान की ओर इशारा करते हुए, क्षेत्र में शांतिपूर्ण माहौल को बिगाड़ने की कोशिश कर रहा था।

कठुआ जिले में मुठभेड़ स्थल के पास तैनात सुरक्षाबल के जवान

चत्तरगल्ला मुठभेड़ पर जैन ने कहा कि आज रात 4 राष्ट्रीय राइफल्स और पुलिस के संयुक्त नाका पर आतंकवादियों ने गोलीबारी की और सुरक्षाकर्मियों ने जवाबी कार्रवाई की। उन्होंने कहा, मुठभेड़ जारी है। शुरुआती गोलीबारी में राष्ट्रीय राइफल्स इकाई के कम से कम पांच जवान और जम्मू-कश्मीर पुलिस का एक विशेष पुलिस अधिकारी घायल हो गए। घायलों को बुधवार तड़के भद्रवाह उप-जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। आतंकवादी हिंसा की बढ़ती घटनाएं इस क्षेत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं हैं क्योंकि आम नागरिक पूर्ववर्ती 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर राज्य के दो केंद्र शासित प्रदेशों में पुनर्गठन और अनुच्छेद 370 और 35 के निरस्त होने के बाद पहले विधानसभा चुनावों में भाग लेने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। (शेष पेज 9)

विवाद बढ़ा, नीट मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

एमबीबीएस, बीडीएस और अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) स्नातक (यूजी) -2024 पर विवाद जारी रहने के बीच राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने बुधवार को दिल्ली उच्च न्यायालय को सूचित किया कि वह सभी के स्थानांतरण की मांग करेगी। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) स्नातक (यूजी) परीक्षा 2024 विवाद से संबंधित मामले सुप्रीम कोर्ट में हैं, जबकि एडटेक फर्म फिजिक्स वाला के अलख पांडे ने एनटीए द्वारा कथित रूप से यादृच्छिक अनुग्रह अंक देने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। याचिका में शीर्ष अदालत से नीट (यूजी) 2024 की परीक्षा प्रक्रिया और परिणामों की जांच के लिए अपनी निगरानी में एक विशेषज्ञ पैनल गठित करने का आग्रह किया गया। नीट यूजी परिणामों को लेकर चल रहे विवाद के बीच, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने परीक्षा से संबंधित कुछ अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों को संबोधित किया है।

इससे पहले, सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता दिल्ली उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की अवकाश पीठ के समक्ष पेश हुए और कहा कि एनटीए सुप्रीम कोर्ट के समक्ष स्थानांतरण याचिका दायर करेगा। इस बीच, न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की अवकाश पीठ ने नोटिस जारी किया और एनटीए से राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-अंडरग्रेजुएट (एनईईटी-यूजी), 2024 के उम्मीदवारों द्वारा इन शिकायतों को उठाने वाली चार याचिकाओं पर जवाब देने को कहा। सुप्रीम कोर्ट के नक्शेकदम पर चलते हुए हाई कोर्ट ने भी काउंसलिंग प्रक्रिया

इटली में महात्मा गांधी की प्रतिमा तोड़ डाली

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

इटली में बुधवार को उद्घाटन के कुछ ही घंटों बाद कथित तौर पर खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा महात्मा गांधी की एक प्रतिमा को तोड़ दिया गया। आरोपियों ने मूर्ति के आधार पर खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर से संबंधित विवादास्पद नारे भी लिखे। यह घटना शुक्रवार को जी 7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की इटली यात्रा से कुछ दिन पहले हुई। इस बीच, घटना के बाद, इयताल में स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि क्षेत्र को रिकॉर्ड समय में साफ कर दिया गया है। भारत सरकार ने इस मुद्दे को अपने इतालवी समकक्षों के सामने रखा। यह घटना जी-7 शिखर सम्मेलन से कुछ दिन पहले

हुई, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी भी हिस्सा लेंगे। 50वें जी 7 शिखर सम्मेलन का आयोजन 14 जून से इटली में किया जाएगा।

यहां विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा के अनुसार, मोदी इटली के प्रधान मंत्री जियोर्जिया मेलोनी के निमंत्रण पर शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए गुरुवार को इटली के अपुलीया की यात्रा करेंगे। घटना के बारे में बात करते हुए विदेश सचिव क्वात्रा ने कहा कि भारतीय अधिकारियों ने इटली के अधिकारियों के सामने महात्मा गांधी की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का मामला उठाया था। इस बीच, इटली में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए क्वात्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी7 उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए गुरुवार को इटली की यात्रा करेंगे। पदभार संभालने के बाद यह उनकी पहली विदेश यात्रा होगी। क्वात्रा ने कहा कि जी7 शिखर सम्मेलन में मोदी की भागीदारी पिछले साल भारत की अध्यक्षता में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन के नतीजों पर नजर रखने का अवसर प्रदान करेगी। (शेष पेज 9)

टैंकर माफिया पर क्या कार्रवाई हुईः कोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में पानी की बर्बादी और टैंकर माफिया के खिलाफ कार्रवाई नहीं किए जाने पर उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को दिल्ली सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। शीर्ष अदालत ने आम आदमी पार्टी की सरकार के प्रति नाराजगी जाहिर करते पूछा कि इस भीषण गर्मी में आम लोगों को पानी नहीं मिल रहा है, लोग परेशान हैं, लेकिन टैंकर माफिया के पास पानी की कमी नहीं है। सरकार इस समस्या से निपटने के लिए क्या कदम उठाए हैं।

न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी वराले की अवकाशकालीन पीठ ने दिल्ली सरकार से कहा कि यदि वह टैंकर माफिया से नहीं निपट सकती तो वह शहर की पुलिस से टैंकर माफिया के खिलाफ कार्रवाई करने को कहे। न्यायालय ने कहा कि यदि उसी पानी को टैंकर के माध्यम से पहुंचाया जा सकता है, तो उसे पाइपलाइन के माध्यम से क्यों नहीं उपलब्ध कराया जा सकता। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि यदि बिजली चोरी रोकने के लिए कड़े कानून हो सकते हैं तो पानी की बर्बादी रोकने के लिए कानून क्यों नहीं हो सकते। पीठ ने कहा, यदि हिमाचल प्रदेश से पानी आ रहा है तो दिल्ली में कहां जा रहा है। यहां इतनी चोरी हो रही है, टैंकर माफिया काम कर रहे हैं। क्या आपने इनके खिलाफ कोई कार्रवाई की है। यदि आप कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं तो हम इस मामले को दिल्ली पुलिस को सौंप देंगे। लोग परेशान हैं। टैंकर से वही पानी आ रहा है लेकिन पाइपलाइन में पानी नहीं है। इसने मौखिक रूप से कहा, हर चैनल पर तस्वीरें देख रहे हैं कि दिल्ली में टैंकर माफिया काम कर रहा है। आपने इस संबंध में क्या उपाय किए हैं। (शेष पेज 9)

माझी ने गद्दी संभाली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कई केंद्रीय कैबिनेट मंत्री और मुख्यमंत्री ओडिशा के पहले भाजपा मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। इससे पहले दिन में मोदी ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ टीडीपी सुप्रीमो एन चंद्रबाबू नायडू के शपथ समारोह की शोभा बढ़ाई, जिन्होंने भाजपा के साथ गठबंधन में चौथी बार आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

कुवैत में आग से 49 की मौत, जान गंवाने वालों में अधिकांश भारतीय

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दक्षिणी कुवैत में विदेशी मजदूरों वाली एक बहुमंजिला इमारत में भीषण आग लगने से 49 लोगों की मौत हो गई और 50 से अधिक घायल हो गए। मरने वालों में अधिकतर भारतीय हैं। अधिकारियों के अनुसार, ज्यादातर लोगों की मौत धुएं से दम घुटने के कारण तब हुई जब वे सोए हुए थे। उन्होंने कहा कि कई लोगों को बचा लिया गया। उन्होंने बताया कि आग कुवैत के दक्षिणी अहमदी गवर्नेट के मंगफ क्षेत्र में छह मंजिला इमारत की रसोई में लगी। उन्होंने कहा कि बताया जाता है कि इमारत में लगभग एक ही कंपनी के लगभग 200 मजदूर रहते थे। कुवैत टाइम्स की खबर के अनुसार, गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि आग से मरने वालों की संख्या 49 तक पहुंच गई है। मंत्रालय ने कहा कि आपराधिक साक्ष्य विभाग के कर्मी वर्तमान में घटनास्थल पर मृतकों की पहचान करने और आग के कारण जानने पर काम कर रहे हैं। इसने कहा कि कानून का उल्लंघन करने वाले भवन मालिकों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

गृह मंत्रालय के सामान्य आपराधिक साक्ष्य विभाग के प्रमुख मेजर जनरल ईद अल-ओवैहान ने कहा, दुर्भाग्य से, हमें सुबह ठीक 6 बजे (भारतीय समयानुसार सुबह 8:30 बजे) मंगफ क्षेत्र में आग लगने

कुवैत में एक बहुमंजिला भवन में लगी आग

की सूचना मिली। अंग्रेजी दैनिक अरब टाइम्स ने उनके हवाले से कहा कि मृतकों में अधिकतर केरल, तमिलनाडु और उत्तर भारतीय राज्यों के भारतीय नागरिक शामिल हैं जिनकी उम्र 20 से 50 साल के बीच थी। सूत्रों ने बताया कि बचाव अभियान के दौरान पांच अग्निशमनकर्मी घायल हो गए। कुवैत में भारतीय दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज भारतीय कामगारों को चपेट में लेने वाली दुखद अग्नि दुर्घटना के संबंध में, दूतावास ने एक आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर 965-65505246 जारी किया है। सभी संबंधित लोगों से अद्यतन जानकारी के लिए इस हेल्पलाइन से जुड़ने का अनुरोध किया जाता है। दूतावास हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर कहा, कुवैत सिटी में आग लगने की घटना दुखद है। मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। वह घायलों के जल्द ठीक होने की कामना करते हैं। कुवैत में भारतीय दूतावास स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है और वहां प्रभावितों की सहायता के लिए अधिकारियों के साथ काम कर रहा है। पीएम के निर्देश पर विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह भारतीयों की सहायता की निगरानी करने और मारे गए लोगों के शवों को शीघ्र स्वदेश पहुंचाने के कार्य में सहयोग के लिए कुवैत रवाना होंगे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, कुवैत सिटी में आग की घटना की खबर से गहरा सदमा लगा है। 40 से अधिक लोगों की मौत की खबर है और 50 से अधिक लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमारे राजदूत शिविर में गए हैं। आगे की जानकारी का इंतजार कर रहे हैं।

विदेश मंत्री जयशंकर ने एक्स पर कहा, मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। घायल हुए लोगों के शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की कामना करते हैं। भारतीय दूतावास इस संबंध में सभी संबंधित पक्षों को पूरी सहायता प्रदान करेगा। (शेष पेज 9)

राहुल ने वायनाड का जताया आभार, सीट छोड़ने पर पसोपेश में

पायनियर समाचार सेवा। वायनाड/नई दिल्ली

वर्ष 2024 के आम चुनाव में दो लोकसभा सीट (वायनाड और रायबरेली) से जीत दर्ज करने वाले राहुल गांधी ने बुधवार को लोगों को यह कयास लगाने के लिए विवश कर दिया कि वह कौन सी सीट बरकरार रखेंगे। हालांकि, कांग्रेस की केरल इकाई के प्रमुख के. सुधाकरन ने संकेत दिया कि कांग्रेस नेता वायनाड सीट छोड़ देंगे। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के अनुसार, एक उम्मीदवार दो लोकसभा क्षेत्रों से चुनाव लड़ सकता है, लेकिन एक समय में केवल एक ही निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर सकता है। इसलिए कांग्रेस नेता को अपनी जीती हुई दो सीट में से एक सीट छोड़नी होगी। दिन की शुरुआत में मलप्पुरम के एडवन्ना में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि वह इस दुविधा में हैं कि उन्हें वायनाड और रायबरेली लोकसभा सीट में से कौन सी सीट छोड़नी चाहिए। उन्होंने कहा कि वह जो भी निर्णय लेंगे, दोनों निर्वाचन क्षेत्र के लोग उससे खुश होंगे। उन्होंने लोकसभा में दूसरे कार्यकाल के लिए उन्हें चुनने के लिए वायनाड के लोगों को धन्यवाद दिया। इस बीच, राज्य के वायनाड जिले के कलपेट्टा में एक सार्वजनिक बैठक में, जहां गांधी मौजूद थे, केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष के. सुधाकरन ने संकेत दिया कि कांग्रेस नेता वायनाड लोकसभा सीट छोड़ सकते हैं। उन्होंने कहा, हमें दुखी नहीं होना चाहिए क्योंकि जिस राहुल गांधी से देश का नेतृत्व करने की अपेक्षा की जाती है, उनसे वायनाड में बने रहने की उम्मीद नहीं की जा सकती। सुधाकरन ने कहा, इसलिए, हमें दुखी नहीं होना चाहिए। हर किसी को इसे समझना चाहिए और उन्हें अपनी सभी शुभकामनाएं और (शेष पेज 9)

सरकारी कर्मचारियों और पेंशन भोगियों का होगा मुफ्त इलाज

शिखा शर्मा। चंडीगढ़

● हरियाणा सरकार ने जारी की कैशलेस इलाज की अधिसूचना, स्वीकृत अन्य श्रेणियों को भी मिलेगा फायदा

हरियाणा सरकार ने सरकारी कर्मचारियों, पेंशन भोगियों तथा आश्रितों की पुरानी मांग को पूरा करते हुए कैशलेस इलाज की सुविधा प्रदान कर दी है। स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने बुधवार को कैशलेस इलाज की अधिसूचना जारी कर दी है, जिसमें प्रदेश सरकार द्वारा स्वीकृत अन्य श्रेणियों को भी कवर किया जाएगा। आयुष्मान भारत योजना की मदद से सभी सरकारी और सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में इलाज की सुविधा मिलेगी। गंभीर बीमारियों के साथ ही सभी इनडोर व डे केयर प्रक्रियाएं योजना में कवर की जाएंगी।प्रदेश सरकार ने एक जनवरी को दो सरकारी विभागों के कर्मचारियों के लिए पायलट प्रोजेक्ट के रूप में यह योजना आरंभ की थी। पायलट प्रोजेक्ट सफल रहने के बाद अब इसे सभी विभागों में लागू किया जा रहा है। व्यापक कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा (सीसीएचएफ) के लिए कर्मचारी और पेंशनर्स खुद आयुष्मान मोबाइल एप या https://bene-ficiary.nha.gæv.in/ पर अपना रजिस्ट्रेशन (शेष पेज 9)

पशु कानूनों को और कठोर बनाने की आवश्यकता

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

पिछले साल पुणे में एक मामले में एक स्थानीय निवासी ने एक कुत्ते को बेरहमी से पीटा, जिसके परिणामस्वरूप जानवर गंभीर रूप से घायल हो गया। अपराध की गंभीरता के बावजूद मौजूदा कानून के तहत अपराधी पर केवल 50 रुपये का जुर्माना लगाया गया था। पुणे मामले के अलावा, कुछ अन्य उदाहरण हैं जैसे कि मुंबई और जगतपुरी दिल्ली में एक लावारिस कुत्ते की निर्मम हत्या। ये मामले पशु क्रूरता की गंभीरता और निवारक के रूप में मौजूदा दंडों की अपर्याप्तता को दर्शाते हैं जहां कुछ लोग इन निर्दोष जानवरों के प्रति क्रूर रहे हैं।

ह्यूमेन सोसाइटी इंटरनेशनल/इंडिया के प्रबंध निदेशक आलोकपर्णा सेनगुप्ता ने खेद व्यक्त करते हुए कहा, लेकिन कम दंड अपराध की गंभीरता को प्रतिबिंबित नहीं करता है, जिससे अपराधियों को न्यूनतम परिणामों के साथ बच निकलने की अनुमति मिल जाती है। सेनगुप्ता ने अन्य पशु कार्यकर्ताओं के साथ अब नई सरकार को संसद के आगामी मानसून सत्र में लंबे समय से लंबित प्रस्तावित पशु क्रूरता निवारण (संशोधन) विधेयक 2022 को पारित करना सुनिश्चित करने के लिए लिखा है। 2022 में 180 से ज्यादा सांसदों ने ऐसे संशोधन की मांग की थी। 1960 के अधिनियम में संशोधन के लिए पिछले साल पशु

अधिवक्ताओं और आम जनता द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कम से कम 50,000 ईमेल और पत्र भेजे गए थे।

पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण (संशोधन) विधेयक, 2022 के मसौदे में बड़े बदलावों का प्रस्ताव है, जिसमें 75,000 रुपये जुर्माना, गंभीर अपराधों के लिए कारावास भी शामिल है। पीपुल्स फॉर एनिमल्स (पीएफए) की ट्रस्टी गौरी मौलेखी ने कहा, ऐसे क्रूर मामलों में सख्त विधायी कार्रवाई की आवश्यकता होती है, जैसा कि उन्होंने बताया, पीसीए अधिनियम में संशोधन करना जरूरी है और लंबे समय से लंबित है। यह सर्वविदित है कि जानवरों के खिलाफ हिंसा हमारे समाज के अन्य कमजोर सदस्यों के खिलाफ हिंसा का अग्रदूत है, चाहे वह महिलाएं हों, बच्चे हों या हमारे बुजुर्ग हों। उन्होंने कहा, इस कानून को मजबूत करना जानवरों की रक्षा करता है और सहानुभूति और सम्मान पैदा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में कार्य करता है, एक ऐसे समाज को बढ़ावा देता है जहां करुणा पनपती है, और क्रूरता को कोई आश्रय नहीं मिलता है। (शेष पेज 9)

डब्ल्यूएचओ ने भारत में बर्ड फ्लू के मामले की पुष्टि की

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बुधवार को कहा कि भारत में एच9एन2 एवियन फ्लू का एक मामला सामने आया है, जिसमें पश्चिम बंगाल में 4 साल का एक बच्ची शामिल है, जो पोल्ट्री के संपर्क में आई थी। यह 2019 के बाद से देश का दूसरा ऐसा मामला है। बच्ची को ऊपरी वायुमार्ग की बीमारी का इतिहास है, उसे श्वसन वायरस संक्रमण से जटिलताओं के लिए फरवरी में पहली बार अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जिसमें इन्फ्लूएंजा बी और एडेनोवायरस शामिल थे। मार्च की शुरुआत में, बच्चे को गंभीर श्वसन लक्षणों के साथ फिर से अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जो कि अनसबटाइप्ड इन्फ्लूएंजा ए और राइनोवायरस के लिए सकारात्मक थे, डब्ल्यूएचओ ने कहा, यह देखते हुए कि बच्ची का घर और आसपास के वातावरण में पोल्ट्री से सीधा संपर्क था। डब्ल्यूएचओ ने एक बयान में कहा, विशेष रूप से, परिवार के सदस्यों और करीबी संपर्कों सहित किसी भी (शेष पेज 9)

प्राधिकरण की टीम पर ग्रामीणों ने किया पथराव

अतिक्रमण हटाने गई थी टीम, पत्थरबाजी में कई घायल, किसानों ने घेरा थाना

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

किसानों और पुलिस में होती नोकझोंक।

घायल सुरक्षाकर्मी।

ग्रेटर नोएडा में अतिक्रमण हटाने के दौरान जमकर बवाल हुआ। अतिक्रमण हटाने के दौरान प्राधिकरण की टीम और ग्रामीणों के बीच में झ?प हो गई। इस दौरान जमकर पत्थरबाजी भी हुई। इसमें प्राधिकरण के कई सुरक्षाकर्मी और ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गए।

किसानों ने बिसरख थाने का घेराव किया और ग्रामीणों को घायल करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। बुधवार को बिसरख थाना क्षेत्र में जमकर बवाल हुआ। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की टीम अतिक्रमण हटाने के लिए इटेडा गांव गई, जहां पर 435 खसरा नम्बर पर कुछ लोगों ने अवैध रूप से प्राधिकरण की जमीन पर कब्जा कर रखा था और प्राधिकरण की मुआवजा उठी हुई जमीन पर निर्माण करके दुकान बनी थी। प्राधिकरण की जमीन को कब्जा मुक्त करने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की टीम बुलडोजर लेकर मौके पर पहुंची। इस दौरान बिसरख पुलिस और प्राधिकरण के सुरक्षाकर्मी व कर्मचारी मौके पर पहुंचे। इसके बाद प्राधिकरण ने बुलडोजर चलाकर दुकानों को ध्वस्त करना शुरू कर दिया। इसके बाद मौके पर ग्रामीण पहुंच गए। प्राधिकरण की कार्रवाई का उन लोगो ने विरोध करना शुरू कर दिया।

इसके बाद ग्रामीण और प्राधिकरण के अधिकारियों के बीच जमकर विवाद हो गया। यह विवाद इतना बढ़ गया कि कुछ ही देर में पथराव हो गया। इस दौरान दोनों पक्षों में जमकर झड़प हुई और दोनों तरफ से कई लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि इस दौरान इस प्रकरण में एक ग्रामीण के सिर में काफी गंभीर चोट आई। साथ ही प्राधिकरण के तीन सुरक्षाकर्मी भी घायल हो गए। इस प्रकरण में किसान के घायल होने पर किसान सभा के सैकड़ों कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए और उन्होंने बिसरख थाने का घेराव करना शुरू कर दिया। उन्होंने प्राधिकरण के कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण के द्वारा जबरन आबादी की जमीन पर बनी हुई दुकानों को तोड़ा गया, जिसका किसानों ने विरोध कर दिया।

प्राधिकरण के सुरक्षाकर्मियों ने किसान के सिर पर वार करके उसे घायल कर दिया। बिसरख थाने पर भारी संख्या में किसान सभा के कार्यकर्ता और समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता पहुंचे और उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जब तक दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होगी वह यह धरना समाप्त नहीं करेंगे।

प्राधिकरण की तरफ से बताया गया कि प्राधिकरण की अधिसूचित जमीन पर अवैध रूप से दुकानें बनाई गई थीं। उन्हीं दुकानों को प्राधिकरण के द्वारा तोड़ा जा रहा था। इसी दौरान कुछ लोगों ने प्राधिकरण की टीम पर पथराव कर दिया। फिलहाल बिसरख पुलिस के द्वारा जांच की जा रही है और इसका कहना है कि जांच के बाद जो भी सामने आएगा तो कार्रवाई की जाएगी।

सर्फाबाद में किसानों और अधिकारियों की नोकझोंक

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण का अतिक्रमण हटाओं अभियान लगातार जारी है। इस दौरान बुधवार को सर्किल-5 की टीम जेसीबी के साथ सर्फाबाद पहुंची। यहां खसरा संख्या 160 पर अवैध निर्माण था, जिसको हटाने के लिए प्राधिकरण की टीम वहां पहुंची। इसकी जानकारी भारतीय किसान यूनियन और अन्य संगठनों को लगी, जिसके बाद वो वहां पहुंच गए। किसानों ने प्राधिकरण टीम का विरोध किया। कहा सुनी और नोकझोंक के बाद प्राधिकरण की टीम वापस लौटना पड़ा।

दाखिला मामला: ठगी का सरगना पुणे या गोवा में, खुलासा जल्द

● नामी कॉलेज में दाखिले के नाम पर छात्रों से हुई थी ठगी

पायनियर समचार सेवा। नोएडा

नोएडा में पुलिस ने देश-विदेश के नामी कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में एडमिशन दिलाने के नाम पर करोड़ों की ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है।

करीब 500 छात्र इस गिरोह की ठगी का शिकार हुए हैं। इस गिरोह के सरगना सोनू कुमार उर्फ रणवीर सिंह की अंतिम लोकेशन गोवा में मिली है। लेकिन जिस समय नोएडा में उसके साथियों को गिरफ्तार किया गया, तब उसकी लोकेशन पुणे थी। बताया गया कि वो पटना का रहने वाला है। पुलिस की दो टीमें पुणे और पटना समेत अन्य संभावित ठिकानों पर उसकी तलाश में दबिश दे रहीं हैं। साथियों की गिरफ्तारी की सूचना जैसे ही सोनू को मिली, वह मोबाइल बंद कर पुणे से फरार हो गया। उसकी अंतिम लोकेशन गोवा में मिली है। गिरोह में कई युवतियां भी शामिल थी। युवतियों के परिजनों का कहना है कि उन्हें नहीं पता था, उनकी बेटियां नोएडा में ठग गिरोह की सदस्य हैं।

पुलिस आरोपियों के पास से बरामद मोबाइल और लैपटॉप को जांच के लिए अगले हफ्ते लैब में भेजेगी। आरोपियों की निशानदेही से बरामद लैपटॉप और मोबाइल में ठगी से संबंधित कई अहम जानकारी मिलने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने ठगी के शिकार हुए छात्रों से संपर्क करना शुरू कर दिया है।

बता दें, सोमवार को एक सूचना के आधार पर सेक्टर-113 पुलिस ने सेक्टर-62 के एक टॉवर में चल रहे कार्यालय पर छापा मारा। जहां से दो युवतियों समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

सर्किल रेट बढ़ाने की तैयारी में जिला प्रशासन

● गौतमबुद्धनगर में जमीन खरीदना होगा महंगा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा में अपना आशियाना बनाने वालों के लिए बड़ी खबर है। नोएडा में अब जमीन खरीदना महंगा हो जाएगा। नोएडा में पहले ही जमीनों की कीमतें आसमान छू रही हैं।

आम नागरिक के लिए नोएडा में जमीन खरीदना एक सपना ही है। अब जिला प्रशासन 5 साल बाद नोएडा में सर्किल रेट बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। आपको बता दें कि नोएडा में तकरीबन 5 वर्ष के अंतराल के बाद अब फिर नोएडा में संपत्तियों की दरों में उछाल आएगा। दरअसल इस वर्ष अगस्त माह में जिला प्रशासन बढ़ी हुई सर्किल दरों को जारी करेगा।

इसकी व्यापक तैयारी शुरू हो चुकी है। प्रशासनिक सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक 15 जून के बाद सभी तहसीलदार तथा सबरजिस्ट्रार संपत्तियों का सर्वे करेंगे।

सर्वे के बाद अपर जिलाधिकारी (वित्त) तथा राजस्व विभाग को रिपोर्ट सौंपी जाएगी। इसके बाद आम जनता आवासीय तथा औद्योगिक संगठनों से आपत्तियां मांगी जाएंगी। आपत्तियों के बाद उस पर सम्यक विचार किया जाएगा। बता दें कि वर्ष-2019 से सर्किल दरों में कोई वृद्धि नहीं की गई है। इसका प्रमुख कारण संपत्तियों में मंदी तथा कोरोना महामारी रही। वित्तीय वर्ष-2022-23 में सर्किल दरों का बढ़ाने के लिए बैठक करके सर्वे की तैयारी भी शुरू की गई थी, लेकिन यह कवायद किसी कारण परवान नहीं चढ़ सकी। अब जिला प्रशासन ने सभी सब रजिस्ट्रार को विभिन्न क्षेत्रों तथा वर्गों की संपत्तियों के वर्तमान सर्किल रेट एवं मार्केट रेट का अध्ययन करने को कहा है।

यह सर्वे आवसीय, औद्योगिक, संस्थागत, व्यवसायिक एवं कृषि आदि क्षेत्रों में किया जाएगा। सर्वे के बाद रिपोर्ट तैयार की जाएगी। प्रशासनिक सूत्रों की माने तो इस वर्ष सर्किल दरों में 15-20 फीसदी वृद्धि की पूरी उम्मीद है।

सात माह बाद श्रीपाल भाटी की नोएडा प्राधिकरण में वापसी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सात माह के वनवास के बाद अंततः नोएडा प्राधिकरण के उपमहाप्रबंधक (सिविल) के पद पर तैनात रहे श्रीपाल भाटी की बहाली नोएडा प्राधिकरण में हो गई है।

उन्हें उप महाप्रबंधक टेक्नीकल ऑडिट सेल तथा ट्रैफिक सेल का प्रभार सौंपा गया है। अभी तक नोएडा ट्रैफिक सेल का जिम्मेदारी उपमहाप्रबंधक एस.पी. सिंह संभाल रहे थे। चर्चा है कि श्री भाटी अगस्त माह में सेवानिवृत्त हो रहे हैं। उल्लेखनीय है कि 20 सितंबर-2022 को जलवायु विहार सोसाइटी की दीवार गिर गई थी, जिसमें चार मजूदरों की मौत हो गई थी। इस मामले में एसीईओ मानवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में एक जांच समिति गठित की गई थी। जांच समिति ने इस मामले में कंपनी की लापरवाही के अलावा वर्क सर्किल-2 की टीम को भी दोषी माना और रिपोर्ट शासन को भेज दी थी। जिसमें डीजीएम श्रीपाल भाटी को 28 नवंबर 2023 को सस्पेंड कर दिया गया। पिछले दिनों में शासन ने भाटी को 25 मई 2024 को बहाल कर दिया है। इसके अलावा आनंद मोहन को अपने वर्तमान कार्यों के साथ-साथ निदेशक उद्यान की जिम्मेदारी दी गई है।

गौतमबुद्धनगर पुलिस ने हनी ट्रैप गिरोह पकड़ा

● दो युवतियों समेत 6 गिरफ्तार, दुष्कर्म के केस में फंसाने की धमकी देकर ऐंठती थी पैसे

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

हनीट्रैप में लोगों को फंसाकर वसूली करने वाली दोनों युवतियां पुलिस गिरफ्त में।

ग्रेटर नोएडा की बीटा-2 पुलिस ने हनीट्रेप गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने 2 युवतियों सहित 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरोह में शामिल युवती लोगों को अपने झांसे में फंसाकर बलात्कर के झूठे मामले में फंसाने की धमकी देकर उनसे पैसा ऐंठा करती थी। आरोपियों में राज चौधरी उर्फ हसीन मोहम्मद, भूपेन्द्र सिंह, फैजान अहमद, राहुल, संजना यादव और रिफा को परी चौक गोल चक्कर के पास से गिरफ्तार किया।

आरोपियों के पास से स्कार्पियों, 5 आधार कार्ड अलग-अलग नाम पतों के, 4 एटीएम कार्ड, इनकम टैक्स कार्ड और आरसी कार्ड बरामद किए। ग्रेटर नोएडा के एडिशनल डीसीपी अशोक कुमार ने बताया कि आरोपियों द्वारा अपनी महिला मित्र रीफा के जरिए असादुर रहमान निवासी मुरादाबाद को अपने जाल मे फंसाकर पी-3 गोल चक्कर के पास बुलाया था। असादुर रहमान अपने मित्र निजाम के साथ रिफा से मिलने पी-3 गोल चक्कर पर षड्यंत्र में फंसकर आया था। आरोपी रिफा ने इस बात की जानकारी अपने साथियों को दी। सके बाद मास्टरमाइंड राज चौधरी योजना के तहत अपनी स्कार्पियो से अपने साथियों के साथ पी-3 गोल चक्कर के पास बने बस स्टाप पर आया। स्कॉर्पियो से उतरकर असादुर रहमान की गाड़ी में बैठ गए। असादुर रहमान की गाड़ी में रिफा और निजाम को भी बैठा लिया और आरोपियों ने असादुर रहमान और उसके मित्र निजाम को उसकी गाड़ी में ही बंधक बनाकर गाली गलौज और मारपीट कर असादुर रहमान से पांच लाख रुपए मांगे।

न देने पर बलात्कार के झूठे मुकदमे मे फंसाने की धमकी दी। दबाव में आकर डर के कारण असादुर रहमान ने अपनी गाड़ी में रखे 50,000 रुपए उनको दे दिए। इसके बाद पीड़ित असादुर ने थाना बीटा-2 पुलिस से इस पूरे मामले की शिकायत की। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल आरोपियों को परीचौक गोल चक्कर के पास से गिरफ्तार किया।

आरोपियों से की गई पूछताछ में करीब 20 दिन पहले भी सेक्टर-135 नोएडा में एक फार्म हाउस के पास एक व्यक्ति से इसी तरह की घटना को अंजाम दिए जाने की बात को कबूल किया। अशोक कुमार ने बताया कि आरोपियों का एक हनी ट्रैप गिरोह है, जिसका मास्टर माइंड राज चौधरी है। आरोपी, अपनी महिला मित्रों से लोगों को फोन कर अपने जाल में फंसाकर बलात्कार के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी और मारपीट कर उगाही करते हैं। फिलहाल पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इनके अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाने में लग गई है।

संक्षिप्त समाचार

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दिनेश कुमार शिकायत का निस्तारण करते हुए।

पेट्रोल पंप से सटी दुकान में लगी आग

नोएडा। नोएडा में पेट्रोल पंप से सटी दुकान में भयंकर आग लग गई। घटना सेक्टर-37 पुलिस चौकी के पास की है। पेट्रोल पंप पर लगातार पानी का छिड़काव किया जाने लगा। आसपास के घरों को भी रात में खाली करा लिया गया। प्रदीप कुमार चौबे ने कहा- 10 बजे के आसपास आग लगने की सूचना मिली थी। 10 फायर टेंडर ने डेढ़ घंटे में आग पर काबू पाया। आग काफी बड़ी हो गई थी। किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। आग लगने के कारण की जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि आग लगने के बाद दुकान के अंदर रखे सिलेंडर में बम की तरह धमाका हुआ। फिर आग और फैल गई। आग इतनी भयंकर थी कि लपटें और धुआं काफी दूर से ही दिखाई पड़ रही थी। बगल में पेट्रोल पंप होने से उन पर लगातार पानी का छिड़काव किया जा रहा है। ताकि आग न फैले। दुकान के अंदर रखा लाखों रुपए का सामान पूरी तरीके से जल गया है। कुछ लोगों ने लगी आग का वीडियो बनाकर उसे सोशल मीडिया पर शेयर किया।

गिरफ्तारी की मांग को लेकर वकीलों ने की हड़ताल

नोएडा। जिला कचहरी के वकील के साथ गत दिनो मारपीट की घटना में आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जिले के वकीलों ने हड़ताल शुरु कर दी है। जनपद दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन गौतमबुद्धनगर ने पुलिस के कार्यशैली पर खासा रोष जाताया है। जनपद दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन गौतमबुद्धनगर के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट उमेश भाटी देवटा ने बताया कि जनपद दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन गौतमबुद्धनगर की एक कार्यकारिणी बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेन्द्र कुमार एडवोकेट ने की तथा संचालन सचिव धीरेन्द्र भाटी साकीपुर एडवोकेट द्वारा किया गया। पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर रोष व्यक्त करते हुए तय किया गया कि अधिवक्तागण पूर्ण दिवस न्यायिक कार्य से विरत रहेंगे। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष राव संजय भाटी, पूर्व अध्यक्ष मनोज भाटी (बोडाकी), पूर्व सचिव ॠषि टाइगर, विनीत यादव एडवोकेट अनुज नागर, सुनील दुजाना, अंकित चौहान, विपिन चौहान, कल्याण नागर व अन्य अधिवक्ता उपस्थित रहे।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर किसानों का धरना जारी

नोएडा। किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) की आज छठवें दिन भी अनिश्चित कालीन धरना सुचारू रूप से जारी है धरना स्थल पर संगठन के जिलाध्यक्ष महेन्द्र मुखिया के नेतृत्व में 48 गांवों के किसान धरने में शामिल है। आज धरने की अध्यक्षता बाबा नेतराम ने व संचालन अनिल भाटी डाढा ने की। धरनारत किसानों का कहना है कि जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं होगी धरना जारी रहेगा। धरना स्थल पर प्रकाश प्रधान सिरसा, चिंता मुकदम लडपुरा, सुबोध लडपुरा, विक्रम ऐच्छर, रोहित भड़ाना, पप्पू, बीरन नेता, सुखीवीर, अशीष नागर, परविन भाटी, विनोद भाटी, मुरारी भाटी, मुखिया बीडीसी विजय सिंह, सतीश, नरेंद्र, धनेश प्रधान, गजन रामपुर, बलजीत, सुबीन सिरसा, लाला भाटी सहित भारी संख्या में महिलाएं एवं युवा मौजूद हैं।

प्रमोद कृष्णम बोले- प्रियंका को बनाएं कांग्रेस अध्यक्ष

गाजियाबाद। पूर्व कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने बुधवार को कहा है कि राहुल गांधी को चाहिए कि वो प्रियंका गांधी को कांग्रेस की अध्यक्ष बनाएं। गाजियाबाद के साहिबाबाद क्षेत्र स्थित आवास पर बातचीत में प्रमोद कृष्णम ने कहा, मुझे कांग्रेस की दुर्दशा का हाल देखकर दया आती है। अफसोस होता है कि इतनी पुरानी पार्टी की हालत इतनी बुरी हो गई है। इस बरबादी के लिए अगर कोई एक व्यक्ति जिम्मेदार है तो वो राहुल गांधी और उनकी टीम का निरंतर ग्राफ गिरता जा रहा है।

व्यापारी के कर्मचारियों ने बनाई थी लूट की योजना, 3 गिरफ्तार, 38.50 लाख बरामद

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

पुलिस उपायुक्त जोन द्वितीय सुनिति ने बताया कि मंगलवार की शाम को फेस-दो पुलिस को सूचना प्राप्त हुई की सेक्टर-136 के पास बाइक सवार दो लोगों की मोटरसाइकिल को रोकर दो बदमाशों ने उनसे बैग लूट लिया। बैग में करीब 38 लाख 50 हजार रुपए रखे थे।

उन्होंने बताया कि घटनास्थल पर पहुंचकर जांच की गई तो पीड़ित अशोक और सुनील पांडे ने बताया कि घटना 3 बजे की है, लेकिन उन्होंने पुलिस को शाम 6 बजे लूट की सूचना दी। उन्होंने बताया कि जांच में पुलिस को पता चला है कि अशोक और उसके साथी ने अपने मालिक को पहले सूचना दी। उसके मालिक ने विजय नामक व्यक्ति को नोएडा भेजा और विजय ने पुलिस को सूचित किया। उन्होंने बताया कि घटना के संबंध में पुलिस को देर से सूचना देने के बारे में अशोक आदि से पूछताछ की गई। दोनों से अलग-अलग पूछताछ करने पर पता चला कि दोनों ने अपने मालिक के पैसे को गबन करने के उद्देश्य से अपने साथी सिकंदर के साथ मिलकर लूट की घटना को अंजाम देना बताया। उन्होंने बताया कि देर रात को छापेमारी कर पुलिस ने सिकंदर को गिरफ्तार कर लिया।

फाइनेंस कंपनी का कर्मचारी निकला लूट का सरगना

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

निवाड़ी थाना क्षेत्र में माइक्रो फाइनेंस कंपनी के एजेंट के साथ दो बदमाशों ने गन प्वाइंट पर हजारों की नगदी उस समय लूट ली थी जब वो कई गांवों में फाइनेंस कंपनी की कलेक्शन करके आ रहा था।

उक्त वारदात की सूचना मिलते ही निवाड़ी थाने की एसओ रविता चौधरी ने लूट की तत्काल रिपोर्ट दर्ज करवाकर उस अपराधिक घटना के अनावरण के प्रयास शुरू कर दिये थे। एसओ रविता चौधरी की तत्परता के चलते न केवल लूट की वारदात का खुलासा कुछ घंटे के अंदर ही हो गया बल्कि पुलिस टीम ने माइक्रो फाईनेंस कंपनी के एजेंट ओसामा से हुई लूट की रकम में से अधिकांश नगदी, जो लगभग 36 हजार है, के अलावा वारदात में प्रयुक्त वाहन भी बरामद कर लिया। खुलासे के दौरान पुलिस को जब यह पता चला कि उक्त वारदात खुद वादी/कलेक्शन एजेंट ओसामा ने अपने परिचित युवक के साथ मिलकर की थी। एसओ रविता चौधरी ने फाइनेंस कंपनी के एजेंट ओसामा व उसके साथी गुड्डू को गिरफ्तार करने कर लिया। सूत्रों के अनुसार पूछताछ के दौरान कलेक्शन एजेंट बोले तो लूट का ताना-बाना बुनने वाले ओसामा ने बताया कि कलेक्शन की रकम हड़पने के लिये लिए ही उसने अपने दोस्त के साथ मिलकर लूट का ड्रामा किया था।

घुकना से आंबेडकर चौक तक जलभराव से मिली निजात

● महापौर सुनीत दयाल ने नाले का किया लोकार्पण

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद में घुकना मोड़ से आंबेडकर चौक तक नाले का महापौर ने बुधवार को लोकार्पण किया। लोकार्पण के दौरान नाले में बहता गोबर देख महापौर ने नाराजगी जताई और कार्रवाई का निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि नाला निर्माण से जल भराव की समस्या खत्म हो जाएगी।

मेयर ने बताया कि पूर्व में नाले की स्थिति बहुत खराब थी, जिससे कोई भी हादसा होने की स्थिति थी। जिसको लेकर स्थानीय पार्षद ने महापौर से सम्पर्क कर नाला निर्माण कार्य के लिए आग्रह किया और मौके की स्थिति से भी अवगत कराया। जिसमें महापौर सुनीता दयाल ने तत्काल फाइल बनवाकर कार्रवाई सुनिश्चित के निर्देश दिए और अब मानसून से पहले नाला निर्माण का कार्य पूर्ण हो चुका है। जिसका बुधवार को लोकार्पण किया गया है। इस रास्ते से लाखों लोगों का निकलना है और बरसात में कोई न कोई हादसा भी हो सकता था। जन मानस की सुरक्षा को देखते हुए यह कार्य तेजी से कराया गया है। साथ ही स्थानीय लोगों द्वारा बताया गया कि नाले में गोबर की स्थिति बहुत खराब है। हर समय गोबर भरा रहता है। नाला सफाई होता है लेकिन डेरियों का गोबर आता है तो फिर गोबर आ जाता है। इस दौरान महापौर ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम की प्राथमिकता है कि शहर में जल भराव न हो जिसके लिए विभिन्न नालों का निर्माण कार्य किया गया है। जिसमें से यह एक है, यहां के नाले निर्माण की शिकायत प्राप्त हुई थी और मौके पर स्थिति ठीक नहीं थी। जिसको तत्काल कार्रवाई करते हुए बरसात से पहले पूर्ण कराया है अन्य स्थानों (जहां पर नाले टूटे है या कोई हादसा होने की आशंका है, पर भी जल्द कार्य शुरू किया जाएगा। जिससे शहर की जनता सुरक्षित रहे और डेरियों द्वारा नाले में बहाए जा रहे गोबर के विरूद्ध कार्रवाई होगी।

गाजियाबाद नगर निगम की मेयर सुनीता दयाल ने बुधवार को वार्ड 32 में घुकना मोड से अंबेडकर चौक तक नाला निर्माण पूरा होने के उपरांत 22 लाख की लागत से निर्मित नाले का लोकार्पण किया। इस दौरान पार्षद सुभाष चौधरी, पूर्व पार्षद राकेश त्यागी, राजेन्द्र कुमार, अवर अभियंता नागेंद्र शर्मा आदि उपस्थित रहे।

आरआरटीएस स्टेशनों से मिलेगी गाजियाबाद सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज की बसें

● लास्ट माइल कनेक्टिविटी के लिए नमो भारत के यात्रियों को मिलेगी सुविधा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज की बस।

एनसीआरटीसी ने नमो भारत के यात्रियों की लास्ट माइल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए गाजियाबाद सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज के साथ मिलकर गाजियाबाद के सभी आरआरटीएस स्टेशनों पर इलेक्ट्रिक बस सेवा उपलब्ध कराई है।

इसके लिए आरआरटीएस स्टेशनों के प्रवेश-निकास द्वारों के पास ही इन इलैक्ट्रिक बसों के लिए बस स्टॉप निर्धारित किए गए हैं। आरआरटीएस स्टेशनों के पास निर्धारित स्टॉप पर ये बस सेवाएं उपलब्ध होंगी, जिसकी मदद से यात्री बसों और नमो भारत ट्रेनों के बीच आसानी से आवागमन कर सकेंगे। अभी ये सुविधा गा?ियाबाद के 7 अलग-अलग मार्गों के लिए उपलब्ध होंगी, जिसके लिए इन रूट्स पर लगभग 50 से अधिक इलेक्ट्रिक बसें संचालित की जा रही हैं।

इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए यात्री 'आरआरटीएस कनेक्ट' मोबाइल ऐप और आधिकारिक आरआरटीएस वेबसाइट के माध्यम से इन इलेक्ट्रिक बसों के रूट्स और टाइम टेबल की जानकारी भी प्राप्त कर सकते हैं। अभी वर्तमान मे साहिबाबाद, गाजियाबाद, गुलधर और दुहाई स्टेशनो को इन इलैक्ट्रिक बस के रूटों के साथ एकीकृत किया गया है। इसके साथ ही मुरादनगर, मोदी नगर साउथ और मोदी नगर नॉर्थ स्टेशनों को भी इन सिटी बसों से जोड़ने के लिए बातचीत प्रगति पर है।

इन बसों के उपयोग से मंडोला, लोनी, दादरी और मसूरी आदि क्षेत्रों के निवासी अपने निकटतम आरआरटीएस स्टेशन तक पहुँचकर दिल्ली और मेरठ जैसे प्रमुख शहरी केंद्रों तक अधिक सुविधाजनक तरीके से पहुँच सकते हैं।इसके अतिरिक्त, एनसीआरटीसी ने यात्रियों की लास्ट माइल कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने की दिशा में अपने निरंतर प्रयासों के अनुरूप साहिबाबाद और गाजियाबाद आरआरटीएस स्टेशनों पर ऑटो-रिक्शा, 2-व्हीलर बाइक टैक्सी के साथ-साथ 4-व्हीलर कैब आदि कैब सेवाएँ प्रदान करने के लिए रैपिडो के साथ करार किया है।

एनसीआरटीसी लास्ट माइल कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए आरआरटीएस स्टेशनों के पार्किंग क्षेत्रों में फास्ट ईवी (श्वङ्क) चार्जर भी लगा रहा है। इससे इलेक्ट्रिक वाहनों और नमो भारत ट्रेनों दोनों का उपयोग बढ़ेगा, साथ ही सार्वजनिक परिवहन साधनों का एक सतत और पर्यावरण के अनुकूल केंद्र भी बनेगा। साहिबाबाद, गाजियाबाद और गुलधर स्टेशनों के आसपास 17 बस मार्गों की पहचान भी की गयी है जिसका संचालन राज्य प्राधिकरण या निजी बस ऑपरेटरों द्वारा किया जा सकता है। इन मार्गों को यूपी-राज्य परिवहन प्राधिकरण द्वारा भी अधिसूचित किया गया है। एक बार संचालित होने के बाद, ये बस मार्ग गाजियाबाद के स्थानीय निवासियों के लिए आवागमन को और आसान बना देंगे। इसके साथ ही दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर के सभी 25 स्टेशनों के साथ एकीकरण के लिए अन्य कैब एग्रीगेटर्स और बस ऑपरेटरों से भी रुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित की जा रही है जो आरआरटीएस स्टेशनों के साथ शहरी नोड्स की कनेक्टिविटी को और बढ़ाएगा, जिससे एक परिवहन केंद्र तैयार होगा। वर्तमान में दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर के साहिबाबाद और मोदी नगर नॉर्थ के बीच 34 किलोमीटर का खंड यात्रियों के लिए संचालित है।

पानी की बर्बादी पर लगाम लगाएंगे एडीएम-एसडीएम

टैंकरों की व्यवस्था और शिकायतों के समाधान के लिए तहसीलदार क्विक रिस्पांस टीम के रूप में काम करें : आतिशी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भीषण गर्मी के बीच जल संकट से निपटने के लिए दिल्ली सरकार ने बड़ा फैसला किया है। इसके तहत पूरी दिल्ली में पाइप लाइन से पानी की व बर्बादी को रोकने के लिए एडीएम और एसडीएम को जिम्मेदारी सौंपी गई है। राजस्व मंत्री आतिशी ने आदेश जारी कर मुख्य सचिव को इस पर अमल करने को कहा है। ये अधिकारी पानी की पाइप लाइनों की निगरानी करेंगे।

कहीं पर लीकेज मिलता है तो 12 घंटे के अंदर उसको दुरुस्त करेंगे। इसके अलावा, तहसीलदार समेत अन्य अधिकारियों की एक टीम भी तैनात की जाएगी, जो पानी के टैंकरों की व्यवस्था और इससे संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए क्विक रिस्पांस टीम के रूप में कार्य करेंगे।

आतिशी ने मुख्य सचिव को निर्देश दिया है कि रिसाव से पानी की बर्बादी को रोकने के लिए मेन वाटर डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क की मॉनिटरिंग की जाए। इसकी मॉनिटरिंग के लिए एडीएम और एसडीएम की स्पेशल टीमें तैनात की जाए। ये टीमें मुख्य जल स्रोत से वाटर ट्रीटमेंट प्लांट और वहां से प्राथमिक यूजीआर तक मेन वाटर डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क की मॉनिटरिंग करेंगी।

राजस्व मंत्री आतिशी ने निर्देश दिया है कि मॉनिटरिंग के दौरान प्रमुख पाइप लाइनों में कोई भी लीकेज मिलती है तो उसे 12 घंटे के भीतर ठीक किया जाए। साथ ही पानी के टैंकरों की व्यवस्था और पानी से संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए तहसीलदार और अन्य अधिकारी क्विक रिस्पांस टीम के रूप में काम करें। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि सभी टीमें रोजाना शाम 5 बजे तक निरीक्षण की विस्तृत रिपोर्ट सौपें।

जल मंत्री आतिशी

अतिशी के झूठे बयानों का पर्दाफाश : एलजी

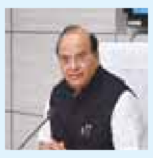

नई दिल्ली। उपराज्यपाल कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि उच्चतम न्यायालय ने आम आदमी पार्टी सरकार को फटकार लगाते हुए पूछा है कि उसने राजधानी में पानी की चोरी, रिसाव को रोकने के लिए क्या किया है। कोर्ट ने इस बारे में सरकार से एक रिपोर्ट भी सौंपने को कहा है। राजनिवास ने दावा कि जल मंत्री आतिशी ने पिछले दिनों राजधानी में हो रही पानी की किल्लत का ठीकरा हरियाणा सरकार पर फोड़ा था। उन्होंने अपने काल्पनिक दावों को इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट में जारी मामले में हरियाणा सरकार द्वारा दायर हलफनामे पर आधारित बताया। जिस हलफनामे पर उन्होंने भरोसा कर बयान दिया था, उसे सरसरी तौर पर पढ़ने से भी उनके झूठे बयानों का पर्दाफाश हो जाता है। उपराज्यपाल के मुताबिक, विभिन्न दस्तावेजों को देखने से यह साफ हो जाता है कि हरियाणा राज्य लगातार दिल्ली को अपने आवंटित हिस्से से अधिक पानी की आपूर्ति कर रहा है।

सीपी को कार्रवाई का दिया निर्देश

एलजी ने मुनक नहर से टैंकर माफिया द्वारा पानी चोरी करने के मामले को गंभीरता से लिया है। उन्होंने दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा को टैंकर माफियाओं द्वारा पानी की चोरी को रोकने के लिए नहर पर कड़ी निगरानी सुनिश्चित करने को कहा है। साथ ही यह भी कहा कि ऐसे लोगों को भी पकड़ा जाना चाहिए जो अतीत में ऐसी गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल रहे हैं। एक अनुपालन रिपोर्ट उपराज्यपाल कार्यालय को एक सप्ताह के भीतर पेश करने को कहा है।

भाजपा ने प्राथमिकी दर्ज करने का किया अनुरोध

- वीरेंद्र सचदेवा ने सांसद योगेंद्र चंदोलिया के साथ पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा को शिकायत सौंपा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने बुधवार को दिल्ली पुलिस के आयुक्त संजय अरोडा से मुलाकात करके टैंकर माफिया द्वारा मुनक नहर और अन्य स्रोतों से पानी की कथित चोरी को लेकर एक विशेष जांच दल गठित करने और इस मामले में प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने उत्तर पश्चिम दिल्ली के सांसद योगेंद्र चंदोलिया के साथ दिल्ली पुलिस मुख्यालय में पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा से मुलाकात की और पार्टी की ओर से एक शिकायत सौंपी। शिकायत में पार्टी ने दिल्ली पुलिस से पानी चोरी को लेकर प्राथमिकी दर्ज करने का अनुरोध किया है। पुलिस आयुक्त से की गई शिकायत में कहा गया, आपसे अनुरोध है कि मुनक नहर से पानी की चोरी के लिए टैंकर माफिया और उनके साथ मिलीभगत करने वाले किसी भी सरकारी अधिकारी के खिलाफ कारवाई सुनिश्चित करने के वास्ते एक विशेष जांच दल का गठन किया जाए। इसमें पुलिस से आग्रह किया गया है कि वह टैंकर माफिया की गतिविधियों पर लगाम लगाए क्योंकि वे दिल्ली के लोगों को उनके पानी के अधिकार से वंचित कर रहे हैं।वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि आम आदमी पार्टी के पालम विधानसभा अध्यक्ष संदीप चौधरी के नाम पर भी दो टैंकर चलते हैं डी.एल. 1 एल एक्स 9332 एवं डी.एल. 1 एल डब्लू 4000 पंजीकृत हैं। सचदेवा ने कहा है कि यह तो एक विधायक के संरक्षण के मामले हैं पुलिस जांच में ऐसे और भी सैकड़ों मामले सामने आ सकते हैं।

वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि हम पहले दिन से कहते हैं की जल समस्या आम आदमी पार्टी को लोगों के लिए खड़ी की गई है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की आतिशी इस बात का जवाब दें कि जब उनके ही लोग पानी की चोरी कर रहे हैं तो वह आखिर क्यों जान बूझकर पानी की कमी की साजिश करके दिल्ली की जनता को गुमराह कर रही है। सचदेवा ने उजागर किया कि पालम की एक वार्ड अध्यक्ष अपर्णा जो विधायक सुश्री भावन गौड़ के कार्यालय की प्रभारी है, एवं उनके पति महेश कुमार के नाम पर अनेक टैंकरों के नंबर पंजीकृत हैं।

सुप्रीम कोर्ट में खुली आप सरकार की पोल : बिधूड़ी

- जल मंत्री आतिशी रोजाना लगा रही हैं झूठे आरोप, आनन-फानन में उठाए कदम

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भाजपा ने आम आदमी पार्टी सरकार के पानी को लेकर किए गए दावे पर जमकर हमला बोला है। दक्षिण दिल्ली से पार्टी के सांसद और नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा है कि पानी की समस्या के लिए उच्चतम न्यायालय में केजरीवाल सरकार की पोल खुल गई है। शीर्ष अदालत ने जब दिल्ली सरकार से पानी बर्बादी रोकने के उपायों और पानी की चोरी के बारे में पूछा गया तो सरकार को आनन-फानन में कदम उठाने पड़े हैं। इस मामले में राजनीति करने की केजरीवाल सरकार की मंशा पूरी नहीं हो सकी।

बिधूड़ी ने कहा कि जल मंत्री आतिशी रोजाना बयान दे रही हैं कि हरियाणा दिल्ली को उसके कोटे का पानी नहीं दे रहा जबकि सच्चाई यह है कि दिल्ली को जितना पानी मिल रहा है, उसमें से 54 फीसदी बर्बाद हो जाता है।

आप सरकार ने उस पानी को बचाने के लिए आज तक कोई कदम नहीं उठाया। आज जब सुप्रीम कोर्ट ने इस बारे में दिल्ली सरकार से हलफनामा पेश करने को कहा तो सरकार ने आनन-फानन में मुख्य सचिव को निर्देश दिया है कि पाइप लाइनों की सुरक्षा के लिए डीएम और एसडीएम की जिम्मेदारी तय करें। अब ये अधिकारी पाइप लाइनों की मॉनिटरिंग करेंगे। सवाल यह है कि अब तक इस तरह की कार्रवाई क्यों नहीं की गई थी।

भाजपा सांसद ने कहा कि उपराज्यपाल ने दो दिन पहले दिल्ली सरकार को आगाह किया था कि टैंकर माफिया मुनक नहर से खुलेआम पानी की चोरी कर रहे हैं। इस पर जल मंत्री आतिशी ने कोई कार्रवाई करने की बजाय उपराज्यपाल पर ही दोषारोपण शुरू कर दिया था। दिल्ली सरकार बताए कि आज तक उसने टैंकर माफिया के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज क्यों नहीं कराई।

अब यही सवाल सुप्रीम कोर्ट ने भी दिल्ली सरकार से पूछा है तो सरकार इस पर जवाब देने से भी कतरा रही क्योंकि उसे पता है कि टैंकर माफिया के पीछे तो आम आदमी पार्टी के कई विधायकों का ही हाथ है। यहां तक कि टैंकर माफिया की आड़ में आम आदमी पार्टी के एक विधायक पर एक व्यक्ति को आत्महत्या के लिए उकसाने तक का आरोप है। भाजपा विधायक विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि आप सरकार जिस तरह टैंकर माफिया के साथ सांठ गांठ कर जनता के हक का पानी चोरी करा कर घड़ियाली आंसू बहा रही है।

गांवों के विकास के लिए 900 करोड़ आवंटित

लोस चुनाव के दौरान ग्रामीण विकास बोर्ड ने 1387 प्रस्ताव पास किए थे : गोपाल राय

- 15 जून तक कार्य योजना तय करने का निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सभी गांवों का कायाकल्प करने पर 900 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। है। इस फंड से दिल्ली सरकार ने शहरीकृत और ग्रामीण इलाकों के सभी गांवों के विकास के लिए तैयारी शुरु कर दी है।

ग्रामीण एवं विकास मंत्री गोपाल राय ने बुधवार को ग्रामीण विकास बोर्ड और उसकी कार्यकारी एजेंसी एमसीडी और सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने बताया कि केजरीवाल सरकार ने गांवों के विकास के लिए 900 करोड़ रुपए आवंटित किया है। गांवों में विभिन्न विकास कार्य के लिए चुनाव आचार संहिता लागू होने से पहले ग्रामीण विकास बोर्ड ने 1387 प्रस्ताव पास किए थे। अब इन कार्यों को युद्ध स्तर पर पूरा किया जाएगा।

अधिकारियों संग बैठक में ग्रामीण एवं विकास मंत्री गोपाल राय।

सभी एजेंसियां 15 जून तक अपना एक्शन प्लान तैयार करेंगी और 19 जून को सभी विधायकों के साथ बैठक कर विकास कार्यों में आ रही समस्याओं और उसके समाधान पर चर्चा की जाएगी। 27-28 जून को कागजी काम निपटाने और विकास कार्य में तेजी लाने के लिए सभी विभाग सचिवालय में कैंप लगाएंगे। सरकार के पास इन कार्यों को पूरा करने के लिए अक्टूबर तक का ही समय है, लेकिन हम इसे पूरा कर लेंगे। बैठक के बाद गोपाल राय ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आचार संहिता खत्म होते ही केजरीवाल सरकार ने विकास की गति को तेज करने के लिए अपनी रफ्तार बढ़ा दी है। शहरीकृत और ग्रामीण गांव की संख्या काफी बड़ी है। गांवों के विकास के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में पहली बार 900 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। राय के अनुसार लक्ष्य है कि जू में सभी आधिकारिक फाइल वर्क को पूरा करें। जुलाई में इन कामों की टेंडर प्रक्रिया शुरु हो जाएगी और अगस्त तक इनका वर्क ऑर्डर हो जाएगा। इसके बाद सितंबर-अक्टूबर में इन कामों को पूरा कर लिया जाएगा।

हर्ष मल्होत्रा ने राज्यमंत्री का कार्यभार संभाला

- सांसद बिधूड़ी ने सड़कों पर ध्यान देने का किया अनुरोध

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली से नवनिर्वाचित सांसद हर्ष मल्होत्रा ने केंद्रीय परिवहन राज्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाल लिया। इस अवसर पर दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने वरिष्ठ भाजपा विधायकों ओमप्रकाश शर्मा और अभय वर्मा के साथ पुष्प गुच्छ भेंट करके उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी।

बिधूड़ी ने कहा कि एक जमीनी कार्यकर्ता को सम्मान देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। बिधूड़ी ने कहा कि ऐसा केवल भाजपा में ही संभव है कि जमीन से जुड़ा एक सामान्य कार्यकर्ता को भी केंद्रीय मंत्री के रूप में काम करने का मौका मिलता है।

उन्होंने कहा कि हर्ष मल्होत्रा छात्र जीवन से लेकर अब तक भाजपा के लिए निष्काम भाव से काम कर रहे हैं। उनके मंत्री बनने से दिल्ली को

फोटोः रंजन डिमरी
हर्ष मल्होत्रा के परिवहन राज्य मंत्री के कार्यभार संभालने पर सांसद रामबीर बिधूड़ी गुलदस्ता भेंट करते हुए।

बहुत लाभ होगा क्योंकि दिल्ली की सड़कों का सबसे बुरा हाल है और दिल्ली सरकार इस तरफ कोई ध्यान नहीं दे रही।

उन्होंने मल्होत्रा से दिल्ली की सड़कों की तरफ ध्यान देने का अनुरोध करते हुए कहा कि सरकार की अनदेखी के कारण ही इन सड़कों की धूल से प्रदूषण बढ़ रहा है और भीड़भाड़ जाम तथा रोड रेज जैसी समस्याएं पैदा हो रही हैं। हालांकि इन सड़कों के निर्माण और मरम्मत की जिम्मेदारी दिल्ली सरकार की है लेकिन स्थिति इतनी बदतर हो गई है कि यह कार्य भी केंद्र सरकार को ही करना होगा।

दो लाख की कीमत के छह बकरे चोरी

- वजीराबाद इलाके का मामला, चोरी सीसीटीवी कैमरे में दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उत्तर-पश्चिम दिल्ली के वजीराबाद में तीन लोगों ने छह बकरे चुरा लिए, जिसके बाद उनके मालिकों को दो लाख रुपए का नुकसान हुआ है और उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि वे अगले हफ्ते बकरीद कैसे मनाएंगे। गत सोमवार को वजीराबाद में हुई यह चोरी सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई। ये बकरे दो व्यक्तियों के थे, जिन्होंने उन्हें अपने घरों के पास खाली जमीन पर बांध रखे थे। इस भूखंड के दरवाजे पर उन्होंने ताला लगा दिया था।

पुलिस के अनुसार, सीसीटीवी में नजर आ रहा है कि चूंकि (चोरों की) यह आई20 कार संकरी गली के अंदर नहीं जा पाई तो ऐसे में मफलर से चेहरा ढ़के तीन लोग (चोर) पैदल ही भूखंड तक गए। सीसीटीवी में दिख रहा है कि उन्होंने गैसकटर से ताला काट दिया और फिर एक-एक कर बकरों को वहां से ले गए। फिर वे बाहर खड़ी कार में उन्हें डालकर वहां से चले गए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस को सोमवार को पूर्वाह्न 10 बजकर 25 मिनट पर चोरी के बारे में कॉल की गई। उनके मुताबिक, पुलिस को बताया गया कि दो महीने पहले ही इन बकरों को अगले हफ्ते बकरीद पर कुर्बानी देने के लिए खरीदा गया था चुराए गए चार बकरों के मालिक मोहम्मद राशिख ने कहा, यह हमारी पवित्र रीति है कि हम बकरीद पर कुर्बानी देने से पहले कुछ दिनों तक उन्हें (बकरों को) अपने पास खिलाते हैं। इन छह बकरों की कीमत दो लाख रुपए से अधिक थी।

राशिख अंशकालिक व्यापार करते हैं और वह अपनी पत्नी एवं तीन बच्चों के साथ एक मकान में रहते हैं। इसी मकान के बगल के भूखंड में इन बकरों को उन्होंने रखा था। उन्होंने कहा, हमने पुलिस को सूचना दे दी है, लेकिन उनके वापस मिलने की संभावना बिल्कुल कम है। शायद, इस बार हम एक या दो बकरों से ही त्योहार मना पाएंगे।

रेल संग्रहालय को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। चाणक्यपुरी इलाके में स्थित रेल संग्रहालय को बम की धमकी वाला एक ई-मेल मिला है। पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि गहन जांच के बाद कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। रेल संग्रहालय के आधिकारिक ईमेल पते पर एक धमकी भरा ईमेल मिला, जिसमें कहा गया था कि परिसर में बम रखा गया है।

पुलिस ने बताया कि जब संग्रहालय के अधिकारियों ने बुधवार को ईमेल देखा तो उन्होंने लगभग 11 बजे स्थानीय पुलिस को सूचित किया। बम का पता लगाने वाली टीम, बम निरोधक दस्ते, अग्निशमन अधिकारियों और स्थानीय पुलिस ने गहन तलाशी ली। इसके बाद उन्होंने इसे अफवाह घोषित कर दिया।

ईदगाह के आसपास की सड़कों की करें मरम्मत : इमरान हुसैन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन ने ईद-उल-अजहा (बकरीद) के मद्देनजर विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ शाही ईदगाह का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया।

मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ईदगाह के आसपास सड़कों और गलियों में पर्याप्त साफ-सफाई सुनिश्चित करें। इमरान हुसैन ने दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों को ईद-उल-अजहा के दौरान उचित जल निकासी और स्वच्छ पानी की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। ईदगाह के पास पानी के टैंकरों की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए ताकि नमाज के दौरान आने वाले लोगों को पानी से संबंधित दिक्कतों का सामना न करना पड़े।

मंत्री ने जन सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिचित करने को कहा है। मंत्री ने ईदगाह परिसर में स्ट्रीट लाइट का मुआयना किया तथा स्थानीय निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे डीडीए के साथ सामंजस्य कर खराब पड़ी स्ट्रीट लाइटों को दुरुस्त कराएं तथा परिसर में ब्लैक स्पॉट्स को खत्म करने के लिए अतिरिक्त स्ट्रीट लाइटें भी लगवाएं।

जम्मू बस हमले के विरोध में विहिप का प्रदर्शन

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में श्रद्धालुओं को ले जा रही एक बस पर हुए आतंकी हमले के खिलाफ विश्व हिंदू परिषद के सदस्यों ने बुधवार को प्रदर्शन किया। इस आतंकी हमले में नौ लोग मारे गए थे। विहिप के एक पदाधिकारी ने कहा, विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी कार्वाई की मांग करते हुए प्रदर्शन किया। विश्व हिंदू परिषद के प्रवक्ता विनोद बंसल ने बताया कि बजरंग दल दक्षिण पूर्वी जिले के उप जिलाधिकारी कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया तथा राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपकर आतंकवाद के समूल नाश के लिए प्रभावी कदम उठाए जाने के लिए प्रार्थना की इससे पूर्व बलिदानी श्रृद्धालुओं को श्रद्धांजलि भी दी।

ONE STOP
SOLUTION FOR ALL YOUR
ADVERTISEMENT NEEDS
PLEASE CONTACT OUR REPRESENTATIVES

CLASSIFIEDS/ CLASSIFIEDS DISPLAY	
EAST / GHAZIABAD / NOIDA	8700525760
WEST	9211490069
NORTH	9818787813
SOUTH	9868703968
TENDER/ PUBLIC NOTICES [HOTELS, HOSPITALS, EDUCATION]	DISPLAY SHOPPING MALL
9910920100	9867575933
FINANCIALS/BUSINESS	DIGITAL
9891041159	9867575933

खूबसूरतः वसंत ऋतु में पूरी दिल्ली में लगेंगे 9 लाख ट्यूलिप

- इस वर्ष 200 जगहों पर ट्यूलिप लगाने का लक्ष्य है : एलजी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अगले साल वसंत ऋतु ट्यूलिप के फूल, एनडीएमसी और लुटियंस जोन के अलावा भी राजधानी के बड़े हिस्से की शोभा बढ़ाएंगे।

इसके लिए विभिन्न एजेंसियों द्वारा 9 लाख से अधिक ट्यूलिप के बल्ब खरीदने की योजना है। इस वर्ष लगाए जाने वाले 9 लाख ट्यूलिप, पिछले वर्ष की तुलना में लगभग दोगुने और वर्ष 2022 की तुलना में छह गुना अधिक हैं। वषर्स 2023 में करीब 5 लाख और 2022 में करीब 1.5 लाख ट्यूलिप, विभिन्न इलाकों में लगाए गए थे। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना की पहल पर और दिल्ली को फूलों का शहर बनाने के मकसद से ट्यूलिप समेत दूसरी किस्म के फूलों की संख्या को बढ़ाया गया है। मंगलवार को उपराज्यपाल के अध्यक्षता में हुई बैठक में आने वाले फूलों के मौसम में ट्यूलिप की खरीद और इसको लगाने के लिए योजना का ब्लूप्रिंट तैयार किया गया। इस बैठक में नागरिक निकाय और सरकार की विभिन्न एजेंसियों के अंतर्गत आने वाले हॉर्टिकल्चर डिपार्टमेंट ने हिस्सा लिया था।

इस बैठक में उपराज्यपाल को बताया गया कि इस वर्ष एनडीएमसी 3.25 लाख, जबकि डीडीए 4 लाख ट्यूलिप की खरीद करेगा। दूसरे नागरिक निकाय और ग्रीन एजेंसियां अपनी जरूरत के हिसाब से इन्हें एनडीएमसी और डीडीए से खरीदेंगी। इसके अलावा करीब 2.5 लाख ट्यूलिप बल्ब, जो दिल्ली से हार्वेस्ट के उपरांत, एनडीएमसी द्वारा पुनरुत्पादन के लिए पालमपुर के सीएसआईआर इंस्टिट्यूट ऑफ हिमालयन बायो-रिसोर्स टेक्नोलॉजी और दूसरे केंद्रों को दिए थे, वह भी दिल्ली को प्राप्त होंगे।

ट्यूलिप के लिए लोगों में उत्साह को देखते हुए, उपराज्यपाल ने इस वर्ष डीडीए और एनडीएमसी को नई दिल्ली, उत्तर, पूर्वी और बाहरी दिल्ली में अपनी विभिन्न नर्सरियों के माध्यम से गमलों में लगे ट्यूलिप को उचित दर पर बेचने का निर्देश दिया है, जिससे लोग उन्हें खरीद सकें। इस वर्ष समूचे एनडीएमसी इलाके में जिसमें 52 गोल चक्कर, प्रमुख जगह जैसे शांति पथ का डिप्लोमेटिक एरिया, तालकटोरा गार्डन, विंडसर प्लेस, सेंट्रल पार्क (कनॉट प्लेस), मंडी हाउस, अकबर रोड, चाणक्य पुरी, लोधी गार्डन, नेहरू पार्क, आरएमएल गोल चक्कर आदि शामिल हैं, में रंग बिरंगे ट्यूलिप लगाए जाएंगे। ट्यूलिप को इस वर्ष संसद भवन में समय से लगाया जाएगा, जिससे कि यह संसद सत्र के दौरान पूरी तरह से खिले हों।

पिछले वर्ष की ही तरह इस बार भी डीडीए अपने विभिन्न पार्कों में इन्हें लगाएगा, इसके अलावा यमुना के किनारे बने असिता, बांसेरा और यमुना वाटिका में भी इन्हें लगाया जाएगा। साथ ही उन जगहों पर, जहां पर लोगों का आना-जाना काफी होता है, ट्यूलिप लगाए जाएंगे।

स्टॉक मार्केट में निवेश के नाम पर ठगी, दो पकड़े

नई दिल्ली। स्टॉक मार्केट में निवेश के नाम पर की 20 लाख की ठगी करने की वारदात में साउथ जिला की साइबर थाना पुलिस ने दो आरोपियों मध्यप्रदेश के रहने वाले नरेंद्र पटेल और संदीप को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों के कब्जे से 9 आधारकार्ड,दो ड्राइविंग लाइसेंस,11 मोबाइल, 28 सिम कार्ड,13 एटीएम कार्ड,दो लैपटॉप समेत अन्य सामान बरामद किया है। जिला पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि साइबर पुलिस स्टेशन में एक पीड़ित ने शिकायत दर्ज कराई थीकि उनके वॉट्सएप नंबर एक मैसेज आया था। उसमें शेयर बाजार में निवेश करने के लिएकहा गया था। कम समय में अधिक रिटर्न का उन्हें लालच दिया गया। वह भी उनके बातों में आ गए। फिर उनके साथ 20 लाख से अधिक की साइबर ठगों ने ठगी कर ली।

अमृत भारत : गुरुग्राम रेलवे स्टेशन का होगा कायाकल्प

उच्च स्तरीय सुविधाओं के साथ आठ मंजिल आलीशान भवन के निर्माण और सौंदर्यीकरण पर खर्च होंगे 295 करोड़ रुपये

● अमृत काल योजना की इस विकास यात्रा में गुरुग्राम रेलवे स्टेशन को भी किया गया था शामिल

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

गुरुग्राम शहर के रेलवे स्टेशन की 295 करोड़ रुपये से तस्वीर बदलेगी। आठ मंजिला रेलवे स्टेशन का भवन होगा, जिसमें स्टेशन के कार्यालयों समेत अन्य सुविधाएं उच्च स्तर की मिलेंगी। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देश के अन्य स्टेशनों की तरह गुरुग्राम के रेलवे स्टेशन की भी कायापलट की जा रही है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देश के रेलवे स्टेशनों का व्यापक कायाकल्प करते हुए उन्हें आधुनिक टच दिया जा रहा है। अमृत काल की इस विकास यात्रा में गुरुग्राम रेलवे स्टेशन भी शामिल है। योजना के तहत गुरुग्राम रेलवे स्टेशन का करीब 295 करोड़ की लागत से कायाकल्प होने जा रहा है।

गुरुग्राम में रेलवे स्टेशन की वर्तमान में बिल्डिंग व बनने वाली नई बिल्डिंग की तस्वीर।

गुरुग्राम रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास परियोजना में एक नए मुख्य स्टेशन भवन ग्राउंड प्लस आठ मंजिला और एक छत प्लाजा/एयर कॉनकोर्स का निर्माण किया जाएगा। रूफ प्लाजा ट्रैक के दोनों ओर से जुड़ेगा। इस परियोजना में सड़क पर सुगम आवागमन व प्रस्थान, पिक एंड ड्रॉप पॉइंट, कैनोपी, हरित स्थान सहित स्टेशन का बाहरी विकास भी किया जाएगा।

यात्रियों को मिलेगा आधुनिक सुविधाओं का लाभ

आठ मंजिला नए भवन में एक मंजिल पर अत्याधुनिक हाल यात्रियों के लिए विभिन्न सुविधाओं से सुसज्जित होगा। स्टेशन बिल्डिंग के डिजाइन में स्थानीय संस्कृति, विरासत और वास्तुकला की झलक व रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। 26 फरवरी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के 554 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास व 1500 रोड ओवरब्रिज व अंडरपास के साथ ही गुरुग्राम रेलवे स्टेशन पर पुनर्विकास के तहत किए जाने वाले विकास कार्यों का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शिलान्यास किया था। रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आने वाले गुरुग्राम रेलवे स्टेशन को वाहनों और यात्रियों के लिए आवागमन में आसानी, नई वास्तुकला, विश्व स्तरीय अनुभव प्रदान करने वाली अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ प्रमुख उन्नयन के लिए चुना गया है।

चार मंजिलों का कॉमर्शियल रूप में होगा इस्तेमाल

स्टेशन अधीक्षक शंकर लाल मीणा के अनुसार, चार मंजिल को कॉमर्शियल रूप में इस्तेमाल में लाया जाएगा, जिसमें कैफेटेरिया जैसी सुविधा मिलेगी। इसके अलावा तीन मंजिल रेलवे के इस्तेमाल में ली जाएंगी। लेवल कार पार्किंग बेसमेंट प्लस स्टिल्ट प्लस 4 की योजना भी बनाई गई है। इसमें अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के साथ एकीकृत सुरक्षा प्रणालियां भी शामिल हैं। वैश्विक स्तर पर अपनी एक विशेष पहचान रखने वाले गुरुग्राम शहर के रेलवे स्टेशन का आने वाले समय में कायापलट होने के साथ ही यात्रियों को सभी सुविधाएं मिल सकेंगी।

पति ने की पत्नी की हत्या, आत्महत्या दिखाने के लिए शव पंखे पर लटकाया

पत्नी की हत्या करने का आरोपी पुलिस गिरफ्त में।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

● चरित्र पर शक के चलते बना कातिल, खुद ही पुलिस को फोन कर दी जानकारी, आरोपी को किया गिरफ्तार

पत्नी के चरित्र पर शक के चलते एक पति ने उसकी हत्या कर दी। इसे आत्महत्या दिखाने के लिए पंखे पर फंदा लगा शव को लटका दिया। फिर खुद ही पुलिस को फोन कर दिया। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बुधवार को बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान कन्नौज सतीश के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार 10 जून को सेक्टर-40 थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि इंद्रा आवास कॉलोनी में रीना नामक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। इस सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। वहां मृतका का पतीश सतीश कुमार व उसके 2 बच्चे मिले। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को पूरा मामला संदिग्ध लगा और फिर पुलिस ने मृतका के परिजनों से संपर्क किया। 11 जून को मृतका के भाई सुदामा ने पुलिस को शिकायत दी की वह उत्तर प्रदेश के कानपुर का रहने वाला है। उसकी बहन रीना की शादी करीब 12 साल पहले सतीश से हुई थी। उसकी बहन अपने पति सतीश व पर 2 बच्चों के साथ इंद्रा आवास कॉलोनी गांव सिलोखरा में रहती थी। शादी के बाद से ही सतीश उसकी बहन के साथ मारपीट करता था।

पुलिस के मुताबिक मृतका के भाई सुदामा को जब पता चला कि उसकी बहन की मृत्यु हो गई है तो वह अपनी बहन के घर पहुंचा। उसने अपने तौर पर अच्छी तरह पता किया कि उसकी बहन की मौत कैसे हुई है। उसे पता चला कि 9/10 जून की रात एक बजे उसके जीजा सतीश ने उसकी बहन के साथ मारपीट की। उसका गला दबाकर हत्या कर दी। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार के अनुसार आरोपी से पुलिस ने गहनता से पूछताछ की तो उसने सच उगल दिया। उसने कहा, उसे पत्नी के चरित्र पर संदेह था। जिसके चलते गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद बचने के लिए शव को चुन्नी से पंखे से लटका दिया। उसके बाद पुलिस को पत्नी के फांसी लगाकर हत्या करने की सूचना दी।

विशेष स्वच्छता अभियान से नगर निगम क्षेत्र को संवारने का संकल्प

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

निगम क्षेत्र की सफाई व्यवस्था को बेहतर करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन, जीएमडीए व नगर निगम गुरुग्राम की संयुक्त टीमें एक विशेष स्वच्छता अभियान चलाएंगी। अभियान के तहत जिला प्रशासन, जीएमडीए व नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में 19 टीमों का गठन करके वार्ड वाइज जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

टीम में जिला प्रशासन व जीएमडीए के वरिष्ठ अधिकारियों सहित संबंधित जोन के संयुक्त आयुक्त, वरिष्ठ सफाई निरीक्षक, सहायक अभियंता व कनिष्ठ अभियंता को शामिल किया गया है। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त डा. नरहरि सिंह बांगड़ की अध्यक्षता में स्थानीय लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह में इस संबंध में हुई बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त हितेश कुमार मीणा व अतिरिक्त निगमायुक्त डा. बलप्रीत सिंह सहित जिला प्रशासन, जीएमडीए व नगर निगम के अधिकारीगण शामिल हुए। विशेष स्वच्छता अभियान के तहत निगम क्षेत्र में इधर-उधर अनाधिकृत रूप से पड़े कूड़े को उठाकर सेकेंडरी कचरा कलेक्शन प्वाइंटों पर भिजवाना सुनिश्चित किया जाएगा।

बैठक करते नगर निगम, जीएमडीए व जिला प्रशासन के अधिकारी।

इसके साथ ही सड़कों, गलियों सहित सार्वजनिक स्थानों की सफाई व्यवस्था बेहतर की जाएगी।

अभियान के तहत अतिरिक्त निगमायुक्त डा. बलप्रीत सिंह को ओवरऑल इंचार्ज एवं नोडल अधिकारी बनाया गया है। प्रत्येक टीम को 2-2 वार्ड आवंटित किए गए हैं। वरिष्ठ अधिकारी लगातार अपने-अपने क्षेत्र का निरीक्षण करेंगे तथा कूड़ा उठान सहित सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करवाएंगे। वे अपने आवंटित क्षेत्र में सफाई कर्मचारियों की उपस्थिति तथा सफाई एजेंसियों के कार्य की निगरानी भी करेंगे तथा प्रतिदिन की रिपोर्ट नोडल अधिकारी को भेजेंगे।

बैठक में निगमायुक्त डा. नरहरि सिंह बांगड़ ने कहा कि सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में सुबह व शाम के समय निरीक्षण करेंगे तथा औचक निरीक्षण भी कर सकते हैं। निरीक्षण के दौरान निर्वतमान पार्षदों, आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों तथा गणमान्य नागरिकों के साथ मुलाकात करेंगे तथा उन्हें स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित करेंगे। टीमें यह भी सुनिश्चित करेंगी कि सेकेंडरी कलेक्शन प्वाइंटों के बाहर सड़क पर कूड़ा ना फैला हो। इसके साथ ही इधर-उधर कचरा फैलाने वालों के चालान भी किए जाएंगे। निगमायुक्त ने कहा कि अभियान के दौरान बागवानी कचरे व मलबे की समस्या का समाधान किया जाएगा। बल्क वेस्ट जनरेटरों को भी ठोस कचरा प्रबंधन के तहत कचरा निष्पादन के लिए जागरूक किया जाएगा।

कुलपति दिनेश कुमार को अंतरराष्ट्रीय फेलोशिप

गुरुग्राम। गुरुग्राम यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार को प्रतिष्ठित फुलब्राइट-नेहरू अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा प्रशासक फेलोशिप के लिए चुना गया है। इसी के साथ ही प्रो. दिनेश कुमार यह फेलोशिप प्राप्त करने वाले हरियाणा के पहले कुलपति हैं। यह गुरुग्राम विश्वविद्यालय और हरियाणा राज्य के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यूनाइटेड स्टेट्स-इंडिया एजुकेशनल फाउंडेशन द्वारा प्रशासित यह फेलोशिप शैक्षिक आदान-प्रदान के लिए उल्लेख के रूप में कार्य करता है। जिसका उद्देश्य संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के बीच आपसी समझ को बढ़ावा देना है।

संक्षिप्त समाचार

557 परिवार को लाडली सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ

गुरुग्राम। बेटियों के पालन-पोषण के लिए हरियाणा सरकार की ओर से लाडली सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना चलाई जा रही है। उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने कहा कि गुरुग्राम जिला में फिलहाल 557 परिवारों को लाडली सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ प्रदान किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत माता-पिता को प्रति माह 3000 रुपये की राशि दी जाती है। समाज कल्याण विभाग की ओर से लाडली सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना चलाई जा रही है। जिस परिवार में दंपत्ति के पास केवल बेटियां हैं, वे इस योजना का लाभ उठा सकते हैं।

सत्या डेवेलपर कार्यालय पर निवासियों ने किया प्रदर्शन

गुरुग्राम। सत्या डेवेलपर के कार्यालय पर सत्या हरमिटेज सोसायटी के 100 से ज्यादा निवासियों ने बुधवार को अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान उनसे सत्या के उपाध्यक्ष राजेंद्र गुप्ता ने बातचीत की। बंद रास्ते को खोलने के लिए हमारी मांग मान ली। 13 जून तक इसको पूरा कर देगा। अध्यक्ष बृज किशोर, उपाध्यक्ष दुर्बल सिंह, सदस्य अनुज सक्सेना, सामंत झा, रजत विज, रोहित, कैलाश कुमार, जेआर संख्यान, अंकिता विज, पल्लवी, निधि पांडेय, वर्षा खुराना, मास्टर जगदीश शर्मा ने बताया कि सत्या के उपाध्यक्ष राजेंद्र गुप्ता को बिना बिके फ्लैट्स का बकाया देने के लिए कहा गया। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे हमारे खाते से मिलान करके जल्दी ही सोसाइटी का भुगतान कर देंगे। इसके लिए 23 जून को उनका प्रतिनिधि कार्यालय में आएंगे।

साइबर अपराध थाना में शुरू हुआ पुलिस प्रशिक्षण केंद्र

गुरुग्राम। साइबर अपराधों व अपराधियों पर प्रभावी कार्यवाही करने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा ने बुधवार को गुरुग्राम में साइबर पुलिस प्रशिक्षण केंद्र सीवाई लैब का उद्घाटन किया। पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा ने कहा कि सीवाई-लैब को स्थापित करने का मुख्य उद्देश्य साइबर अपराधियों पे नजर रखना, उन्हें मॉनिटर करना व उनके द्वारा किए गए साइबर अपराधों को निष्क्रिय करना है। इस प्रशिक्षण केंद्र में 30 कम्प्यूटर, ऑडियो-वीडियो विजुअल उपकरण, टेलीविजन स्क्रीन लगाए गए हैं।

चोरी हुआ ऑटो कालिंदी कुंज से बरामद

फरीदाबाद। पुलिस उपायुक्त यातायात के मार्गदर्शन में फरीदाबाद में चलने वाले सभी ऑटो को एक यूनिक कोड दिया गया है। जिस पर ऑटो के मालिक का नाम व नम्बर लिखा होता है। साथ ही एक क्यूआर कोड दिया है। जिसको स्कैन करने पर ऑटो चालक की सभी डिटेल निकल जाती है। जिसकी मदद से आज पुलिस चौकी सिकरौना ने चोरी के ऑटो को मात्र 6 घंटे में बरामद करने सफलता हासिल की है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि धर्मचंद निवासी बालाजी कॉलोनी गांव करनेरा ने करीब 8.00 बजे पुलिस कंट्रोल रूम को ऑटो चोरी की सूचना दी जिस पर पुलिस चौकी सिकरौना मौके पर पहुंची। मौके से पुलिस टीम ने सीसीटीवी कैमरे व टोल के कैमरे चैक किए जिससे दिल्ली की तरफ जाने का अनुमान लगा। जिसकी पुलिस टीम तलाश कर रही थी।

अमृता विश्व विद्यापीठम लगातार चौथे वर्ष सबसे अव्वल

फरीदाबाद। अमृता विश्व विद्यापीठम लगातार चौथे वर्ष प्रतिष्ठित टाइम्स हायर एजुकेशन (टीएचई) इम्पैक्ट रैंकिंग के अनुसार भारत में नंबर 1 संस्थान बने में कायम रहा है। विश्वविद्यालय टीएचई की दुनिया भर के शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों की रैंकिंग में शामिल है। 2024 टाइम्स हायर एजुकेशन (टीएचई) इम्पैक्ट रैंकिंग में 125 देशों/क्षेत्रों के 2,152 उच्च शिक्षा संस्थानों की भागीदारी देखी गई, जिसका समापन संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) में विश्वविद्यालयों के योगदान और संपूर्ण स्थिरता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, अनुसंधान, प्रबंधन, आउटरीच और शिक्षण जैसे प्रमुख क्षेत्र के विस्तृत मूल्यांकन में हुआ। ये परिणाम 10 से 13 जून 2024 तक बैंकॉक में आयोजित टीएचई की ग्लोबल सस्टेनेबल डेवलपमेंट कांग्रेस के दौरान घोषित किया गया।

निवेश के नाम पर फ्रॉड करने वाला गुरुग्राम से गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

थाना शहर बल्लभगढ़ की टीम पुलिस चौकी अग्रसैन ने वर्ष 2020 से फ्रॉड के मुकदमें में फरार चल रहे आरोपी को गुरुग्राम से गिरफ्तार किया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी राजू कुमार गांव सिवार जिला अयोध्या उत्तर प्रदेश का तथा हाल में पंजाब के रुपनगर जिले की पावर कॉलोनी का रहने वाला है। आरोपी को पुलिस टीम ने गुरुग्राम से गिरफ्तार किया है। आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि आरोपी लोगो से इंवेस्टमेंट के नाम पर पैसे का फ्रॉड करता है। आरोपी ने वर्ष 2020 में 8.5 लाख रुपए का फ्रॉड किया था। जिसमें आरोपी तभी से फरार चल रहा था जिसके खिलाफ माननीय अदालत ने वर्ष 2023 में भगोडे का मुकदमा दर्ज किया था। आरोपी के खिलाफ पंजाब में भी फ्रॉड का मुकदमा दर्ज है। आरोपी को मुकदमें में पैसे की रिकवरी के लिए अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

हाईवे प्राधिकरण ने अतिक्रमण हटाने को चलाया बुलडोजर

● प्राधिकरण ने पलवल बस स्टैंड से खटेला सराय तक चलाया अभियान

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

बस स्टैंड पलवल से खटेला सराय के बीच अवैध अतिक्रमण हटाता दस्ता।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की तरफ से चलाये गए अतिक्रमण हटाओ अभियान की शुरूआत पलवल बस स्टैंड से शुरू करके खटेला सराय तक अभियान चलाया गया। इस बीच हाईवे की घटना प्रबंधक टीम को जो भी रास्ते में अतिक्रमण मिला उसे तो उन्होंने सरकारी जमीन को करवाया।

अतिक्रमण हटाओ अभियान सबसे पहले पलवल बस स्टैंड पर लगी रेहड़ी और फुटपाथ को साफ कराया गया। उसके बाद खटेला सराय में एक कंपनी द्वारा अवैध मिट्टी भराव को रुकवाते हुए कंपनी द्वारा बनाये अवैध रास्ते को जेसीबी की मदद से उखाड़ दिया। भविष्य में राष्ट्रीय राजमार्ग की अनुमति के साथ काम करने की हिदायत दी जैन सिकंजी के नाम से मशहूर होटल मालिक के द्वारा हाईवे के ऊपर अवैध विज्ञापन एवं बड़े-बड़े यूनिक पोल लगाए हुए थे जिसे घटना प्रबंधक टीम ने क्रेन की मदद से तोड़ कर गिराया और नेशनल हाईवे के घटना प्रबंधक राजकुमार ने भविष्य में हाईवे के ऊपर किसी भी प्रकार का विज्ञापन और अतिक्रमण न करने की शख्त हिदायत दी। टीम मै शामिल सीआरओ-रमेश , आरपीओ-मोनू शर्मा , आरपीओ-रहीश आदि लोग शामिल रहे।

बचपन के संस्कार ही जीवन की मजबूत नींव: आशा दीदी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

ब्रह्माकुमारीज के भोराकलां स्थित ओम शांति रिट्रीट सेंटर में 3 दिवसीय बाल व्यक्तित्व शिविर का बुधवार को शुभारंभ हुआ। इस दौरान बच्चों को श्रेष्ठ संस्कारों की जानकारी देकर उन्हें संस्कारी होने को प्रेरित किया गया।

ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी आशा दीदी ने कहा कि बचपन के श्रेष्ठ संस्कार ही वास्तव में जीवन की मजबूत नींव हैं। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज की पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी हृदय मोहिनी मात्र 9 वर्ष की आयु से ही ईश्वरीय विश्व विद्यालय से जुड़ी। उनका जीवन हमारे लिए आदर्श रूप है। उन्होंने जीवन में कभी क्रोध नहीं किया। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण भी अपने पूर्व जन्म के संस्कारों के कारण ही श्रीकृष्ण जैसे दिव्य गुणों वाले देवता बने। संस्था के बहादुरगढ़ सेवा केंद्रों की निदेशिका बीके अंजली ने कहा कि छोटी आयु से ही ऐसा श्रेष्ठ संग मिलना बहुत बड़े भाग्य की निशानी है। चंडीगढ़ से पधारी बीके अनिता ने कहा कि जब भी गुस्सा आए तो एक गिलास ठंडा पानी पिएं। साथ ही ओम शांति कहें तो गुस्सा शांत हो जायेगा।

बाल व्यक्तित्व शिविर का शुभारंभ करते हुए।

हीरो मोटोकॉर्प कंपनी के एचआर डिपार्टमेंट के डीजीएम अमित मलिक ने कहा कि सफलता का अर्थ ये नहीं कि अच्छे पद व प्रतिष्ठा की प्राप्ति हो। जीवन में सदा शांति एवं खुशी बनी रहना ही सबसे बड़ी सफलता है। कार्यक्रम में द अर्थ सेवियर्स के अध्यक्ष जस कालरा एवं हिसार के मुख्य आयकर आयुक्त डॉ. देवेंद्र सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए। चलो नई उड़ान भरें विषय पर आयोजित शिविर में बच्चों के लिए मानसिक और शारीरिक स्तर अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। साथ ही सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के द्वारा भी बच्चे अपनी कला प्रदर्शित करेंगे। शिविर में 500 से भी अधिक बच्चे सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में बीके विधात्री ने मंच संचालन किया।

बाल गृह का गेट फांदकर फरार हुई बलात्कार पीड़िता

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के सेक्टर-15 स्थित बाल गृह से एक रेप पीड़िता गेट फांदकर फरार हो गई। बाल गृह और उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों से यह खुलासा हुआ। पुलिस ने बाल गृह की अधीक्षक की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत में जगन्नाथ बाल गृह आश्रम की अधीक्षक स्मिता विश्नोई ने बताया कि 17 वर्षीय नाबालिग दुष्कर्म की पीड़िता थी। जिसमें आरोपी के खिलाफ खेड़ी दौला थाने में पुलिस ने मामला दर्ज किया था। तीन जून को पीड़िता को बाल कल्याण समिति में पेश करने के बाद सेक्टर-15 स्थित जगन्नाथ बाल गृह आश्रम में छोड़ा गया था। उन्होंने बताया कि मंगलवार की सुबह साढ़े छह बजे जब युवती आश्रम में नहीं मिली तो आश्रम में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की गई। जिसमें सामने आया कि वह मुख्य गेट को फांद कर बाहर गली की तरफ जा रही है। बाल गृह में रहने वाले बच्चों को वह कई बार बोल चुकी थी कि वह यहां से भाग जाएगी। सिविल लाइंस थाना प्रभारी धर्मवीर ने बताया कि केस दर्ज कर लिया गया है। युवती की तलाश के लिए एक टीम यूपी गई हुई है।

हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम ने 6 लाख 47 हजार तक पहुंची

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

समाजसेवी बोधराज सीकरी द्वारा चलाई जा रही हनुमान चालीसा पाठ मुहिम 6 लाख 47 हजार तक पहुंच गई है। इस बार गीता भवन मंदिर के प्रांगण में प्रधान सुरेंद्र खुल्लर और उदयभान ग्रोवर ने हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया।

गजेंद्र गोसाई ने व्यास गद्दी से हनुमान चालीसा के संगीतमय पाठ का शुभारंभ किया। मनीष खुल्लर ने भजन प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि हनुमान जी का नाम हनुमान किसने रखा। जिस व्यक्ति को अपने मान पर अपने सम्मान पर अहंकार है उसका अहंकार तोड़ने के लिए हनुमान जी का नाम हनुमान रखा गया। उन्होंने बताया कि पिछले सप्ताह तक 299 स्थानों पर 46,413 साधकों द्वारा 642,406 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं। इस बार के पाठ में लगभग 200 भक्तों ने भाग लिया। इस प्रकार अब तक 303 स्थानों पर 46,745 साधकों द्वारा 647,260 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं। अगला हनुमान चालीसा का पाठ प्रमोद सलूजा के माध्यम से गीता भवन न्यू कालोनी में होगा। इस मुहिम में 21 जून को योग दिवस पर लेजर वैली में प्रातः 5:30 बजे स्वामी ज्ञानानंद की उपस्थिति में होगा। इस अवसर पर डॉ. अलका शर्मा, केशव दास ग्रोवर, धर्मेंद्र बजाज, किशोरी लाल डुडेजा, रमेश कामरा, युधिष्ठिर अलमादी, राधे श्याम समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

नीट परीक्षा : 20 गरीब छात्रों ने लिखी सफलता की इबारत

● अजय बहादुर सिंह ने वंचित छात्रों को निशुल्क कोचिंग देकर दिलाई सफलता

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

नीट में सफल हुए गरीब परिवारों के बच्चों के साथ उनके प्रशिक्षक।

कुछ लोगों के लिए उपलब्ध संसाधनों से सपने साकार करना आसान होता है, जबकि अन्य के लिए यह एक अथक संघर्ष होता है। गरीब परिवारों से आने वाले 20 बच्चों ने नीट की परीक्षा पास करके दिखा दिया कि संसाधनों के साथ उन्हें अच्छी शिक्षा भी मिले तो कुछ भी हासिल किया जा सकता है। इन बच्चों के सपनों को साकार करने में भूमिका निभाई जिंदगी फाउंडेशन ने।

एक छोटे किसान और दिहाड़ी मजदूर के बेटे जगदीश महापात्रा को आर्थिक संघर्षों का सामना करना पड़ा। जिंदगी फाउंडेशन के मार्गदर्शन में उन्होंने नीट 2024 में 705 अंक प्राप्त किए और अब एक प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेज में दाखिला लेने के लिए तैयार हैं। प्रियव्रत देहुरी का जीवन उनके पिता की अचानक बीमारी और मृत्यु के कारण उथल-पुथल हो गया। काफी कठिनाइयों ने प्रियव्रत के डॉक्टर बनने के दृढ़ संकल्प को और मजबूत किया। उसने 700 अंक प्राप्त किए।

बिहार के खगड़िया के अभिषेक कुमार को अपने पिता की मृत्यु के बाद बहुत कठिनाई का सामना करना पड़ा। उनकी मां घरों में काम करती थी। बड़े भाई ने अभिषेक के डॉक्टर बनने के सपने को पूरा करने के लिए अपनी शिक्षा का त्याग कर दिया। इसी तरह से और कई बच्चों ने भी जीवन की कठिनाइयों के बीच नीट की परीक्षा को पास किया। इन बच्चों के सपनों को आकार देने और हौसलों को उड़ान देने में अजय बहादुर सिंह की अहम भूमिका रही। मुश्किल हालात के सवाल पे तो डॉक्टर नहीं बन सके, मगर दूसरों को डॉक्टर बनाने की ठान ली।

नई आबकारी नीति से हरियाणा में शराब महंगी

देसी शराब पांच और बीयर के दाम बीस रुपये प्रति बोतल बढ़े दाम, अंग्रेजी पर पांच प्रतिशत अधिक देना होगा

● होटलों के आसपास अलग-अलग ठेकेदारों को मिलेंगे लाइसेंस

प्रतीकात्मक फोटो

शिखा शर्मा। चंडीगढ़

हरियाणा में नई आबकारी नीति लागू होने के बाद शराब महंगी हो गई है। प्रदेश में बुधवार से नई आबकारी नीति लागू हो चुकी है। जिसके तहत शराब पीने वालों को पहले के मुकाबले अधिक पैसे देने पड़ेंगे।

देसी शराब की बोतल पर पांच रुपये और बीयर के लिए 20 रुपये अधिक चुकाने होंगे। इसी तरह अंग्रेजी व विदेशी शराब पर भी पहले के मुकाबले पांच प्रतिशत तक अतिरिक्त राशि चुकानी होगी।

पहली बार सरकार आयातित शराब को भी इसके दायरे में लाई है। होल सेल से जिस रेट पर ठेकेदार को विदेशी शराब मिलेगी, उस पर 20 प्रतिशत लाभ मानकर उस शराब की बिक्री होगी। पहले पालिसी में ऐसा प्रावधान नहीं था। नई पॉलिसी में बार व होटल संचालकों को राहत दी गई है। पहले होटलों में लाइसेंसी बार चलाने वाले संचालकों को पास के दो ठेकों से शराब लेने का नियम था।

कई बार ठेकेदारों के मनमर्जी के रेट लगाने की शिकायतें आती थी। दोनों ठेकेदार अपने रेट तय कर लेते थे और होटल संचालकों की मजबूरी थी कि किसी तीसरे से शराब नहीं खरीद सकते थे। इस बार सरकार ने पालिसी में बदलाव करते हुए होटल संचालकों को एक और विकल्प दिया है। वह अब आसपास के तीन ठेकों में से किसी से भी शराब खरीद सकेंगे।

तीनों ही शराब ठेके अलग-अलग लाइसेंस धारकों के होने चाहिए। तीन विकल्प मिलने के बाद तीनों ठेकेदारों में प्रतिस्पर्धा होगी और होटल संचालकों को तय रेट पर शराब मिल सकेगी। इस बार आबकारी नीति में पिछले साल के रिजर्व प्राइस के मुकाबले सात प्रतिशत तक बढ़ोतरी गई है, जबकि शराब के दाम कम बढ़ोतरी गई है। पहले प्रति पेटी 50 से 60 रुपये बढ़ाए जाते थे। इस बार 20 से 25 रुपये प्रति पेटी की बढ़ोतरी की गई है। एल-1 (अंग्रेजी होल सेल) और एल-13 (देशी शराब होल सेल) लाइसेंस की फीस में बदलाव नहीं किया गया है। गांवों में शराब के ठेके फिरनी से 50 मीटर दूर खोले जा सकेंगे, 12 बजे के बाद ठेका खोलने के लिए 20 लाख सालाना देना होगा।

प्रदेश में 976 खेल नर्सरी को मंजूरी

● ओलंपिक,एशियाई व राष्ट्रमंडल खेलों के लिए तैयार होंगे नए खिलाड़ी

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा में इस साल खेल प्रतिभाओं को उभारने के लिए 976 खेल नर्सरियां संचालित की जाएंगी। जिनमें 15 जून से प्रशिक्षण शुरू हो जाएगा।

खेल और युवा कार्यक्रम विभाग के प्रधान सचिव नवदीप सिंह विर्क ने सरकारी और निजी शिक्षण संस्थानों, पंचायत एवं निजी खेल संस्थानों में खोली जानी वाली नर्सरियों के नाम फाइनल कर दिए हैं। खेल विभाग की तरफ से बुधवार को जारी जानकारी के अनुसार हिसार को सर्वाधिक 83 और जींद को 82 तो अंबाला को सबसे कम 16 खेल नर्सरियां मिली हैं। इस बार पूरे प्रदेश में खेल नर्सरियों की संख्या को बढ़ाया गया है। खेल नर्सरियों में आठ से 14 आयु वर्ग के खिलाड़ियों को प्रति माह 1500 रुपये व 15 से 19 आयु वर्ग को 2000 रुपये खुराक भत्ता दिया जाएगा।

ग्राम सचिव भी होंगे अब मैरिज रजिस्ट्रार

● अब ग्राम सचिवों को मिले शादी पंजीकरण के अधिकार, हरियाणा सरकार ने बदले नियम

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने प्रदेश में शादी पंजीकरण के नियमों में बदलाव कर दिया है। अब ग्राम सचिव भी शादियों के पंजीकरण के लिए अधिकृत होंगे। प्रदेश सरकार ने बुधवार को इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। एक सप्ताह में यह दूसरा मौका है जब पंचायती राज संस्थाओं से जुड़े प्रतिनिधियों व कर्मचारियों के अधिकारों में वृद्धि की गई है।

गांवों में सिटी मजिस्ट्रेट, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, खंड विकास पंचायत अधिकारी सहित अब ग्राम सचिव को मैरिज रजिस्ट्रार की पावर मिल गई है। इससे पहले ग्रामीण स्तर पर केवल तहसीलदार के पास ही मैरिज रजिस्ट्रेशन का अधिकार था।

सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार हरियाणा के शहरी क्षेत्रों के लिए संयुक्त आयुक्त, कार्यकारी अधिकारी, सचिव नगर समिति, तहसीलदार, नायब तहसीलदार नामित रजिस्ट्रार होंगे।

लोग अब अपने विवाह को घर के नजदीक अधिकारियों के माध्यम से सरकारी कार्यालय में पंजीकृत करवा सकते हैं। मैरिज रजिस्ट्रार की संख्या बढने और घर से कम दूरी के कारण अब विवाह पंजीकरण करवाने वालों के लिए सुविधा के साथ-साथ समय की भी बचत होगी।

हरियाणा सरकार ने दिसंबर 2020 में सुशासन पहल के तहत विवाह पंजीकरण के लिए पोर्टल लॉन्च किया था। विवाह पंजीकरण पोर्टल पर अब तक 2.45 लाख से अधिक शादियां पंजीकृत की जा चुकी हैं, जिसमें दिसंबर 2020 से अप्रैल 2021 की अवधि में 12,416, वर्ष 2021-22 में 56,133, वर्ष 2023-23 में 67,604, वर्ष 2023-24 में 83,331 और अप्रैल 2024 से 10 जून तक 26,419 विवाह का पंजीकरण किया जाना शामिल है।

प्लाटों के रजिस्ट्री की मिलेगी सौगात

● भूखंडों को बेचने का भी रास्ता होगा साफ, 30 तक मांगी अनाधिकृत कालोनियों की जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

शहरी क्षेत्रों में नायब सरकार आमजन को बड़ी राहत देने की तैयारी में है। पिछले लंबे समय से बंद प्लाटों की रजिस्ट्री जल्द खुलेंगी और बड़े प्लाटों को को भूखंडों में बेचने का भी रास्ता साफ होगा। इसके साथ ही सरकार ने 30 जून तक अवैध कालोनियों को वैध करने की मांग की है।

प्रदेशभर में अभी तक दो हजार से ज्यादा अवैध कालोनियां नियमित हो चुकी हैं। अब चुनावी वर्ष में सरकार ने फैसला लिया है कि बची हुई अवैध कालोनियां को नियमित किया जाए। लिहाजा शहरी निकाय विभाग की ओर से 30 जून तक प्रदेशभर से अवैध कालोनियों की डिमांड मांगी गई है।

बता दें कि शहरी निकाय मंत्री सुभाष सुधा ने शहरी स्थानीय निकाय विभाग के अधिकारियों की बैठक में निकायों में आने वाली तमाम समस्याओं के बारे पर मंथन किया था और अधिकारियों को उन्हें तुरंत समाधान करने के निर्देश दिए गए थे। लिहाजा शहरी क्षेत्रों में ज्यादातर समस्याओं के समाधान का रास्ता साफ हो चुका है। जल्द ही शहरी निकाय मंत्री इन समस्याओं के समाधान को लेकर दी जाने वाली सौगातों का खुलासा करेंगे।

सरकार की ओर से विकास कार्यों में पारदर्शिता लाने के लिए ई-टेंडरिंग की सुविधा शुरू की गई है। लिहाजा अब ई-टेंडरिंग के कार्यों की भी लिमिट में बढ़ोतरी करने को लेकर सरकार की ओर से खाका तैयार किया गया है। इसके साथ ही सरकार ने निकाय प्रतिनिधियों की पावर ब ?ाने की दिशा में भी कदम ब ?ाया है। शहरी निकाय मंत्री सुभाष सुधा अब फील्ड में उतरने की तैयारी में हैं। निकाय मंत्री सभी 90 निकायों का दौरा करेंगे और आमजन से सीधा संवाद करेंगे।

यही नहीं निकाय मंत्री द्वारा सभी निकाय कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया जाएगा। शहरी निकाय मंत्री की ओर से उन निकायों की सूची तैयार कर ली गई है, जहां पर आमजन की सबसे ज्यादा शिकायतें हैं। खासकर नगर निगमों में अधिकारियों व कर्मचारियों की मनमानी पर अंकुश लगाने की तैयारी है। इसके साथ ही निकायों का निरीक्षण के दौरान सफाई व्यवस्था को जांचेंगे और शहरी क्षेत्रों में चल रहे प्रोजेक्टों का भी मुआयना करेंगे।

श्रमिकों को सिलिकोसिस से बचाएगी मोबाइल डिस्पेंसरी

● जल्द ही प्रदेश भर में 44 मोबाइल डिस्पेंसरी वैन को दिखाई जाएगी हरी झंडी, श्रम मंत्री ने मोबाइल वैन को झंडी दिखाकर किया रवाना

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य और श्रम मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि श्रमिकों को सिलिकोसिस जैसी खतरनाक बीमारी से बचाने के लिए जल्द ही 44 मोबाइल डिस्पेंसरी वैन शुरू की जाएगी।

यह वैन खनन, निर्माण स्थलों या सिलिकोसिस होने की संभावना रहती है, उन स्थानों पर जाकर श्रमिकों के स्वास्थ्य की जांच करेगी, ताकि इस बीमारी का प्रथम चरण में ही पता लग सके और उन्हें उचित इलाज मुहैया करवाया जा सके। इसके लिए प्रारंभिक प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है जल्द ही इन वैन को हरी झंडी दिखाई जाएगी। मूलचंद शर्मा बुधवार को यहां श्रम विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि इंडस्ट्रियल सेफ्टी एवं हेल्थ विंग को सुदृढ़ करें और फैक्ट्रियों में श्रमिकों के स्वास्थ्य व कार्य वातावरण की भी जांच करें।

बैठक में जानकारी दी गई कि वर्ष 2009 से 2014 तक हरियाणा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के पंजीकृत श्रमिकों को केवल 26.24 करोड़ का ही लाभ दिया। वर्ष 2014 से 2019 तक 526 करोड़ और वर्ष 2019 से 2024 तक 1232.19 करोड़ का लाभ दिया गया है। वहीं, वर्ष 2009 से 2014 तक श्रमिक कल्याण बोर्ड के पंजीकृत श्रमिकों 64.19 करोड़ का ही लाभ दिया गया।

एनईपी में एक वर्ष में भी हो सकेगी पीजी डिग्री

● पीजी कक्षाओं में सभी प्रवधानों के साथ एनईपी लागू करने वाला कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय पहला विवि बन गया

सौरभ चौधरी। कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर (पीजी) कक्षाओं में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू होने के बाद पीजी डिग्री दो वर्ष की बजाय एक वर्ष में भी की जा सकेगी। स्नातक कक्षा में चार वर्ष में आनर्स करने के बाद विद्यार्थी को पीजी में सीधे तीसरे सेमेस्टर में दाखिला मिलेगा। ऐसे विद्यार्थियों को एक ही वर्ष में पीजी डिग्री मिल सकेगी।

ऐसा भी पहली बार होगा कि पीजी कक्षाओं में प्रथम वर्ष में दाखिला लेने वाले विद्यार्थी को पहले सेमेस्टर में एक सेमिनार करना अनिवार्य होगा, इसके लिए विद्यार्थी को दो क्रेडिट मिलेंगे। इसके साथ ही पीजी की बजाय विदेशों की तर्ज पर मास्टर्स (विशेषज्ञ) तैयार करने के लिए दूसरे सेमेस्टर के बाद इंटर्नशिप अनिवार्य होगी। इस इंटर्नशिप के विद्यार्थी को चार क्रेडिट मिलेंगे। ऐसे में सेमिनार से जहां विद्यार्थी सेल्फ लर्निंग की ओर बढ़ेगा, वहीं इंटर्नशिप से वह अपने आपको को रोजगार के लिए तैयार कर सकेगा। डॉ अनिल वशिष्ठ, डीन ऐकडेमिक अफेयर्स, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने पायनियर से बात करते हुए कहा की ओर से वर्ष 2024-25 शैक्षणिक सत्र में पीजी कक्षाओं में भी एनईपी को सभी प्रविधानों के साथ लागू किया गया है।

हिसार हवाई अड्डे का उद्घाटन 20 जून

चंडीगढ़। हरियाणा के नागरिक उड्डयन मंत्री डॉ कमल गुप्ता ने कहा कि 20 जून को मुख्यमंत्री नायब सिंह महाराजा अग्रसेन हिसार एयरपोर्ट के फेज-2 के विभिन्न सिविल कार्यों का लोकार्पण करेंगे। वे चंडीगढ़ में हिसार एयरपोर्ट तथा सिविल एन्क्लेव अम्बाला की स्थापना को लेकर नागरिक उड्डयन विभाग, एयरफोर्स अंबाला तथा एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अम्बाला में सिविल एन्क्लेव के काम को आगे बढ़ाएं।

जनता ने 400 पार के नारे की निकाली हवा : कुमारी शैलजा

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं कांग्रेस कार्यसमिति की सदस्य एवं सिरसा लोकसभा सीट से कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि देश की जनता ने भाजपा के 400 पार का नारा दिया था, लेकिन देश की जनता ने उसे पूरी तरह से नकार दिया।

उन्होंने कहा, देश की जनता ने भाजपा को आईना दिखा दिया है कि झूठ और जुमले ज्यादा दिन नहीं चलते। प्रदेश की जनता भाजपा की दस साल की नीतियों से तंग आ चुकी है और सरकार से पीछा छुड़ाना चाहती है। लोकसभा चुनाव में जनता ने दिखा दिया है कि भाजपा जा रही है और कांग्रेस आ रही है। वे बुधवार को भाजपा पर आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान देश की जनता पर अपनी विचारधारा और तरीका जबरदस्ती थोपने का प्रयास किया, जिसे देश की जनता ने नकार दिया।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Tarlochan Kaur W/o Shri Balvinder Singh R/o A-90, Shastri Nagar, Delhi-110052 have Changed my name to Trilochan Kaur for all future purposes.

PD(523)A

PUBLIC NOTICE

General Public is hereby informed that we (1) Pardeep Sachdeva and 2) Lalit Sachdeva, both Sons of Late Sh. Vishan Dass Sachdeva, both resident of 24/94 West Patel Nagar, New Delhi-110008 are filing application in L&DO for substitution of property No. 24/94, West Patel Nagar, New Delhi- 110008 in our names on the Grounds of registered. Relinquishment Deed. If there are any objections claims from General public on this application, the same shall be communicated to L&DO with supporting document through registered post or by visiting L&DO at Nirman Bhawan, New Delhi or through an email at ldo@nic.in, within 30 days of publication of this notice.

PARDEEP SACHDEVA
LALIT SACHDEVA
R/O 24/94, West Patel Nagar New Delhi-110008
Ph. No 9311261193

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि श्रीमती बिमलेश देवी पत्नी श्री भूदेव बघेल, गांव नसीरपुर, दिल्ली राज्य दिल्ली, कॉलोनी दुर्गा पार्क के नाम से जाना जाता है, नई दिल्ली में स्थित संपत्ति संख्या 19-ए, क्षेत्रफल 49 वर्ग गज, खसरा नंबर 161 में से, का मालिक है। जो श्री भूदेव बघेल के द्वारा निष्पादित नोटरीकृत जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी और बेचने का अनुबंध दिनांक 29.12.1997 के माध्यम से है। और इस संपत्ति को इच्छुक उधारकर्ता यानी श्री वीरेंद्र प्रसाद सिंह और श्रीमती निशा देवी को बेची जानी है। जो एसएमएफजी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड के द्वारा वित्तपोषित किया जाएगा। यदि किसी व्यक्ति के पास उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व है या किसी भी प्रकार का विवाद है, तो कृपया अधोहस्ताक्षरी को नीचे दिए गए पते पर लिखित रुप में वर्तमान से 07 दिनों के भीतर सूचित करें। श्रीमती प्रसून लता, अधिवक्ता
एसजी एसोसिएट्स (लॉ फर्म)
एफएफ18, लोटस पॉन्ड प्लाजा, वैभव खंड, इंदिरापुरम, गाजियाबाद, यूपी
ईमेल:sgassociatespl@gmail.com,फोन:7011172764, 01204440300

सार्वजनिक सूचना

मेरी मुवक्किल श्रीमती रोशनी देवी, ग्राम होलंबी कलां दिल्ली, वासु विहार, कॉलोनी होलंबी कलां दिल्ली-110082 के नाम से जाना जाता है, में स्थित आवासीय संपत्ति क्षेत्रफल 20.9 वर्ग मीटर, खसरा नंबर 74/5 में से, पंजीकृत हस्तांतरण विलेख दिनांक 06.03.2023 के माध्यम से मालिक है। जो पीओआई के द्वारा डीडीए के माध्यम से श्रीमती रोशनी देवी के पक्ष में निष्पादित पंजीकरण संख्या 2024/21/I/1904, SR-नॉर्थ नरेला दिल्ली में है। उपरोक्त संपत्ति को फेड बैंक फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के पास गिरवी होने जा रही है। यदि किसी व्यक्ति/बैंक/वित्तीय संस्थान के पास उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई दावा/अधिकार, ग्रहणाधिकार, कोई आपत्ति है, तो उसे अधोहस्ताक्षरी/अधिवक्ता विशाल मेहन, ई-713, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली-110092 को इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 15 दिनों के भीतर पंजीकृत पते के तहत दस्तावेजी साक्ष्य के साथ सूचित किया जाना चाहिए। ऐसा न करने पर किसी भी दावे, ग्रहणाधिकार या आपत्ति को माफ कर दिया गया माना जाएगा।
विशाल मेहन, अधिवक्ता
ई-713, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली-110092,
मोबाइल नंबर 9811215181

PUBLIC NOTICE

It is to inform to the public at large that Mrs. Manpreet Kaur have acquired Property no. 1412/BA/4- B. New no. B-66, measuring 200 Sq. yds, Khasra no. 697, situated at village Saboli, B Block, Gali No.5. Gurudwara wali Gali, East Nathu Colony, Shahdara, Delhi vide Gift Deed dt. 28.05.2024 executed by Mr. Gurmeet Singh. Sale deed dt. 03.06.1964 executed by Mr. Nathu Singh in favour of Mr. Prem Singh and Sale deed dt. 07.07.1971 executed by Mr. Prem Singh in favour of Mr. Gujar Singh in respect of said property are lost in Original.
OR
Any person I firm I institution I company having any claim or right in respect of the said Property by way of inheritance, share, sale, agreement, lease, license, gift, possession, legal heirs, partners or encumbrance howsoever or otherwise is hereby required to intimate in writing to the undersigned within 07 days from the date of publication of this notice of his/her/their share or claim, if any, with all supporting documents at below mentioned address. After expiration of notice period the claims if any, of such person shall be treated null and Void and also treated as waived and not binding on our client.
Ajay Giri (Advocate) "H No. 26/161, Basement, Vikram Vihar, Lajpat Nagar 4, New Delhi 110024"

PUBLIC NOTICE

Be it known to all through this Public notice that my clients Sh. Jameel S/o Lt. Sh. Ajmuddin and Smt. Jameela W/o Sh. Jameel Both R/o H.No. 27 Haji Colony, Jamia Nagar, Okhla, New Delhi-110025 have severed all kind of their relationship and disowned & disinherited their son namely Sh. Vakeel & their daughter in law namely Smt. Shaista W/o Sh. Vakeel Both R/o H.No. 27, Third Floor, Haji Colony, Jamia Nagar, Okhla, New Delhi-110025 from their all movable and immovable properties including H.No. 27 Haji Colony, Jamia Nagar, Okhla, New Delhi-110025 & Shop No. A-38, Saurabh Vihar. Jaitpur. Badarpur, New Delhi-110044. Anybody dealing with them in any manner, shall do the same on his/her own risk and my clients shall not be responsible for any act. deed and omission of their aforesaid son & daughter in law. Hereinafter.
Akarshan Bhardwaj (Advocate) Off:-Bhardwaj Estate, Building No.1 Near Kalkaji Temple Complex, New Delhi-110019

PUBLIC NOTICE
THIS PUBLIC NOTICE IS ISSUED FOR & ON BEHALF OF TULIKA ARORA & GURPREET SINGH ARORA

Be it known to public at large that I, Tulika Arora, wife of Shri Gurpreet Singh Arora declare on my behalf as well as on behalf of my husband Sh. Gurpreet Singh Arora S/o. Sh. Harbhajan Singh Arora that we came to know that Shri Vivek Chauhan, son of Shri Vinay Chauhan, who is my brother in Law, is involved in some illegal and fraudulent activities and committed certain offences and accordingly an FIR bearing No. 0204 was also registered against him on dated: 08-06-2024 at Police Station: Civil Lines, Jind. I and my husband Gurpreet Singh Arora have nothing to do with any/ all his unlawful activities and we have no connection whatsoever with the financial transactions done either by him or his wife Smt. Swati Sahni. We have no connection, role and nothing to do with whatsoever with any of their criminal, anti social or financial wrongful acts as mentioned under the above referred FIR as well as under any other cases against Smt. Swati Sahni and her husband Sh. Vivek Chauhan. Hence, it is notified to all that who so ever has transacted with them pertaining to the said unlawful, illegal and fraudulent acts committed by them, jointly or severally, I or my family are not responsible in any manner for any of their actions. If anyone does any business or non-professional work, dealing or transaction with Swati Sahni & Vivek Chauhan, then he/ she himself/ herself shall be responsible for the same
It is notified accordingly.
Sd/-
Tulika Arora
W/o. Sh. Gurpreet Singh
R/o. Sector- 109, Gurugram, Haryana

PUBLIC NOTICE
To whom it May concern
Tarak Hospital, C-7, Jai Bharat Enclave, Dwarka More, Opp. Metro Pillar No. 789, New Delhi-110059
Have decided as per rule to destroyed all medical records lie between 1st April 2018 to 31st March 2019.
Concern Person can contact at reception with in 15 days.
Tarak Hospital
Medical Director

प्रकाशन

इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड, सुरक्षित लेनदार की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनांक 05.06.2024 को कर्ज खाता नं. HHLJKS00401707 और HHEVAS00157262 में जारी की गई सूचना में दीपिका मसीह (उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता) को स्व.डेविड मसीह के अन्य कानूनी उत्तराधिकारी (यों) की जानकारी अधिसूचना की प्राप्ति की तारीख से 7 (सात) दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी को देनी थी। जैसा कि आप उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता कानूनी उत्तराधिकारी का विवरण प्रदान करने में विफल रहे है इस लिए अधोहस्ताक्षरी द्वारा यह माना जाता है कि उपर्युक्त उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता के अलावा स्व. डेविड मसीह का अन्य कोई कानूनी उत्तराधिकारी नही है।

सही/-
प्राधिकृत अधिकारी
स्थान: गाज़ियाबाद
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड

ICICI Bank | शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल शाल टावर, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग दिल्ली- 110005

सार्वजनिक सूचना - प्रत्याभूत आस्ति की बिक्री हेतु निविदा-सह-ई-नीलामी
[नियम 8 (6) का प्रावधान देखें]
अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु सूचना

अचल संपत्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय की सूचना वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुन: निर्माण तथा प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 के अन्तर्गत सहपठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 की धारा 8(6) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए जारी की गई है।
सर्वजन तथा व्यक्तिगत रूप से कर्जदार(रों) एवं ज़मानतदार(रों) को इस सूचना द्वारा सूचित किया जाता है कि नीचे दर्शाई गई अचल संपत्ति संरक्षित ऋणदाता के पास बंधक/ अधिभारित है। उनका भौतिक अधिग्रहण आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड (संरक्षित ऋणदाता) द्वारा प्राधिकृत अधिकारी के रूप में कर लिया गया है एवं दर्शाए विवरण अनुसार उनके द्वारा "जहाँ है जैसी है", "जैसी है वैसी है" एवं "जिस भी स्थिति में है" के आधार पर अचल संपत्ति के विक्रय के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए जा रहे हैं :-

क्र. सं.	कर्ज़दार(रों)/ सह-कर्ज़दार(रों)/ ज़मानतदार(रों) के नाम/ ऋण खाता संख्या	प्रत्याभूत आस्तियों का विवरण, ऋणभारों सहित, यदि कोई है	बकाया राशि (रु. में)	सुरक्षित मूल्य (रु. में) / धरोहर राशि जमा (रु. में)	संपत्ति निरीक्षण की तिथि एवं समय	ई-नीलामी की तिथि एवं समय
(ए)	(बी)	(सी)	(डी)	(ई)	(एफ)	(जी)
1.	विभोर कुमार (कर्ज़दार), अनुराधा जसूजा (सह-कर्ज़दार), ऋण खाता संख्या LBGUR00004983636	इकाई क्र जी-68, ग्राउंड फ्लोर, स्पेज़ पलाज़ो सेक्टर 69, ग्राम फाजिलपुर झारसा, हरियाणा गुड़गाँव- 122001, क्षेत्रफल- 394 वर्ग फुट.	रु. 1,02,96,895/- (जून 10, 2024 तक)	रु. 40,00,000/- / रु. 4,00,000/-	जून 24, 2024 को दोप 12:00 बजे से दोप 02:00 बजे तक	जुलाई 10, 2024 को दोप 12:00 बजे तक

ऑनलाइन नीलामी हमारी ई-नीलामी संस्था सी1 इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की वेबसाइट (URL Link https://www.bankeauctions.com) पर संचालित होगी। बंधककर्ताओं/ सूचना प्रेषितकर्ताओं को जुलाई 09, 2024 को शाम 05:00 बजे से पूर्व तक कुल बकाया राशि उस पर आगे ब्याज सहित भुगतान करने का अंतिम अवसर दिया जाता है, जिसमें विफल रहने पर इस/इन संरक्षित संपत्ति(यों) की बिक्री निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार की जाएगी।
संभावित बोलीकर्ता(ओं) को बयाना राशि (ईएमडी) डिमाण्ड ड्राफ्ट (डीडी) (कॉलम ई देखें) जो आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड तीसरी मंजिल शाल टावर, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग दिल्ली- 110005 में जुलाई 09, 2024 तक शाम 05:00 बजे से पूर्व जमा करना अनिवार्य है एवं इसके पश्चात् वे अपना प्रस्ताव उपरोक्त वर्णित वेबसाइट के माध्यम से ईएमडी के भुगतान साक्ष्य अर्थात बैंक डीडी पावती की स्कैन इमेज (छायाप्रति) जुलाई 09, 2024 तक शाम 05:00 बजे से पूर्व जमा करें। यदि संभावित बोलीकर्ता(ओं) वेबसाइट के माध्यम से उनके प्रस्ताव को जमा कराने में विफल रहते हैं, तो वे आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड तीसरी मंजिल शाल टावर, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग दिल्ली- 110005 में निविदा प्रलेखों की हस्ताक्षरित प्रति को जुलाई 09, 2024 को शाम 05:00 बजे से पूर्व तक जमा करवा सकते हैं। बयाना राशि का डिमाण्ड ड्राफ्ट/ पे ऑर्डर किसी भी राष्ट्रीयकृत/ शैडूल्ड बैंक द्वारा आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड की दिल्ली शाखा के पक्ष में भुगतान हेतु होना चाहिए।
संपत्ति निरीक्षण, ई-नीलामी के नियम एवं शर्तों तथा निविदा प्रक्रिया के संदर्भ में स्पष्टीकरण हेतु कृपया आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड कर्मचारी के फोन नंबर 8126013708/8584874809. पर संपर्क करें।
कृपया नोट करें कि मार्केटिंग एजेंसी 1. मेसर्स नेक्सएक्सएन सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड 2. ऑगियो एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड 3. हेक्टा प्रॉपटेक प्राइवेट लिमिटेड इस संपत्ति की बिक्री में सुगमता हेतु सलंग्न है।
प्राधिकृत अधिकारी बिना किसी कारण दर्शाए किसी एक अथवा अधिक निविदा व बोली को निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं।
बिक्री के विस्तृत नियमों एवं शर्तों हेतु कृपया वेबसाइट www.icicibank.com/n4p4s पर संपर्क करें।

तिथि : जून 13, 2024
स्थान : गुड़गाँव
प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

कार्यालय ग्रामपंचायत -रामपुर विकास खण्ड सासनी जनपद हाथरस
पत्रांक मी.मो/गाम पंचायत/ रामपुर /टेन्डर/2024-25 दिनांक -12-06-2024
अतिअल्पकालीनकुटेशन/निविदा

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पचम वित्त /पन्द्रहवा वित्त आयोग के अर्न्तगत वर्ष 2024-25 मे उपलब्ध धनराशि से कराये जाने वाले निम्नाकित कार्यो हेतु उनके सम्मुख अंकित विवरणनुसार सामग्री की कार्य स्थल पर आपूर्ति हेतु महुरबन्द निविदा/कुटेशन दिनाक 12-06-2024 को दिन के 3:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो इसी दिन सायं 3:30 बजे उपस्थित कुटेशनदाताओ के समक्ष अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय अधोहस्ताक्षरी अथवा उसके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा खाली जायेगी। यदि उक्त कुटेशन प्राप्त करने एवं खोलने के दिन को राजकीय अवकाश घोषित होता है ताक कुटेशन/निकवदा प्राप्त एवं खोलने की तिथ अगला कार्य दिवस होगा। कुटेशन/निविदा की शर्त निम्नवत निर्धारित की जाती है।
1- निविदा कुटेशन प्रपत्र कार्यालय ग्राम प. रामपुर से कार्यालय दिवस एवं समय में दिना 19-06-2024 तक निविदा मूल्य देकर प्राप्त किये जा सकते है।
3- निविदा सशर्त अथवा निर्धारित समय के बादप्रस्तुत निविदायें मान्य नहीं होगी तथा किसी भी निविदा को बिना कारण बताये स्वीकृत/अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा।
4- निविदा दरो की वैधता छ: माह अधिकतम होगी। इसके लिये निविदा प्रपत्र के साथ एक सौ रूपये का नॉनजुडीशियल स्टाम्प पर एक रूपये का रिवेन्यू टिकट के साथ होना अनिविार्य है।
6-बिलों के भुगतान में नियमानुसार आयकर वैट एवं रॉयल्टी की जिम्मेदारी स्वय फर्म की होगी।
7-सामग्री की आपूर्ति उच्च गुणवत्ता की होनी चाहिये।
8- कोई भी कुटेशन/निविदादाता जो राज्य विधि बार कौसिल में पंजीकृत हो निविदा देने से प्रतिबधित होग।

क्रम संख्या	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (सामग्री) रू. में	धरोहर धनराशि रू. में	निविदा प्रपत्र का मूल्य रू. म	कार्य की अवधि माह में
1	चेयरमैन के घर से शिवशंकर पंडित के प्लाट तक 50 ला. व नाली	245980	4919	250+GST	6 माह
2	रामपुर में एम.आर. स्कूल में पोखर तक यू टाइप नाली	192992	3859	250+GST	6 माह
3	विवेक सचिव के मकान से केएमआर स्कूल तक यू टाइप	136260	2725	250+GST	6 माह
4	मकरंद के घर से राजनाई के घर तक इ.ला. व नाली निर्माण	209969	4199	250+GST	6 माह
5	अम्बेडकर पार्क से विक्रय सिंह की मकान तक यू टाइप नाली	135425	2708	250+GST	6 माह
6	मुकेश लाल के घर से प्राइवेट कालोनी ब 50 एम नाली	441683	8833	250+GST	6 माह
7	विवेक सचिव के घर से पोखर तक यू टाइप नाली में सिल्ट कैचरों का निर्माण	154414	3088	250+GST	6 माह
8	हॉट बाजार से पोखर तक सिल्ट कैचरों का निर्माण कार्य	425515	8510	250+GST	6 माह
9	ततब जेन्टर निर्माण कार्य	161711	3234	250+GST	6 माह
10	सीताराम मन्दिर के पोखर तक 50 नाली कार्य	587925	11758	250+GST	6 माह
11	दाऊ दयाल के घर से जुगेन्द्र के घर तक 50 नाली निर्माण	125865	2517	250+GST	6 माह
12	अन्त्येष्टि जगह मरम्मत कार्य				

अध्यक्ष/प्रधान
ग्रम पंचायत रामपुर
सचिव
ग्राम विकास अधिकारी वि. खण्ड-सासनी
जनपद-हाथरस

pnb Housing Finance Limited
Ghar Ki Baat
पंजीकृत कार्यालय: 9वीं मंजिल अंतरिक्ष भवन, 22, के.जी. मार्ग, नई दिल्ली-110001
फोन: 011-23445200, वेबसाइट: www.pnbhousing.com, सीआईएन नं.: L65922DL1988PLC033856

परिसर के स्थानांतरण हेतु नोटिस
जो कोई भी इससे संबंधित है उसके लिए

आम जनता को सूचित किया जाता है कि हम दिनांक 15 सितंबर 2024 को या उससे पहले निम्नलिखित कार्यालय परिसर को स्थानांतरित कर रहे हैं।

वर्तमान पता
पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, 8वीं मंजिल, डीसीएम बिल्डिंग 16, बाराखंभा रोड, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली - 110001

नया पता (स्थानांतरण के बाद)
पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, 9वीं मंजिल, अंतरिक्ष भवन, 22 केजी मार्ग, नई दिल्ली-110001

हस्ता/- प्राधिकृत अधिकारी, पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

शुद्धिपत्र

ICICI Bank | शाखा कार्यालय: आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड प्लॉट नं. 23, शाल टॉवर, तीसरी मंजिल, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली-110005

ऋण खाता सं. LBDEL00001801026 हेतु सरफेसी अधिनियम के तहत नोटिस, उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता का नाम-संजय कपूर/अनामिका कपूर, सरफेसी अधिनियम 2002 के तहत नोटिस, सांकेतिक नोटिस दिनांक 17 सितंबर 2021, कब्जे का नोटिस दिनांक मई 20, 2024 समाचार पत्र द पायनियर (अंग्रेजी) और पायनियर (हिंदी) में क्रमश: 22 सितंबर, 2021 और 23 मई, 2024 को प्रकाशित हुआ। हम यह उल्लेख करना चाहते हैं कि जाने-अनजाने में उक्त नोटिस में एक टाइपोग्राफिकल त्रुटि हुई है और आवेदक/सह-आवेदक/गारंटर का नाम संजय कपूर/अनामिका कपूर के स्थान पर संजय कपूर, एयरवॉयस एविएशंस प्राइवेट लिमिटेड, अनामिका कपूर लिखा गया है।
इसलिए, हम आपसे अनुरोध करते हैं कि कृपया आवेदक/सह-आवेदक/गारंटर का नाम केवल संजय कपूर/अनामिका कपूर ही पढ़ा जाए।
23 सितंबर, 2022, के सुचना को न्यूज पेपर द पायनियर (अंग्रेजी) और पायनियर (हिंदी) में 29 सितंबर, 2022 को प्रकाशित कब्जे की सूचना में भी हम यह उल्लेख करना चाहते हैं कि अनजाने में और अनजाने में उक्त नोटिस में एक टंकण त्रुटि हुई है और आवेदक/सह-आवेदक/गारंटर और लैन खाता संख्या का नाम संजय कपूर/अनामिका कपूर/LBDEL00001801026 के बजाय संजय कपूर, एयरवॉइस एविएशन्स प्राइवेट लिमिटेड, अनामिका कपूर/LBDEL00002448345 के रूप में लिखा गया है।
अत: हम आपसे अनुरोध करते हैं कि कृपया आवेदक/सह-आवेदक/गारंटर का नाम केवल संजय कपूर/अनामिका कपूर/LBDEL0001801026 के रूप में पढ़ें।
उपर्युक्त नोटिस में उल्लिखित अन्य सभी विवरण समान रहेंगे। इस संबंध में आपको हुई असुविधा के लिए हमें खेद है।

दिनांक : जून 13, 2024
स्थान: दिल्ली/एनसीआर
प्राधिकृत अधिकारी
आई सी आई सी आई बैंक लिमिटेड

ICICI Bank | शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्लॉट नं.-23, शॉल टॉवर, तीसरी मंजिल, नई रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली- 110005

सार्वजनिक सूचना - प्रत्याभूत आस्ति की बिक्री हेतु निविदा-सह-ई-नीलामी
[नियम 8 (6) का प्रावधान देखें]
अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु सूचना

अचल संपत्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय की सूचना वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुन: निर्माण तथा प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 के अन्तर्गत सहपठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 की धारा 8(6) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए जारी की गई है।
सर्वजन तथा व्यक्तिगत रूप से कर्जदार(रों) एवं ज़मानतदार(रों) को इस सूचना द्वारा सूचित किया जाता है कि नीचे दर्शाई गई अचल संपत्ति संरक्षित ऋणदाता के पास बंधक/ अधिभारित है। उनका भौतिक अधिग्रहण आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड (संरक्षित ऋणदाता) द्वारा प्राधिकृत अधिकारी के रूप में कर लिया गया है एवं दर्शाए विवरण अनुसार उनके द्वारा "जहाँ है जैसी है", "जैसी है वैसी है" एवं "जिस भी स्थिति में है" के आधार पर अचल संपत्ति के विक्रय के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए जा रहे हैं :-

क्र. सं.	कर्ज़दार (रों)/ सह-कर्ज़दार (रों)/ ज़मानतदार (रों) के नाम/ ऋण खाता संख्या	प्रत्याभूत आस्तियों का विवरण, ऋणभारों सहित, यदि कोई है	बकाया राशि (रु. में)	सुरक्षित मूल्य (रु. में) / धरोहर राशि जमा (रु. में)	संपत्ति निरीक्षण की तिथि एवं समय	ई-नीलामी की तिथि एवं समय
(ए)	(बी)	(सी)	(डी)	(ई)	(एफ)	(जी)
1.	जीडी ट्रेडर्स (कर्ज़दार), अमित कुमार (सह-कर्ज़दार, जमानतदार/ बंधककर्ता), आशा कुमार (जमानतदार) सुमित कुमार (बंधककर्ता) ऋण खाता संख्या 125755000015, & 125705000933	ए-43, खसरा नंबर 805/5, गाँव बिसिखर मारूफ मोहल्ला, ओम साईं संतपुरा, मोदीनगर उत्तर प्रदेश- 201204/ क्षेत्रफल- 75.25 वर्ग मीटर, संपत्ति का प्रकार- आवासीय मकान	रु. 60,41,320/- (जून 02, 2024 तक)	रु. 23,76,000/- / रु. 2,37,600/-	जून 21, 2024 को सु. 11:00 बजे से दो. 01:00 बजे तक	जुलाई 10, 2024 को सु. 11:00 बजे से दो. 12:00 बजे तक

ऑनलाइन नीलामी हमारी नीलामी संस्था सी1 इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की वेबसाइट (URL Link https:/www.bankeauctions.com) पर संचालित होगी। बंधककर्ताओं/ सूचना प्रेषितकर्ताओं को जुलाई 09, 2024 को शाम 05:00 बजे से पूर्व तक कुल बकाया राशि उस पर आगे ब्याज सहित भुगतान करने का अंतिम अवसर दिया जाता है, जिसमें विफल रहने पर इस/इन संरक्षित संपत्ति(यों) की बिक्री निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार की जाएगी।
संभावित बोलीकर्ता(ओं) को बयाना राशि (ईएमडी) डिमाण्ड ड्राफ्ट (डीडी) (कॉलम ई देखें) जो आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्लॉट नं.-23, शॉल टॉवर, तीसरी मंजिल, नई रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली- 110005 में जुलाई 09, 2024 तक शाम 05:00 बजे से पूर्व जमा करना अनिवार्य है एवं इसके पश्चात् वे अपना प्रस्ताव उपरोक्त वर्णित वेबसाइट के माध्यम से ईएमडी के भुगतान साक्ष्य अर्थात बैंक डीडी पावती की स्कैन इमेज (छायाप्रति) जुलाई 09, 2024 तक शाम 05:00 बजे से पूर्व जमा करें। यदि संभावित बोलीकर्ता(ओं) वेबसाइट के माध्यम से उनके प्रस्ताव को जमा कराने में विफल रहते हैं, तो वे आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्लॉट नं.-23, शॉल टॉवर, तीसरी मंजिल, नई रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली- 110005 में निविदा प्रलेखों की हस्ताक्षरित प्रति को जुलाई 09, 2024 को शाम 05:00 बजे से पूर्व तक जमा करवा सकते हैं। बयाना राशि का डिमाण्ड ड्राफ्ट/ पे ऑर्डर किसी भी राष्ट्रीयकृत/ शैडूल्ड बैंक द्वारा आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड की दिल्ली शाखा के पक्ष में भुगतान हेतु होना चाहिए।
संपत्ति निरीक्षण, ई-नीलामी के नियम एवं शर्तों तथा निविदा प्रक्रिया के संदर्भ में स्पष्टीकरण हेतु कृपया आईसीआईसीआई बैंक कर्मचारी के फोन नंबर 8928935040/8584874809 पर संपर्क करें।
कृपया नोट करें कि मार्केटिंग एजेंसी 1. मेसर्स नेक्सएक्सन सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड 2. ऑगियो एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड 3. हेक्टा प्रॉपटेक प्राइवेट लिमिटेड इस संपत्ति की बिक्री में सुगमता हेतु सलग्न है।
प्राधिकृत अधिकारी बिना किसी कारण दर्शाए किसी एक अथवा अधिक निविदा व बोली को निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं।
बिक्री के विस्तृत नियमों एवं शर्तों हेतु कृपया वेबसाइट www.icicibank.com/n4p4s पर संपर्क करें।

तिथि : जून 13, 2024
स्थान : दिल्ली
प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

मोदी सरकार

महत्वपूर्ण मंत्रालय

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तीसरी सरकार में भाजपा ने महत्वपूर्ण मंत्रालय अपने पास रखने का निर्णय किया है। भाजपा द्वारा अपनी घटी शक्ति और गठबंधन साझीदारों, जैसे तेलगूदेशम पार्टी-तेदेपा व जनता दल युनाईटेड-जदयू के कथित दबाव के बावजूद केन्द्र सरकार में महत्वपूर्ण मंत्रालय अपने पास रखने का निर्णय किया है। इस प्रकार भाजपा ने सत्ता पर अपने केन्द्रीकरण की गारंटी की है जिससे वह महत्वपूर्ण मंत्रालयों के जरूरी निर्णय स्वयं ले सकेगी। निश्चित रूप से इससे नीतिगत निरंतरता तथा सुशासन सुनिश्चित होगा। इसके साथ ही 'लाल फीताशाही' पर लगाम रख कर सरकार के एजेंडे का तेजी से क्रियान्वयन भी सुनिश्चित होगा। महत्वपूर्ण मंत्रालय अपने पास रखने से भाजपा जनता में अपनी उपलब्धियों तथा सुशासन की क्षमता का प्रचार कर सकेगी जो सत्ता तथा अपना समर्थन आधार बनाए रखने के लिए जरूरी है। लेकिन विपक्षी दलों को आशंका है कि शायद भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन-राजग के गठबंधन सहयोगी इससे असहमत हों। संबंधों में इस कारण तनाव पैदा हो सकता है, तेदेपा और जदयू जैसे शक्तिशाली क्षेत्रीय क्षत्रप इसे अपना अपमान समझ सकते हैं तथा वे ज्यादा साझीदारी की मांग भी कर सकते हैं। हालांकि, मोदी मंत्रिमंडल में शामिल सभी मंत्रियों ने न केवल शपथ ले ली है, बल्कि उन्होंने मंत्रालयों में अपना कामकाज भी संभाल लिया है। इसे देखते हुए फिलहाल ऐसी आशंका निराधार लगती है कि भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन-राजग में मंत्रिमंडल गठन पर कोई गंभीर विवाद है। हालांकि, महाराष्ट्र के एक गठबंधन सहयोगी ने कुछ आपत्तियां की थीं। जहां तक गठबंधन सहयोगियों की ओर से उनके क्षेत्रीय विकास

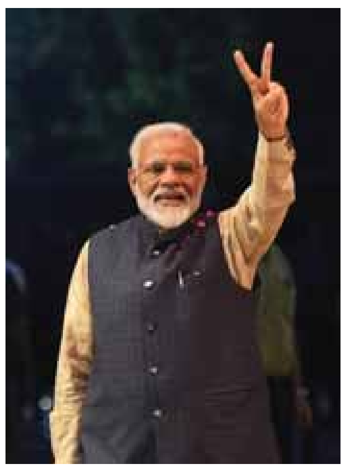

या विशिष्ट परिस्थितियों को देखते हुए एजेंडे में कुछ परिवर्तन की संभावना है, प्रधानमंत्री इसके प्रति पूर्ण संवेदनशील हैं और उन्होंने इसके समुचित संकेत भी दिए हैं।

नरेन्द्र मोदी ने दूसरे कार्यकाल के अंत में ही अगली सरकार के लिए '100 दिन का एजेंडा' तैयार कर लिया था। यह एजेंडा सभी मंत्रियों को दिया गया है और इस पर उनके विचार मांगे गए हैं। सभी मंत्रियों के विचार मिल जाने के बाद इसे विस्तृत विचार-विमर्श के लिए नीति आयोग के समक्ष रखा जाएगा। स्वाभाविक रूप से इस प्रक्रिया में गठबंधन सहयोगियों की राय मिलेगी जिसका पूर्ण सम्मान किया जाएगा। गठबंधन की स्थिरता पर आशंका व्यक्त करने वालों को गौर करना चाहिए कि अतीत की तुलना में इस बार गठबंधन के प्रमुख दल- भाजपा की संख्या बहुत अधिक है और गठबंधन सहयोगी अनेक अन्य कारणों से भी इससे बाहर जाना पसंद नहीं करेंगे। तेदेपा प्रमुख चंद्रबाबू नायडू आंध्र प्रदेश में मुख्यमंत्री पद की शपथ ले चुके हैं और भाजपा उनकी सरकार में शामिल है। बिहार में जदयू नेता नीतीश कुमार राजग गठबंधन के मुख्यमंत्री हैं और अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में भी वे राजग का 'मुख्यमंत्री चेहरा' होंगे। दोनों नेता अपने राज्यों के विकास के लिए केन्द्र से अधिकाधिक सहायता और सहयोग चाहते हैं। मोदी ने न केवल इसका वादा किया है, बल्कि नायडू के शपथ ग्रहण समारोह में उनकी उपस्थिति इसकी गारंटी भी है। इसके साथ ही पिछले दस वर्ष में मोदी सरकार द्वारा देश के विकास की त्वरित गति से गठबंधन साझीदार भी प्रसन्न हैं। इसे देखते हुए विश्वास किया जा सकता है कि वे अपने संकुचित क्षेत्रीय या दलीय हितों पर देश के हितों को वरीयता देंगे तथा भारत को विकसित देश बनाने में योगदान करेंगे। मोदी सरकार की स्थिरता व त्वरित कार्य क्षमता देश के विकास की गारंटी है।

प्रचार के बाद अब संवाद जरूरी

भाजपा की चुनाव मशीनरी ने आक्रामक ढंग से चुनाव प्रचार किया। अब संवाद की प्रकृति बदल कर इसे सहमति आधारित बनाने की आवश्यकता है।

सिद्धार्थ मिश्रा
(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

भाजपा की चुनाव मशीनरी ने हालिया लोकसभा चुनाव में आक्रामक ढंग से चुनाव प्रचार किया जिसका उसे कोई खास लाभ नहीं मिला। चुनाव परिणाम आने और मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार सरकार बनने के बाद अब संवाद की प्रकृति बदल कर इसे सहमति आधारित बनाने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनना देश के लोकतांत्रिक इतिहास में उल्लेखनीय है। हालांकि, मतदाताओं ने इस बार लोकसभा चुनाव में भाजपा को पूर्ण बहुमत से थोड़ा पीछे रखा, पर भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन-राजग को बहुमत से काफी अधिक सीटें मिल गईं। भाजपा को अपने दम पर 2014 के लोकसभा चुनाव में 282 सीटें मिली थीं, जिनको बढ़ा कर उसने 2019 में 303 तक पहुंचा दिया था। इस बार उसे थोड़ा झटका लगा और उसकी सीटें 240 रह गईं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने पर उन लोगों को बहुत राहत मिली है जिन्होंने भारतीय बाजार में काफी निवेश किया है। शेयर बाजार में निवेश करने वालों में बड़ी संख्या में छोटे निवेशक तथा अमीर कार्पोरेट पेशेवर, दोनों शामिल हैं। भारत में आर्थिक सुधारों के अतीत पर सरसरी नजर डालने से कुछ चीजें बहुत स्पष्ट होती हैं। नरसिम्हा राव सरकार में 1991 में वित्त मंत्री के रूप में डा. मनमोहन सिंह ने जो आर्थिक सुधार शुरू किए थे, उनको नरसिम्हा राव के बाद के पांच प्रधानमंत्रियों के कार्यकाल में झटका लगा जिनमें स्वयं मनमोहन सिंह भी शामिल हैं। इन सुधारों की निरंतरता का महत्व इस तथ्य से समझा जा सकता है कि पिछले तीन दशकों में इन आर्थिक सुधारों ने 50 करोड़ से अधिक भारतीयों को 'अत्यधिक गरीबी' से बाहर निकालने में सहायता की है।

आर्थिक दृष्टिकोण से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दूसरे कार्यकाल में सरकार भारी जनादेश के बावजूद कृषि सुधार करने में सफल नहीं हुई। वह

किसानों को 'नए कृषि कानूनों' और इससे किसानों को मिलने वाले लाभों के बारे में समझाने में विफल रही। इसका कारण किसानों से उसका ठीक से संवाद न होना था। मोदी सरकार की संचार मशीनरी द्वारा पैदा नकारात्मक विमर्श के कारण आर्थिक सुधारों व खासकर कृषि सुधारों को धक्का लगा। कहा जाता है कि पार्टी की संचार मशीनरी पर ज्यादातर भारतीय जनता पार्टी-भाजपा के 'आईटी सेल' ने कब्जा कर लिया है। इस नकारात्मकता के कारण न केवल नए कृषि कानूनों का क्रियान्वयन संभव नहीं हुआ, बल्कि यह अयोध्या में भव्य राम मंदिर में भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद आने वाले महीनों में 'हिंदू गौरव' की भावना भी ठीक से जगा नहीं सकी।

संभवत: भाजपा के आक्रामक विमर्श में टेलीविजन चैनलों पर होने वाली तीखी बहसों को ज्यादा स्थान मिल गया। इनमें से अनेक को तथ्यों से समर्थन नहीं मिला था और इस कारण सोशल मीडिया पर होने वाली बहसें हानिकारक सिद्ध हुईं। तथ्यों की जांच करने वाले टूलों के वर्चस्व को देखते हुए जवाहरलाल नेहरू की प्रेम कथाओं व ऐसी ही अन्य चीजों के प्रसारण से नरेन्द्र मोदी सरकार की उपलब्धियों को पीछे धकेल दिया। भाजपा का 2024 में लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान बहुत आक्रामक हो गया, लेकिन इसके बावजूद पार्टी अपने दम पर पूर्ण बहुमत प्राप्त करने से पीछे रह गई। वैसे चुनाव के पहले भी भाजपा की संचार मशीनरी कई बार जनता के समक्ष मोदी सरकार की उपलब्धियों को प्राथमिकता पर रखने के बजाय निरर्थक बहसों में उलझ गई जिसका पार्टी को कोई लाभ नहीं हुआ। किसान आंदोलन के दौरान भाजपा के संचार माध्यमों तथा उसके सोशल मीडिया मंचों ने किसानों को नए कृषि कानूनों के लाभ बताने में सफलता नहीं पाई। इसके बजाय संचार में इस विकृति के कारण किसान आंदोलन को 'हिंदुस्तानियों' व 'खालिस्तानियों' के बीच युद्ध के रूप में पेश कर दिया। हालांकि, किसान आंदोलन में शामिल एक तबका काफी आक्रामक था, पर इसे 'खालिस्तानियों' के रूप में पेश करने से व्यापक रूप से किसानों की भावनायें आहत हुईं।

आर्थिक व खासकर कृषि सुधारों के विरोधियों के एजेंडे को 'देश तोड़ने के एजेंडे' के रूप में पेश करने का विचार गलत था और भाजपा को इसका भारी खामियाजा भुगतना पड़ा। इसके प्रभाव में न केवल प्रधानमंत्री मोदी को नए कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा करनी पड़ी, बल्कि भाजपा को इसका चुनावी नुकसान भी हुआ। वर्तमान लोकसभा चुनाव में किसानों की आहत भावनाओं के कारण भाजपा को न केवल पंजाब में नुकसान उठाना पड़ा, बल्कि कृषि सुधार व किसान कल्याण के अनेक उल्लेखनीय कदमों के बावजूद उसे इसका नुकसान देश के अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में भी उठाना पड़ा।

अनेक पहलों ने लोगों को मोदी की दूसरी सरकार के पक्ष में खड़ा कर दिया था, पर प्रचंड बहुमत के क्रूर शक्ति प्रदर्शन के कारण उसकी इन पहलों का जमीन पर असर प्रभावित हुआ। इस तथ्य को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता है कि सरकार की पहलें जमीनी स्तर पर उतनी प्रभावशाली नहीं थीं जिनका दावा अवस्थापना की प्रचार शाखा द्वारा किया जा रहा था। इस गलत दृष्टिकोण के कारण अमर्त्य सेन के 'आर्गुमेंटेटिव इंडियन' की भावना प्रकट करने वाले लोगों को 'राष्ट्रविरोधी' तक कह दिया गया। ऐसा लोगों द्वारा सरकार से असहमति की स्थिति में हुआ। इस कारण सरकार ने न केवल कुछ लोगों में सरकार-विरोधी दृष्टिकोण मजबूत किया, बल्कि वे सरकार के साथ आने के बजाय मजबूती से उसके विरोधी बन गए।

भाजपा नेतृत्व को परेशान करने वाला सबसे बड़ा सवाल यही हो सकता है कि जब उत्तर प्रदेश के निवासियों ने अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का 'अत्यधिक उत्साह' से स्वागत किया तो उन्होंने इतने ही जोश के साथ चुनावी संघर्ष में पार्टी का समर्थन क्यों नहीं किया? इस मामले में एक बार फिर भाजपा की संचार मशीनरी ने भारी गलती की और उसने एक आनन्ददायक व उत्साहवर्धक क्षण को 'स्वामिभक्ति परीक्षा' में बदल दिया। इस कारण ऐसा लगा कि विपक्षी नेताओं को प्राण प्रतिष्ठा का आमंत्रण एक प्रकार का 'छद्म राजनीतिक' कार्य बन गया तथा इसे स्वीकारने से इनकार करने वालों को 'हिंदू-विरोधी' के रूप में पेश कर दिया गया। कोई भी संचार विशेषज्ञ ऐसा माडल नहीं तैयार करेगा जो उसके गौरव के क्षण को विरोधियों पर खर्च करे। इस प्रकार भाजपा संचार मशीनरी द्वारा तैयार विमर्श अंतत: ऐसी स्थिति तैयार करने में लग गया जिससे भगवान रामलला की 'घर वापसी' विपक्षी नेताओं की 'अयोध्या वापसी' में बदल गई।

आज भाजपा सरकार तेलगू देशम पार्टी-तेदेपा के चंद्रबाबू नायडू तथा जनता दल युनाईटेड के नीतीश कुमार से समर्थन प्राप्त कर रही है। ये दोनों नेता भले ही अयोध्या में भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा आयोजन में शामिल न हुए हों, पर उन्होंने नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार बनी तीसरी भाजपा नीत राजग सरकार का समर्थन किया है। विडंबना है कि अतीत में भाजपा के विरोध में खड़े होने की स्थिति में इन्होंने रामजन्मभूमि आंदोलन को भाजपा की 'राजनीतिक परियोजना' तक कहा था। वर्तमान समय में उत्तर प्रदेश और खासकर अयोध्या के मतदाताओं की सोशल मीडिया मंचों पर खुली निन्दा हो रही है। भले ही यह भाजपा-विरोधी या पहले भाजपा विरोधी रहे नेताओं को पसंद न आए, पर सोशल मीडिया पर आम जनता द्वारा व्यक्त भावनाओं को 'भाजपा के विस्तारित परिवार' की आलोचना बताना संभवत: अतिरंजना होगी।

तथ्य यह है कि जो जातियां और समुदाय भाजपा को वोट नहीं देते हैं, उन्होंने उनके राज्यों में नीतीश कुमार और नायडू को वोट दिया है। ऐसे में समय की आवश्यकता है कि संवाद की प्रकृति को टकराव से बदल कर सहमति में लाया जाए। यह सहमति न केवल राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन-राजग के साझीदारों, बल्कि भारत के सभी हितधारकों के बीच बनना जरूरी है। वर्तमान स्थिति की मांग है कि राजनय के रूप में आर्थिक व रणनीतिक एजेंडे को प्राथमिकता दी जाए तथा सरकार का विरोध करने वालों को शत्रु के रूप में पेश न किया जाए।

केमिकल मुक्त कृषि की ओर बढ़ते कदम

"स्वास्थ्य और संधारणीयता के बारे में उपभोक्ताओं की जागरूकता बढ़ने के साथ ही भारत में जैविक खाद्य बाजार में अभूतपूर्व वृद्धि देखी जा रही है।"

अजीत गोदारा
(लेखक, स्तम्भकार हैं)

एक समय था जब देश में उत्पादित सभी चीजें जैविक होती थीं, किसान अपने खेतों में गाय के गोबर और खाद जैसी प्राकृतिक खादों का इस्तेमाल करते थे। उपज कम थी, लेकिन यह स्वस्थ, स्वादिष्ट और सबसे बढ़कर संधारणीय अभ्यास था। फिर रासायनिक उर्वरक आए, जिससे निस्संदेह उपज कई गुना बढ़ गई, लेकिन कई दुष्प्रभाव भी हुए। यह संधारणीय नहीं है और इसमें जैविक उत्पादों का स्वाद नहीं है और सबसे बढ़कर यह उतना स्वस्थ नहीं है जितना होना चाहिए। इसके अलावा किसान अपने स्वास्थ्य के मामले में भी कीमत चुका रहे हैं और यूरिया और अन्य रसायनों का अत्यधिक उपयोग मिट्टी की गुणवत्ता को खराब कर रहा है और जल स्तर को कम कर रहा है। इस परिदृश्य में, जैविक खेती ही एकमात्र रास्ता है। अब नई जागरूकता के साथ बड़ी संख्या में लोग जैविक उत्पादों की ओर रुख कर रहे हैं और अपनी थाली में स्वस्थ रसायन मुक्त उत्पाद पा रहे हैं, भारत के जैविक उत्पाद बाजार में पिछले एक दशक में अभूतपूर्व उछाल देखा गया है, जो स्वास्थ्य, संधारणीयता और पर्यावरणीय प्रभावों के बारे में बढ़ती उपभोक्ता जागरूकता से प्रेरित है।

शहरी आबादी के स्वस्थ जीवनशैली विकल्पों की तलाश करने के कारण, जैविक खाद्य उत्पादों की मांग में उछाल आया है। यह प्रवृत्ति केवल एक खास वर्ग तक सीमित नहीं है; इसने मुख्यधारा के उपभोक्ता वरीयताओं को भी प्रभावित किया है, जिससे जैविक उत्पाद खाद्य उद्योग में सबसे आगे आ गए हैं। भारत में जैविक खाद्य बाजार, जिसका मूल्य 2023 में 1,582.2 मिलियन डालर था, 2032 तक तेजी से बढ़कर 8,918.5 मिलियन डालर होने की उम्मीद है, जो प्रति वर्ष

21.19 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर दर्शाता है। यह उल्कापिंड वृद्धि देश भर में एक बड़ी हरित लहर का संकेत है, जहां उपभोक्ता तेजी से टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों की ओर झुकाव रखते हैं। आज उपभोक्ता ऐसे उत्पाद खरीदने के लिए अधिक इच्छुक हैं जो टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल हों। यह टिकाऊ और नैतिक उपभोग की ओर व्यापक प्रवृत्ति के अनुरूप है, जिससे जैविक खाद्य पदार्थ उपभोक्ताओं के लिए एक आकर्षक विकल्प बन गए हैं। आज जैविक कंपनियों के पास सैकड़ों एसकेयू का प्रभावशाली पोर्टफोलियो है, जिसमें दालें, बाजरा, गेहूं, सरसों, जौ, चावल और तेल जैसे स्टेपल शामिल हैं। जैविक कंपनियों के उत्पाद न केवल उनकी वेबसाइट के माध्यम से बल्कि अमेजान फ्लिपकार्ट और बिग बास्केट जैसे प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म पर भी उपलब्ध हैं, जिससे वे व्यापक उपभोक्ता आधार तक पहुंच पाते हैं। ब्रांड ने अपने उत्पाद रेंज का विस्तार बीज वर्टिकल में भी किया है, जिसमें गेहूं, जौ, सरसों और अन्य अनाज शामिल हैं। ऐसा करके, जैविक कंपनियों का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि उनकी जैविक खेती की प्रथाएं कृषि प्रक्रिया की शुरुआत से ही शुरू हो जाएँ। दिलचस्प बात यह है कि जैविक कंपनियाँ टिकाऊ खेती के तरीकों और किसान कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं।

वे किसानों को फसल प्रबंधन कौशल बढ़ाने और पैदावार बढ़ाने के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करते हैं। किसानों को उनके खाद्य आपूर्ति में किसी भी संभावित संदूषक से सुरक्षित रखा जाना चाहिए ताकि अंतिम उपयोगकर्ताओं को वास्तविक जैविक उत्पाद मिल सके। जैविक खेती में उच्च गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने की निश्चित रूप से आवश्यकता है अन्यथा उपभोक्ता का भरोसा टूट जाएगा और पूरे उद्योग को नुकसान होगा। ऑनलाइन पंजीकरण और प्रमाणन प्रक्रियाओं के साथ इस क्षेत्र में अधिकांश धोखाधड़ी की प्रथाएँ समाप्त हो गई हैं। लेकिन यह क्षेत्र चुनौतियों से रहित नहीं है। हालाँकि, रासायनिक से जैविक में परिवर्तन सरल नहीं है। यह एक श्रमसाध्य प्रक्रिया है लेकिन पुरस्कार संतोषजनक हैं। कृषि भूमि को जैविक खेती में बदलने में लगभग तीन साल लगते हैं।

और जिन जगहों पर रासायनिक उर्वरकों का उपयोग बहुत ज़्यादा है, वहाँ यह तीन साल से ज़्यादा भी हो सकता है। इसके अलावा, धोखेबाज़ अक्सर अपनी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाते हैं। अक्सर कीमतें अवास्तविक रूप से बढ़ा दी जाती हैं। भारत में जैविक उत्पादों की वृद्धि उपभोक्ता परिदृश्य में बदलाव और स्वास्थ्य और स्थिरता के बारे में बढ़ती जागरूकता का प्रमाण है। अभी भी, जैविक उत्पादों की बाज़ार हिस्सेदारी सिर्फ़ एक प्रतिशत है, लेकिन वृद्धि घातीय है। यह क्षेत्र 20 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है जो जैविक खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग और उनमें लोगों की रुचि को दर्शाता है।

आप की बात

मोदी की तीसरी पारी

आम चुनाव में गठबंधन सरकार के जनादेश के बाद मोदी सरकार की तीसरी पारी शुरू हुई है। किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं देकर जनता ने ऐसी स्थिति निर्मित कर दी है कि राजनीतिक दल चाह कर भी इतरा नहीं सकते हैं। ऐसे में सरकार की बड़ी जिम्मेदारी बनती है कि वह जनता की इच्छा के अनुरूप काम करें। इसमें विपक्ष को भी सकारात्मक रूख अपनाना पड़ेगा क्योंकि किसी भी काम में फिज़ूल अड़चन पैदा करने से जवाबदेही तो उसकी भी तय होगी। भले ही मोदी की तीसरी पारी में उनके पास पहली दो पारियों जितना भाजपा का बहुमत न हो, पर देश-दुनिया में उनका राजनीतिक कद बहुत बड़ा हो गया है। वे पंडित जवाहरलाल नेहरू के बाद लगातार तीन बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने वाले नेता बन गए हैं। उनके नेतृत्व में देश ने पिछले दस साल में अभूतपूर्व व असाधारण प्रगति की है जिसे स्वयं मोदी ने केवल ट्रेलर कहा है। ऐसे में विपक्षी दलों को संसद में बवाल और सरकारी योजनाओं पर निरर्थक सवाल उठा कर देश की प्रगति में बाधा नहीं डालनी चाहिए। यदि विपक्ष अपनी आदत में सुधार नहीं करता है तो देश की जनता आगामी आम चुनाव में उसे पुन: मूषको भव का शाप दे सकती है। भाजपा को भी सहमति व सर्वानुमति बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ना होगा।

– **अमृतलाल मारू,** इंदौर

नीट पर विवाद

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी-एनटीआई संचालित नीट परीक्षा का रिजल्ट घोषित होते ही पेपर लीक और नंबर देने में गड़बड़ी से जुड़े वे आरोप फिर सामने आ गए जो पहले भी सिर उठा चुके हैं। हालांकि, सर्वोच्च न्यायालय ने कौसिलिंग रोकने के आदेश नहीं दिए, पर उसने केन्द्र सरकार तथा एनटीआई से जवाब मांगा है। नीट पर हालिया विवाद को देखते हुए मोदी की नई सरकार को पूरी व्यवस्था की गहन समीक्षा करनी चाहिए। उच्च स्तरीय अध्ययन और नौकरी के लिये दी जाने वाली परीक्षाओं मे पहले भी पेपर लीक होने और कई तरह की अनियमितता के आरोप लगाते रहे हैं। इस बार भी एक ही कोचिंग इंस्टिट्यूट से 67 छात्रों का शत प्रतिशत अंक लाना हेराफेरी की आशंका उजागर करता है। इन परीक्षाओं केलिए प्रतिभाशाली छात्र कठोर परिश्रम करते हैं, महंगी कोचिंग क्लासेस अटेंड करते हैं और बड़े शहरों में आकर हॉस्टल व खाने का भारी खर्च उठाते हैं जो लाखों रुपए प्रतिवर्ष होता है। बेईमानी और अनियमितता रोकने के लिए कई तरह के आश्वासन दिए जाते हैं। उम्मीद करनी चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप तथा सरकार की सक्रियता से ऐसी व्यवस्था बनाई जाएगी जो छात्रों व उनके माता-पिता को संतुष्ट कर सके।

– **सुभाष बुडावन वाला,** रतलाम

आत्मावलोकन का समय

2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को कम सीटें मिलने पर अनेक प्रकार की चर्चा हो रही है। यदि ईमानदारी से विश्लेषण किया जाए तो यह परिणाम भी एक प्रकार से भाजपा की विजय और लोकप्रियता का ही प्रतीक है।10 वर्षों के शासन के उपरान्त भी भाजपा को मात्र 8 प्रतिशत ही मत कम मिले। फिर भी कम सीटें मिलने के कारण समझने होंगे। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को अपनी उन लोक हितकारी योजनाओं पर पुनर्विचार करना होगा जिनसे वही वर्ग लाभान्वित हुआ है जिसके बूथों पर उसे एक भी वोट नहीं मिला। दूसरे, अन्य दलों की तुलना में भाजपा ने रेवड़ी की घोषणाएं नहीं की जिनसे बदलने वाला मतदाता अधिक प्रभावित होता है। संभवत: अन्य दलों की तुलना में जातीय समीकरण को बिठाने में भी भाजपा पीछे रह गई। भाजपा अध्यक्ष का यह बयान भी घातक सिद्ध हुआ कि अब हमें संघ के सहयोग की भी आवश्यकता नहीं है। वर्तमान चुनाव पूरा मोदी बनाम समस्त विपक्ष बनकर रह गया था। भाजपा को आत्मवलोकन कर इस बात पर भी गौर करना होगा कि उसके अनेक सांसदों व विधायकों ही नहीं, सामान्य कार्यकर्ताओं में भी अहंकार व्याप्त हो गया था। देखना होगा कि इस झटके के बाद भाजपा अपने भीतर कितना सुधार लाती है।

– **नरेन्द्र टोंक,** मेरठ

हिंदुत्व की राजनीति

हालिया लोकसभा चुनाव में बीजेपी की सीटें कम होना हिंदुत्व की राजनीति का फेल होना नहीं है। यदि ऐसा होता तो मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, उड़ीसा आदि प्रदेशों में उसे एकतरफा जीत नहीं मिलती। विडंबना है कि इस बार विपक्ष ने मुसलमानों को हर तरह से साधने के प्रयास किया हैं, उनके साथ गुप्त बैठकें हुई हैं और वोट जिहाद जैसा नारा भी उभर कर सामने आया है। इसके साथ ही जहां मुस्लिम मतदाता शत-प्रतिशत वोटिंग करते हैं वहीं बहुत से हिंदू मतदाता घर से निकल कर वोट डालने की जहमत भी नहीं उठाते। आंकड़ों से स्पष्ट है कि हिंदुओं का वोटिंग प्रतिशत 60, एग्जिट पोलमें इंटरेस्ट 99 प्रतिशत और चुनाव परिणाम में 10 पर्सेंट रुझान होता है। खासकर हिंदुओं में खातेपीते लोग मतदान, चुनाव व राजनीति में दिलचस्पी नहीं लेते हैं। ऐसे लोग लगातार आलसी होते जाते हैं और हर काम के लिए नौकरों पर आश्रित हैं। उनको मतदान करना फिजूल लगता है, लेकिन उनको देश के उन मुस्लिम-बहुल क्षेत्रों में हिंदुओं की स्थिति पर गौर करना चाहिए जो बढ़ते मुस्लिम वर्चस्व से लगातार असुरक्षित अनुभव करते हैं।

– **विभूति बुपक्या,** खाचरोद

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

प्रदेश में विद्युत मांग और आपूर्ति का फिर बना नया रिकॉर्ड

● बीते मंगलवार की रात सर्वाधिक 29,820 मेगावाट पहुंची विद्युत मांग, खपत भी लगभग 643 मिलियन यूनिट तक रही

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी के कारण बिजली की मांग एवं आपूर्ति के लगातार नए रिकॉर्ड बन रहे हैं। मंगलवार रात प्रदेश के इतिहास में विद्युत मांग सर्वाधिक 29,820 मेगावाट पहुंच गई, जबकि विद्युत खपत भी लगभग 643 मिलियन यूनिट तक पहुंची। विगत 31 मई को विद्युत की मांग 29,727 मेगावाट पहुंच गई थी, जिसे पावर कारपोरेशन ने पूरा करके एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया था। 2023 में 24 जुलाई को अधिकतम मांग 28,284 मेगावाट तक पहुंच गई थी, जो रिकार्ड था। हालांकि 2024 में 22 मई को ही यह रिकॉर्ड टूट गया, जब विद्युत मांग 28,336 मेगावाट तक पहुंच गई थी। उल्लेखनीय है कि सीएम योगी के नेतृत्व में प्रदेश में भीषण गर्मी में भी विद्युत आपूर्ति सुचारू रखने के निर्देश दिए गए हैं। इसको

उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन द्वारा प्रतिबद्धता के साथ सुनिश्चित किया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि लगातार पड़ रही भयंकर गर्मी एवं विद्युत की मांग में हो रही बढ़ोत्तरी को देखते हुए सावधानी बरतें। सभी कार्मिक इस चुनौती पूर्ण समय में पूरी लगन और मेहनत के साथ अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि लगातार बढ़ रही विद्युत मांग के अनुरूप बिजली की व्यवस्था की जा रही है। पावर कॉर्पोरेशन ने पूर्वानुमान के अनुरूप विद्युत उपलब्धता की पर्याप्त व्यवस्था कर रखी है और मांग बढ़ने पर अतिरिक्त अरेंजमेंट भी समय पर किया जा रहा है। अध्यक्ष ने बताया है कि सिस्टम की कैपेसिटी के कारण कही भी रोस्टिंग नही हो रही है। लोकल फाल्ट के कारण विद्युत आपूर्ति के बाधित होने की सूचनाएं आती है। इस संदर्भ में भी कड़े निर्देश दिए गए हैं कि जहां कही भी लोकल फाल्ट हो उसे कम से कम समय में ठीक कर आपूर्ति बहाल की जाए।

सबसे ज्यादा हानियों वाले फीडरों पर चलेगा चोरी रोकने का गहन अभियान

उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल ने विद्युत व्यवस्था को बेहतर करने के लिए विद्युत चोरी के खिलाफ अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने प्रदेश के सभी वितरण निगमों के प्रबंध निदेशकों एवं मुख्य अभियंताओं को निर्देशित किया है कि ऐसे फीडर जहां लाइन हानियां सबसे ज्यादा हैं वहां अभियान चलाकर विद्युत चोरी रोकी जाए। इसमें विजिलेंस की भी मदद ली जाए। किसी को नाजायज परेशान न किया जाए। उन्होंने कहा कि बेहतर विद्युत आपूर्ति और व्यवस्था के लिए यह जरूरी है कि विद्युत चोरी पर प्रभावी रोक लगे। ऐसे फीडर चिन्हित किए जाएं जहां सर्वाधिक विद्युत चोरी की संभावना है। सबसे पहले वहीं अभियान चलाया जाए। अध्यक्ष ने प्रयागराज क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था की समीक्षा में प्रयागराज (प्रथम) एवं फतेहपुर के अधीक्षण अभियंताओं को चार्जशीट देने के निर्देश दिए। इनके क्षेत्र में राजस्व, ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्तता, असिस्टेड बिलिंग, आरडीएसएस तथा बिजनेस प्लान आदि योजनाओं की प्रगति संतोषजनक नहीं थीं। अधिशाषी अभियंता कौशाम्बी तथा खागा को भी सख्त चेतावनी दी गई।

देश में सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति करने वाले राज्यों में यूपी नंबर वन

उत्तर प्रदेश ने भीषण गर्मी में विद्युत की बढ़ी मांग को सकुशल पूरा करते हुए पूरे देश में सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति करने का रिकॉर्ड बनाया है। विगत दिनों उत्तर प्रदेश ने 29,500 मेगावाट की सर्वाधिक विद्युत मांग को पूरा करते हुए देश में कीर्तिमान स्थापित किया था। वहीं ग्रिड इंडिया पॉवर सप्लाई रिपोर्ट के मुताबिक 10 जून 2024 को एक बार फिर से उत्तर प्रदेश ने देश में सर्वाधिक 28,889 मेगावाट विद्युत आपूर्ति कर महाराष्ट्र-गुजरात जैसे राज्यों को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया है। 10 जून को जारी रिपोर्ट के मुताबिक उत्तर प्रदेश ने 28,889 मेगावाट, महाराष्ट्र ने 24,254 मेगावाट, गुजरात ने 24,231 मेगावाट, तमिलनाडु ने 16,257 मेगावाट और राजस्थान ने 16,781 मेगावाट की सर्वाधिक विद्युत अपूर्ति की मांग को पूरा किया है।

लोक कल्याण के नए प्रतिमान स्थापित करेगा ओडिशाः योगी

● मोहन चरण माझी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए यूपी के मुख्यमंत्री, समूचे मंत्रिमंडल को दीं शुभकामनाएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को ओडिशा की नवनिर्वाचित भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचे। मोहन चरण माझी को मुख्यमंत्री और कनक वर्धन सिंह देव व प्रवति परीदा को उप मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर शुभकामनाएं दीं। साथ ही मंत्रिमंडल के समस्त सदस्यों को भी बधाई दी। गौरतलब है कि ओडिशा में पहली बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने ऑफिशियल अकाउंट 'एक्स' पर भी संदेश लिखकर बधाई दी। सीएम योगी ने लिखा कि मोहन चरण माझी को मुख्यमंत्री और कनक वर्धन सिंह देव- प्रवति परीदा को उप मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई! पूर्ण विश्वास है कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी मार्गदर्शन और आप सभी के कुशल नेतृत्व में महाप्रभु जगन्नाथ की कृपा-भूमि ओडिशा समग्र विकास के पथ पर चलते हुए लोक-कल्याण के नए प्रतिमान स्थापित करेगी। पृथ्वीराज हरिचंदन को कैबिनेट मंत्री बनने पर सीएम योगी ने बधाई दी। लोकसभा चुनाव के दौरान ओडिशा दौरे पर पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ ने पृथ्वीराज हरिचंदन के पक्ष में वोट की अपील की थी। पृथ्वीराज ने चिल्का विधानसभा सीट से बीजू जनता दल के रघुनाथ साहू को पराजित कर जीत हासिल की है।

कांग्रेस ने सपा प्रदेश अध्यक्ष को धन्यवाद यात्रा के लिए किया आमंत्रित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी लोकसभा चुनाव 2024 में मिले अपार जनसमर्थन को एक धन्यवाद यात्रा निकालकर प्रदेश की सम्मानित जनता का आभार व्यक्त करेंगे। कांग्रेस पार्टी ने इस यात्रा में इंडिया गठबंधन के सभी घटक दलों को पत्र लिखकर यात्रा में शामिल होने हेतु आमंत्रित किया है। बुधवार को इसी क्रम में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष, प्रभारी प्रशासन दिनेश कुमार सिंह समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल से मिले और उन्हें धन्यवाद यात्रा में शामिल होने हेतु पत्र सौंपा। इस मौके पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष वेद प्रकाश त्रिपाठी और ज्ञानेश शुक्ला भी मौजूद रहे।

मध्य कमान के जनरल आफीसर कमांडिंग इन चीफ ने डीजीपी से की भेंट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डीजीपी प्रशान्त कुमार से बुधवार को पुलिस मुख्यालय, लखनऊ में लेफ्टिनेंट जनरल एनएस. राजा सुब्रमणि जनरल आफीसर कमाण्डिंग इन चीफ मध्य कमान (भारतीय सेना) द्वारा शिष्टाचार भेंट की गयी । मुलाकात के दौरान डीजीपी व लेफ्टिनेंट जनरल द्वारा प्रतीक चिन्ह भेंट किए गए तथा सामरिक महत्व एवं सुरक्षा के महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।

सेटेलाइट आधारित प्रणाली से किसानों को मिल रही मौसम की सटीक जानकारीः शाही

● कृषि, पशुपालन व उद्यान क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारी प्रयोगों पर प्रदेश भर से आए कई किसानों ने दी जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा है कि किसानों की आय को दोगुना करने के लिए प्रतिबद्ध प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उप्र के किसानों को सशक्त तथा समृद्ध बनाने के लिए कृषि विभाग हर योजना का लाभ पारदर्शी तरीके से प्रत्येक किसान तक पहुंचाने का कार्य कर रहा है।

शाही बुधवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित राज्य स्तरीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी-2024 को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर कृषि के अनुषांगिक विभागों गन्ना विकास एवं चीनी मिल, पशुधन एवं दुग्ध विकास, सहकारिता, उद्यान, वन तथा पर्यावरण विभाग के मंत्रीगणों तथा कृषि राज्यमंत्री सहित कृषि उत्पादन आयुक्त एवं अपर मुख्य सचिव कृषि ने भी विचार व्यक्त किए। गोष्ठी में उपस्थित किसानों, कर्मचारियों तथा अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कृषि मंत्री शाही ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में सभी फसलों की उत्पादकता में वृद्धि हुई है। धान की उत्पादकता 40.51 कुंतल प्रति हेक्टेयर से बढ़कर 46 कुंतल प्रति हेक्टेयर, बाजरे की उत्पादकता 20.82 कुंतल प्रति हेक्टेयर से बढ़कर 27.7 कुंतल प्रति हेक्टेयर हो गयी है। इसके साथ ही ज्वार, उरद, तिलहन, मूंगफली, सूरजमुखी तथा मोटे अनाज के उत्पादन तथा उत्पादकता में तेजी से सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की सेटेलाइट आधारित प्रणाली से किसानों को मौसम की सटीक जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। सोलर पम्प के माध्यम से सिंचाई को सस्ता तथा हर समय उपलब्ध कराया जा रहा है।

इस अवसर पर गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने कहा कि गन्ना किसानों को शीघ्र भुगतान सुनिश्चित किया जा रहा है। पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि पशुपालन तथा कृषि पूरक विभाग हैं, अतः किसानों को चाहिए कि वे दोनों को साथ लेकर चलें। सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठौर ने कहा कि योगी सरकार आने के बाद प्रदेश में सहकारिता क्षेत्र का पुर्नजन्म हुआ है। साथ ही सहकारी बैंक किसानों के लिए नई उम्मीद की किरण बने हैं। उद्यान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि वर्तमान में उप्र के उद्यान उत्पादन को विश्वभर में नई पहचान मिल रही है। इसलिए यह क्षेत्र किसानों के लिए बहुत लाभदायी साबित हो रहा है। वन तथा पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अरूण कुमार सक्सेना ने कहा कि प्रतिवर्ष तापमान में तेजी से बढ़ोत्तरी हो रही है, इसलिए खेती के साथ-साथ अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाकर दोहरा लाभ लिया जा सकता है।

कृषि उत्पादन आयुक्त मनोज कुमार सिंह ने कृषि में विविधीकरण को अपनाये जाने पर विशेष बल दिया। उन्हांने किसानों को आश्वस्त किया कि कृषि क्षेत्र की योजनाओं का लाभ किसानों को उपलब्ध कराने के लिए हर स्तर पर पारदर्शिता अपनाई जा रही है। इस दौरान उन्होंने किसानों से प्राप्त विभिन्न सुझावों को भी अपने वकतव्य में शामिल किया। अपर मुख्य सचिव कृषि डॉ. देवेश चतुर्वेदी ने कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी तथा किसानों को पात्रता के अनुसार उन सभी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

पशुधन विभाग में रिक्त पदों पर जल्द शुरू होगी भर्ती व प्रोन्नत की प्रक्रिया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास विभाग में रिक्त पदों पर जल्द भर्ती प्रक्रिया शुरू करने जा रही है। इसके लिए सरकार की ओर से विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। इसके अलावा विभाग में पदोन्नति के लम्बित पदों पर यथाशीघ्र पदोन्नतियां करने के निर्देश भी दिये गये हैं। बता दें कि पशुधन विभाग में पशु चिकित्सा सेवा के 424 तथा पशुधन प्रसार अधिकारी के 1083 पद रिक्त हैं। दुग्ध विकास विभाग में मुख्य दुग्धशाला विकास अधिकारी के 2, दुग्धशाला विकास अधिकारी के 3, वरिष्ठ दुग्ध निरीक्षक के 26 तथा राजकीय दुग्ध परिवेक्षक के 209 पद रिक्त हैं। सरकार इसके अलावा विभाग में आवश्यता अनुरूप समूह 'घ' के पदों पर आउटसोर्स के माध्यम से भी कार्य लेगी। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह ने बुधवार को रिक्तियो एवं विभागीय बजट की समीक्षा की। उन्होंने विभागीय बजट की समीक्षा करते हुए कहा कि योजनाओं के लिए आवंटित धनराशि यथाशीघ्र जारी की जाए और लक्ष्य बनाकर बजट का सदुपयोग सुनिश्चित किया जाए। सरकार की ओर से इस बात के भी निर्देश दिये गये हैं कि गोसंरक्षण केन्द्रों की स्थापना के लिए धनराशि एवं जिला योजनाओं के लिए आवंटित धनराशि को शीघ्र अवमुक्त किया जाए। वहीं योगी सरकार ने अब प्रदेश में संचालित मोबाईल वेटेनरी यूनिट के संचालन में मिल रही शिकायतों पर भी गंभीर रुख अख्तियार कर लिया है।

पीएम मोदी व भाजपा नेताओं के दावों की यूपी की जनता ने निकाल दी हवाः अजय राय

● प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा बांसगांव, देवरिया, महराजगंज और अमरोहा सीटों पर इंडिया गठबंधन प्रत्याशियों को सत्ता के इशारे पर हराया गया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा है कि आज पूरे देश में उत्तर प्रदेश की चर्चा हो रही है। हमारे नेता राहुल गांधी हर जगह उप्र की चर्चा कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में मोदी और पूरे एनडीए को पूरा भरोसा था और मोदी तथा भाजपा के नेता कहते थे कि 400 पार 80 में 80, उस दावे की प्रदेश की जनता ने हवा निकाल दी। ये कहते थे कि इस बार बनारस 10 लाख पर, बाबा काशी विश्वनाथ की नगरी की जनता ने उस दावे की भी हवा निकाल दी। इस प्रदेश की जनता का असीम प्रेम और जनसमर्थन इंडिया गठबंधन को मिला है।

अजय राय ने कहा कि उप्र में कई लोकसभा सीटों पर इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों को चुनाव भाजपाई सत्ता के इशारे पर हराया गया जिसकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बांसगांव, देवरिया, महराजगंज और अमरोहा में हम जीत रहे थे। यहां कांग्रेस के प्रत्याशियों को प्रशासनिक तंत्र का सहारा लेकर हराया गया।

राय बुधवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में उत्तर प्रदेश कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा 'मोना' के साथ प्रेस कांफ्रेंस कर रहे थे। इस दौरान उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी मीडिया विभाग के वाइस चेयरमैन मनीष श्रीवास्तव हिंदवी, प्रदेश प्रवक्ता सचिन रावत एवं डॉ. सुधा मिश्रा भी मौजूद रहीं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हम सब मिलकर इस प्रदेश एवं देश को बनाने का काम कर रहे हैं। मैं वाराणसी से चुनाव लड़ा और आप सभी का भरपूर सहयोग मिला। राय ने कहा कि नौजवानों में हाहाकार मचा हुआ है। अभी हाल ही में आये नीट परीक्षा के परिणामों पर प्रश्नचिन्ह लग गया है। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों में घोर निराशा छा गई है। अब तक पेपर लीक, परीक्षाओं पर सवाल प्रदेश में उठते थे, अब ये बीमारी केन्द्र तक पहुंच गई है। भाजपा सरकार में युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो गया है, बहुत सारे बच्चे डिप्रेशन का शिकार हो गये हैं। राय ने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव प्रभारी उत्तर प्रदेश अविनाश पाण्डेय के निर्देश पर पूरे प्रदेश की सभी विधानसभाओं में 11 जून 2024 से 15 जून 2024 तक कांग्रेस पार्टी धन्यवाद यात्रा निकालकर वहां की जनता का आभार व्यक्त करेगी। इस धन्यवाद यात्रा में पार्टी ने पत्र लिखकर इंडिया गठबंधन के सभी घटक दलों को आमंत्रित किया है। राय ने कहा कि इंडिया गठबंधन मजबूती के साथ जनमुद्दों को उठाकर सरकार को घेरने का काम करेगा। चंद पूंजीपतियों के हाथों में खेल रही है मोदी सरकार को जनता के हित में कार्य करने के लिए संघर्ष कर बाध्य करेंगे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि महंगाई एक बार फिर जनता को परेशान कर रही है। अरहर दाल का मूल्य 200 पार हो गया है, आटा भी महंगा हो गया है। कहा जा रहा है कि अब गेहूं भी बाहर से आयात करना पड़ेगा, एक बार फिर अपने पूंजीपति मित्रों को फायदा पहुंचाने की कवायद शुरू हो गई है।

चित्रकूट का रानीपुर टाइगर रिजर्व बनेगा 'ईको टूरिज्म' का हब

● पर्यटक सुविधाओं को बढ़ाने की विस्तृत कार्ययोजना को धरातल पर उतारने की प्रक्रिया शुरू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के समेकित विकास की पटकथा लिख रही योगी सरकार प्रदेश की अनुपम प्राकृतिक छटा को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए भी लगातार प्रयासरत है। प्रदेश के वन्य क्षेत्रों, अभ्यारण्यों व रिजर्व सैंक्चुरीज के विकास के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार अब चित्रकूट के रानीपुर टाइगर रिजर्व को 'ईको टूरिज्म अट्रैक्शन' के तौर पर विकसित करने जा रही है। रानीपुर टाइगर रिजर्व को 'ईको टूरिज्म' का हब बनाने के लिए सीएम योगी की मंशा अनुरूप विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई थी जिसको क्रियान्वित करते हुए वन विभाग ने परियोजना पर कार्य शुरू कर दिया है।

रानीपुर टाइगर रिजर्व में पर्यटक सुविधाओं के विकास और बफर जोन रीजन में अन्य अवसंरचनात्मक कार्यों की पूर्ति के लिए 38 लाख रुपए के अनुमानित व्यय से विकास की परियोजनाओं को पूर्ण किए जाने का खाका खींचा गया है। इन प्रक्रियाओं को पूर्ण करने के लिए कार्यालय उप निदेशक रानीपुर टाइगर रिजर्व/ प्रभागीय अधिकारी, चित्रकूट द्वारा आदेश जारी किया गया है।

230 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र प्रसार वाला रानीपुर टाइगर रिजर्व प्रदेश का चौथा तथा देश का 53वां टाइगर रिजर्व है। यह टाइगर रिजर्व मध्य प्रदेश के पन्ना टाइगर रिजर्व से मात्र 150 किमी की दूरी पर स्थित है तथा यहां बाघ के अतिरिक्त तेंदुआ, भालू, सांभर, हिरण, चिंकारा समेत तमाम प्रकार के वन्य जीवों व प्रजातियों का बसेरा है। यही कारण है कि योगी सरकार ने इस क्षेत्र में पर्यटन की अपार संभावनाओं को पहचानते हुए क्षेत्र में विकास कार्यों को गति दी है। पर्यावरण संरक्षण के सिद्धांतों का पालन करते हुए इस क्षेत्र का विभिन्न मानकों के अनुरूप विकास किया जा रहा है।

रानीपुर टाइगर रिजर्व में फिलहाल जिन टूरिस्ट सेंट्रिक एमिनिटीज का विकास किया जा रहा है उनमें लग्जरी टेंट एरिया मुख्य है। यहां पर लग्जरी टेंट स्टे एरिया का विकास किया जाएगा जिससे यहां आकर रुकने वाले पर्यटकों को प्रकृति की अनुपम छटा निहारने का मौका मिलेगा। उन्हें जंगल में उत्तम नागरिक सुविधाएं तो मिलेंगी ही, साथ ही लॉन एरिया तथा पार्किंग के लिए लैंडस्केप जैसी सुविधाओं का भी विकास किया जाएगा। इतना ही नहीं, केन बेंच इनस्टॉलेशन तथा इंटरप्रिटेशन सेंटर के जरिए निगरानी प्रणाली को भी सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी। उक्त कार्यों को पूरा करने के लिए आवेदन मांगे गए हैं जिसके जरिए विकासकर्ता एजेंसियों के निर्धारण का मार्ग सुनिश्चित हो सकेगा।

माटी शिल्पकारों का निखरेगा हुनर, बढ़ाई जाएगी कार्यक्षमता

● माटीकला बोर्ड की तरफ से दिए जाएंगे इलेक्ट्रिक चाक और पगमिल, 25 जून तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं शिल्पकार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

पर्यावरण संरक्षण के साथ पारंपरिक माटी शिल्प को उद्यमिता से जोड़ने के लिए प्रदेश की योगी सरकार ने माटी शिल्पकारों को लगातार सौगात देना जारी रखा है। बड़ी संख्या में माटीकला से जुड़े शिल्पकारों को टेक्नोलॉजी से जोड़कर उनके हुनर और कार्यक्षमता को निखारा गया है। हुनर निखारने और कार्यक्षमता के विस्तार के लिए सरकार बचे शिल्पकारों को भी टेक्नोलॉजी से जोड़ने जा रही है। इसके लिए माटी शिल्पकारों को इलेक्ट्रिक चाक और पगमिल प्रदान किए जाएंगे। माटीकला बोर्ड ने गोरखपुर में 35 शिल्पकारों को इलेक्ट्रिक चाक और समूह के जरिये 9 पगमिल वितरित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

बीते करीब सात सालों से मिट्टी के बने उत्पाद बाजार में खूब दिख और बिक रहे हैं। खानपान की दुकानों पर भी अब मिट्टी के कुल्हड़ और अन्य बर्तनों की जबरदस्त डिमांड बनी हुई है। इससे पर्यावरण संरक्षण भी हो रहा है तो मिट्टी के उत्पाद बनाने का पारंपरिक काम उद्यम की शक्ल ले रहा है। सरकार का जोर टेक्नोलॉजी के माध्यम से इस उद्यम को और बड़ा आकार देने पर है। मुख्यमंत्री बनने के बाद योगी आदित्यनाथ ने मिट्टी के उत्पाद बनाने के पारंपरिक काम से जुड़े शिल्पकारों को तकनीकी से जोड़ने की पहल तो की ही, गोरखपुर में मिट्टी के विशेष शिल्प वाले टेराकोटा को एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) में शामिल कर इसके लिए बड़ा बाजार भी उपलब्ध कराया।

टेराकोटा से जुड़े शिल्पकारों को बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रिक चाक (बिजली से चलने वाली चाक) और पगमिल (मिट्टी गुथने की मशीन) उपलब्ध कराई गई। टेराकोटा के अलावा अन्य मिट्टी शिल्पकारों को भी माटीकला बोर्ड की तरफ से इलेक्ट्रिक चाक और पगमिल वितरित कराने का अभियान भी निरंतर जारी है। गोरखपुर के जिला ग्रामोद्योग अधिकारी एके पाल बताते हैं कि माटीकला से जुड़े कामगारों और शिल्पकारों के लिए माटीकला बोर्ड ने एक बार फिर उन शिल्पकारों को इलेक्ट्रिक चाक व पगमिल देने का लक्ष्य तय किया है जो अब तक हस्तचालित चाक पर काम कर रहे हैं। गोरखपुर में इस बार 35 इलेक्ट्रिक चाक और समूह बनाकर 9 पगमिल वितरित किए जाएंगे।

पेड़ लगाओ-पेड़ बचाओ जन अभियान के तहत 35 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य

● पौधे लगाने के साथ ही उसे सुरक्षित रखना भी हम सबकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारीः डॉ. अरूण कुमार सक्सेना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के पर्यावरण, वन, जलवायु परिवर्तन व जन्तु उद्यान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरूण कुमार सक्सेना ने आज यहां वन विभाग मुख्यालय स्थित पारिजात सभागार में पेड़ लगाओ-पेड़ बचाओं जन अभियान-2024 की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि के वर्षाकाल में प्रदेश में जन सामान्य के सहयोग से वन भूमि, सामुदायिक भूमि व अन्य राजकीय भूमि, कृषि एवं अन्य निजी भूमि पर वृहद स्तर पर रोपण किया जाए। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेश की हरित आवरण में वृद्धि, पर्याप्त वर्षा जल संचयनए कार्बन अवशोषण, शुद्ध हवा, उपजाऊ मिट्टी व स्वच्छ जल की प्राप्ति एवं प्रदेश के कृषकों की आय में वृद्धि होगी। डॉ. सक्सेना ने स्पष्ट निर्देश दिया कि वृक्षारोपण अभियान 2024 में प्रदेश का पौधारोपण लक्ष्य 35 करोड़ है जिसमें पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग का लक्ष्य 14 करोड़ तथा अन्य 25 विभागों का लक्ष्य 21 करोड़ है, जिसे प्रत्येक दशा में पूर्ण करना संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है। डॉ. सक्सेना ने कहा कि पौधे लगाने के साथ ही उसे सुरक्षित रखना भी हम सबकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है जो जन सहभागिता से ही संभव है। साथ ही उन्होंने पांच दिन के अंदर पिछले वर्ष में हुए वृक्षारोपण की वर्तमान स्थिति से अवगत कराने हेतु संबंधित अधिकारियों तथा संस्थाओं के प्रमुखों को निर्देश दिए।

बैठक में उच्च शिक्षा विभाग की राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने कहा कि पौधों को लगाने के साथ ही उसे जीवित रखने का लक्ष्य भी तय करना संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पौधों को मानव से भावनात्मक रूप से जोड़ते हुए ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने के लक्ष्य रखें। तिवारी ने कहा कि पौधों को सुरक्षित रखने के लिए उन्हें बाउंड्री तथा ट्री गार्ड के अंदर अवश्य लगायें। उन्होंने कहा मनुष्यों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए ज्यादा से ज्यादा संख्या में वृक्ष लगाना अति आवश्यक है।

अपर मुख्य सचिव वन मनोज सिंह ने बताया कि इस अभियान के तहत बेसिक शिक्षा विभाग-12.43 लाख, उच्च शिक्षा विभाग-18.54 लाख, माध्यमिक शिक्षा विभाग-7.63 लाख, प्राविधिक शिक्षा विभाग- 5.06 लाख, रेल विभाग-12.66 लाख तथा रक्षा विभाग को 4.95 लाख वृक्षारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष वेटलैण्ड संरक्षण वन, विरासत वृक्ष वाटिका, मित्र वन, बाल पौध रोपण भण्डारा थीम के तहत 35 करोड़ पौधों का रोपण किया जायेगा। श्री सिंह ने बताया कि वन विभाग, उद्यान विभाग, रेशम विभाग तथा निजी पौधशालाओं में कुल 54.20 करोड़ पौध उपलब्ध है। पौधों में मुख्य रूप से नीम, सहजन, आंवला, इमली, अर्जुन, जामुन, बेल, देशी आम, महुआ, सागौन, शीशम, गुटेल, बांस, पीपल, पाकड़, बरगद आदि हैं तथा ग्राफ्टेड पौध में आम, अमरूद, नींबू व मालाबार नीम ;डमसपं कनइपंद्ध के पौधों को उगाया गया है। वृक्षारोपण 2024 की विशिष्ट गतिविधियों में शक्ति वन, बाल वन, युवा वन के साथ ही कुल देवता वन की स्थापना तथा मंदिरों में पौधों का प्रसाद के रूप में वितरण होगा। इसके साथ ही नदियों के कैचमेंट में पवित्र धारा वृक्षारोपण तथा रक्षाबंधन के अवसर पर भाई-बहन द्वारा वृक्षारोपण किया जायेगा। इसके अतिरिक्त विरासत वृक्ष प्रजातियों के पौधों की रथ-यात्रा का भव्य आयोजन होगा व बाल पौध रोपण भण्डारा का कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा।

ट्रक झोपड़ी पर पल्टा, एक ही परिवार के 8 लोगों की मौत, एक घायल

मृतक अवधेश, मृतका सुधा, मृतक लल्ला, घायल बच्ची बिट्टू, मलबा हटाती जेसीबी

● मुख्यमंत्री ने जताया शोक

संडीला (हरदोई)। बालू से भरा एक ट्रक सड़क के किनारे बनी झोपड़ी पर पलट गया जिससे एक ही परिवार के 8 लोगों की दर्दनाक मौत हो गयी। इस दुर्घटना में एक बच्ची जीवित बची है, जिसे घायलावस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कोतवाली मल्लावां के अंतर्गत चुंगी नंबर 2 के पास एक कंजड़ परिवार काफ़ी समय से अपनी झोपड़ी बनाकर रह रहा था। परिवार में 40 वर्षीय अवधेश पुत्र रामपाल, 35 वर्षीय सुधा पत्नी अवधेश, 5 वर्षीय लल्ला पुत्री बल्ला, 11 वर्षीय सुनैना पुत्री बल्लाए 4 वर्षीय बुद्धू पुत्र बल्ला, 25 वर्षीय हीरो पत्नी करनए 30 वर्षीय करन पुत्र रामकिशन और 2 वर्षीय बिहारी पुत्र करन निवासी मोहल्ला कासुके थाना बिलग्राम रह रहे थे। रात लगभग 12.15 बजे बालू से भरा हुआ ट्रक नंबर यूपी 30 बीटी/2189 इस झोपड़ी पर अनियंत्रित होकर पलट गया जिससे झोपड़ी में सो रहे सारे लोग इसके नीचे दब गए। पुलिस मौके पर पहुंची और जेसीबी की सहायता से ट्रक को हटवाकर मलबे के नीचे दबे लोगों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक अवधेश, उनकी पत्नी सुधा के अलावा सुनैना, लल्ला, बुद्ध तथा दामाद करन और विवाहित पुत्री हीरो तथा कोमल की मौत हो गयी। एक बच्ची जिसका नाम बिट्टू बताया गया घायल अवस्था में मिली, जिसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकी हालत खतरे से बाहर है। प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार इस परिवार में दो छोटी छोटी झोंपड़ियां बना रखीं थी। दुर्घटना के समय कुछ लोग झोपड़ी के बाहर तो कुछ झोपड़ी के अंदर सो रहे थे। जीवित बच्ची अपनी नानी के साथ दूसरी झोपड़ी में सो रही थी। चूंकि गर्मी बहुत थी तो नानी झोपड़ी के बाहर आकर सो गयी और इसी कारण उसकी जान बच गई। ट्रक पलटने के बाद पूरी झोपड़ी बालू से ढक गई थी। आसपास के तमाम लोग घटना स्थल पर पहुंचे और शवों को निकालने में अपना पूरा सहयोग दिया। यह भी पता चला कि मृतक अवधेश का दामाद करन अपनी पत्नी और पुत्री के साथ 4 दिन पहले ससुराल आया था। रात के समय सभी लोग झोपड़ी के बाहर लेटे थे कि यह हादसा हो गया। जिलाधिकारी एमपी सिंह तथा एसपी केसी गोस्वामी मौके पर पहुंचे। डीएम ने बताया कि ट्रक चालक कानपुर से बालू लादकर आ रहा था, तभी यह दुर्घटना हुई ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया गया है।

चार दिनों से चौकी में बंद कर पुलिस कर रही यातनाएं

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक उदय शंकर सिंह के दिशा निर्देशन पर जहां पुलिस अपराधियों पर नकेल कसे है वही कुछ पुलिस की निष्क्रियता के चलते पुलिस पर सवालिया उंगलियां उठने पर मजबूर हो जाती है ऐसा ही एक मामला गाजीपुर थाने की शाह चौकी का आया है जिसमे पुलिस द्वारा दो युवकों को पिछले चार दिनों से चौकी में बैठा उन पर यातनाएं कर जबरन चोरी का मामला कबूलवा रही है। चौकी में बंद दोनो युवकों के परिजन पुलिस अधीक्षक की चौखट पर जाकर एक शिकायती पत्र देकर अवगत कराया।

एसपी को शिकायती पत्र देने के लिए खड़े पीड़ित।

गाजीपुर के शाह निवासी मुन्नू व स्वर्गीय भोला की पत्नी माधुरी एवं शकुंतला ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि गांव के ही स्व. रमेश तिवारी के पुत्र सत्य प्रकाश तिवारी उर्फ बड़का व शिव प्रकाश तिवारी विगत 8 जून को रात्रि 8 बजे प्रार्थिनी के घर आएं तथा ट्रक से मोरम उतरवाने की बात कहकर विनोद कुमार पुत्र मुन्नू व शनि पुत्र भोला को घर से चार पहिया वाहन नंबर यूपी-71वी/7999 से ले गए। जहां आरोपियों ने अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर विनोद व शनि को झूठे चोरी का आरोप लगाकर मारा पीटा। रात्रि लगभग 10 बजे शाह चौकी ले गए। पीड़ितों ने बताया कि वहां पुलिस से साठ गांठ कर उनके पुत्रों को पुलिस ने बांध कर मारा पीटा जिससे विनोद व शनि को गंभीर चोटे आई हैं। परिजनों को उनसे पुलिस मिलने भी नही दे रहे हैं। पीड़ित महिलाओं ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर बताया कि गांव के ही आत्मा राम पुत्र चरण ने पुत्रों को छुड़ाने के लिए 50000 हजार रुपए की मांग की। विनोद व शनि मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं। पीड़ित महिलाओं ने बताया कि पुलिस चार दिनों से उनके पुत्रों को चौकी में बंद कर यातनाएं कर रहे हैं। दबंग सत्य प्रकाश तिवारी व बड़का शिव प्रकाश तिवारी उर्फ भूरा से सांठ-गांठ कर जबरन चोरी के आरोप में जेल भेज रही हैं। थाना पुलिस व शाह चौकी पुलिस दो बार पीड़ितों के घर जाकर छानबीन की लेकिन वहां से उन्हें खाली हाथ आना पड़ा।

एनडीआरएफटीम ने रिलायंस इंडस्ट्रीज जलालपुर माती का दौरा किया

रिलायॅस इन्डस्ट्रीज में एनडीआरएफकी टीम आपातकालीन सुरक्षात्मक उपायों की पडताल करती हुयी

कानपुर देहात। आज 12.06.2024 को लखनऊ से आई एनडीआरएफकी टीम ने जलालपुर मातीए कानपुर देहात रिलायंस इंडस्ट्रीज प्राइवेट लि. का दौरा किया और आपातकालीन संबंधी उपायों के बारे में जानकारी ली। 11 एनडीआरएफ के उप महानिरीक्षक मनोज कुमार शर्मा व आलोक सिंह जिलाधिकारी कानपुर देहात के मार्गदर्शन में क्षेत्रीय प्रतिक्रिया केंद्र लखनऊ से एनडीआरएफ की टीम ने पेट्रोलियम ऑयल डिपो का दौरा किया और यूनिट के अधिकारियों के साथ बैठक की और यूनिट के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त की। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य किसी घटना से उत्पन्न आपातकालीन स्थिति में सभी सुरक्षा और बचाव एजेंसियों को तुरंत प्रतिक्रिया देना और सभी हितधारकों के बीच आपसी समन्वय स्थापित करना है। इस मौके एनडीआरएफटीम के टीम कमांडर इंस्पेक्टर जीतेंद्र सिंह यादव के साथ पंद्रह सदस्यीय टीम आपदा विशेषज्ञ अश्वनी वर्मा एनरेश पोपट टर्मिनल मैनेजर, सुनील कुमार व अन्य स्टाफ उपस्थित थे।

जिलाधिकारी ने की कर.करेत्तर, राजस्व कार्यो की मासिक समीक्षा, दिए निर्देश

● समस्त एसडीएम व तहसीलदार अपने-अपने कोर्ट के लंबित वादों का शीघ्र करें निस्तारण: जिलाधिकारी

संवाददाता। कानपुर देहात

जिलाधिकारी आलोक सिंह की अध्यक्षता में कर.करेत्तरए राजस्व कार्यो की मासिक समीक्षा बैठक मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार कलेक्ट्रेट में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने व्यापार कर, परिवहन, विद्युत, जीएसटी, खनन, राजस्व विभाग के साथ, स्टाम्प सिंचाई, मण्डी आदि को लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व वसूली में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने परिवहनए विद्युतए नगर निकायों में शिवलीए रूरा की लक्ष्य के सापेक्ष कम वसूली पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की तथा लक्ष्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को बैकलाग पूरा करने की कार्य योजना बनाने के भी निर्देश दिए ।

उन्होंने कहा कि सभी विभाग लक्ष्य की प्राप्ति हर हाल में करेंए तहसील स्तर पर समन्वय स्थापित कर कार्ययोजना तैयार करते हुए वसूली में तेजी लाए। तत्पश्चात् जिलाधिकारी द्वारा राजस्व कार्यो की समीक्षा की गयी, इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा राजस्व वादों के निस्तारण, स्टांप वाद, डिजिटल क्रॉफ्ट सर्वेए ई खसरा आदि की समीक्षा कर विस्तृत दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुराने लंबित वादों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराया जाए।

जिलाधिकारी ने पुराने वादों के निस्तारण में संतोषजनक प्रगति न पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की तथा वादों को शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का निस्तारण निर्धारित समय अंतर्गत कराया जाए। आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार के लापरवाही क्षम्य नहीं है। उन्होंने विभिन्न तहसीलों के अंतर्गत निवास प्रमाण पत्रए जाति प्रमाण पत्रए आय प्रमाण पत्र तथा अन्य ऑनलाइन दस्तावेज समय अंतर्गत जारी करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमार, समस्त उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार तथा संबंधित अधिकारी गण आदि उपस्थित रहे।

शार्ट सर्किट से घर में लगी आग, भाई-बहन झुलसे

फतेहपुर। गाजीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कुंदवारी में बुधवार की दोपहर अचानक घर में आग लग जाने से मासूम भाई-बहन बुरी तरह झुलस गए। जिन्हें उपचार के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। अग्निकांड से गृहस्थी जलकर खाक हो गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। जानकारी के अनुसार कुंदवारी गांव निवासी रामभवन के घर में बुधवार की दोपहर अचानक शार्ट सर्किट से छप्पर में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने अपना विकराल रूप धारण कर लिया। इसी दौरान घर में मौजूद प्रियांशी छह वर्ष व उसका भाई पवन चार वर्ष आग की चपेट में आकर झुलस गए। उधर गांव के ही लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दे दी। घटनास्थल पहुंची फायर ब्रिगेड टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गंभीर रूप से झुलसे मासूम भाई-बहन को उपचार के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान पिता रामभवन ने बताया कि अग्निकांड में घर की गृहस्थी जलकर खाक हो गई। लगभग डेढ़ लाख रूपए का नुकसान हुआ है।

● गृहस्थी भी जलकर खाक, डेढ़ लाख रूपए का नुकसान

क्विक न्यूज

पालिका ने ब्राण्ड अंबेस्डर के साथ चलाया जनजागरूकता अभियान

गुरसहायगंज (कन्नौज)। आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में पालिका द्वारा बेहतर प्रदर्शन करनें के उद्देश्य से अधिक से अधिक नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किये जाने के लिये पालिका नें समाजसेवी मयंक गुप्ता को स्वच्छ भारत मिशन का ब्राण्ड अम्बेस्डर नामित किया है। शासन की मंशा के अनुसार आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण में अधिक से अधिक अंक प्राप्त करने एवं आम जन मानस को प्राप्त होने वाली जन सुविधाओं को देखते हुये अधिशासी अधिकारी अनिल पंडित ने रोस्टर जारी कर प्रातः 06 बजे से व्यापक जनसम्पर्क प्रारम्भ कर दिया है। बुधवार को ब्राण्ड अम्बेस्डर मयंक गुप्ता के नेतृत्व में जनजागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नागरिकों को गीले कचरे से होम कम्पोस्टिंग कर खाद बनाये जाने। कूड़ा गाड़ी में गीला-सूखा अलग-अलग कचरा डाले जाने। पेयजल को बर्बाद न किये जाने के सम्बन्ध में जागरूक किया। इस दौरान लीकेज, मार्ग प्रकाश आदि शिकायतों के भी त्वरित निस्तारण के निर्देश अधिषासी अधिकारी द्वारा दिये गये। इस दौरान सभासद प्रतिनिधि दीपक गुप्ता, प्रधान लिपिक आरपी सिंह, निर्माण इंचार्ज जिलेदार सिंह, मार्ग प्रकाष व्यवस्था इंचार्ज संजीव सिंह, जलकल फील्ड प्रभारी जनार्दन मिश्रा, मनोज तिवारी उपस्थित रहे।

जनसंपर्क जन जागरूकता अभियान चलाते ईओ व ब्रांड एंबेस्डर।

पेड़ से गिरकर किशोर समेत दो की मौत

फतेहपुर। जनपद के अलग-अलग थाना क्षेत्रों के अंतर्गत पेड़ से गिरकर किशोर सहित दो लोग घायल हो गए। जहां इलाज के दौरान किशोर की मौत हो गई वहीं लखनऊ में उपचार के दौरान देर रात 46 वर्षीय अधेड़ ने दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार राधानगर थाना क्षेत्र के दलीपुर मजरे रारा गांव निवासी स्व. शिवनंदन का पुत्र सोहन सिंह छह जून को पेड़ पर चढ़कर लकड़ी तोड़ रहा था तभी गिर कर घायल हो गया था। परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे। जहां से परिजन उसे लखनऊ के लिए रेफर करा ले गए। इलाज के दौरान मंगलवार की देर रात उसकी मौत हो गई। इसी प्रकार खागा कस्बा के मुहल्ला नई बाजार नई बस्ती निवासी स्व. सुरेंद्र सोनकर का पुत्र रोशन मंगलवार की शाम पेड़ पर चढ़कर पत्ती तोड़ रहा था तभी पैर फिसल जाने से नीचे गिरकर घायल हो गया। परिजनों ने उसे कस्बे के ही एक नर्सिंग होम में भर्ती कराया। जहां देर रात उसकी मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

पुलिस ने तमंचा व कारतूस सहित युवक को दबोचा

गुरसहायगंज (कन्नौज)। उच्चाधिकारियों के निर्देशन में बुधवार को शांति व्यवस्था में हमराह सिपाहियों के साथ गस्त कर रहे मझपुर्वा चौकी प्रभारी ने एसओजी टीम के साथ मुखबिर की सूचना पर जीटी रोड से ग्राम डुंडवा बुजुर्ग जाने वाले अंडरपास के निकट छापेमारी की जहां से एक युवक के पास से 315 बोर का तमंचा व एक कारतूस बरामद करते हुए हिरासत में ले लिया। आरोपी युवक ने अपना नाम भुन्नू वाल्मीकि निवासी मोहल्ला बगिया फजल इमाम थाना कन्नौज बताया है। पुलिस द्वारा आरोपी युवक के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जेल भेजा गया।

युवक को मारपीट कर दी धमकी

गुरसहायगंज (कन्नौज)। रंजिश के चलते युवक के साथ गांव के ही चार लोगों ने अभद्रता व मारपीट कर घायल कर दिया और धमकी भी दी। पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। क्षेत्र के ग्राम बिलंदपुर निवासी मुख्तियार खान द्वारा कोतवाली में दर्ज कराए गए मुकदमे में कहा गया है कि बुधवार की सुबह वह घर की ओर जा रहा था। तभी गांव के ही मोहसिन, सुफियान, समीम, आसिफने रंजिश के चलते उसके साथ गाली गलौज करते हुए लाठी डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया तथा जान से मारने की धमकी दी। घटना के संबंध में कोतवाली पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज कर जॉच शुरू कर दी गई है।

दोनो ट्रक की भिड़ंत में हेल्पर की मौत, चालक घायल

फर्रुखाबाद। दो ट्रकों की आगे-पीछे से भिंडत हो गयी। जिसमे ट्रक के हेल्पर नें दम तोड़ दिया जबकि चालक घायल हो गया। उसे उपचार के लिए भर्ती किया गया ।रामपुर के सोहरा राजा नगर निवासी 35 वर्षीय भूरा पुत्र राजन ट्रक चालक 28 वर्षीय सोहेब अली निवासी रुद्रपुर उत्तराखंड के साथ हेल्पर था। वह महाराष्ट्र से केला भरकर रुद्रपुर जा रहे थे। थाना मऊदरवाजा के बघार के निकट सोहेब के ट्रक का प्रेशर खराब हो गया। जिससे उसका ट्रक तेज रफ्तार के साथ आगे जा रहे ट्रक से टकरा गया। परिचालक भूरा की मौत हो गयी जबकि चालक सोहेंब घायल हो गया।

मजदूर ने पत्नी से विवाद में फांसी लगाकर दी जान

संवाददाता। फर्रुखाबाद

पत्नी से विवाद से चलते तनाव में आये मजदूर ने बीबी को वीडियो कॉल कर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जानकरी होने पर परिजनों में कोहराम मंच गया। पुलिस नें शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना मऊ दरवाजा के मोहल्ला बीबीगंज निवासी 36 वर्षीय लालू पुत्र रामदत्त शाक्य मजदूरी करने का कार्य करता था ।उसका बीते दस वर्ष पूर्व अमृतपुर निवासी राधा के साथ विवाह हुआ था,मिली जानकारी के मुताबिक बीते एक सप्ताह पूर्व विवाद होने पर राधा अपने मायके चली गयी ।बीती रात तनाव में आये लालू ने पत्नी को वीडियो कॉल की,इसके बाद कमरे में पंखे के कुंडे से फांसी लगा ली,जिससे उसकी मौत हो गयी है ।मृतक के दो पुत्र और एक पुत्री है।

जिलाधिकारी ने की निर्माण कार्यों की बैठक कार्यों को तेजी से पूर्ण करने के दिए निर्देश

● सभी कार्यदायी संस्थाएं मानक व गुणवत्ता के अनुरूप समय अंतर्गत निर्माण कार्यों को करे पूरा

कानपुर देहात। जिलाधिकारी आलोक सिंह के अध्यक्षता व मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी नागप्पन की उपस्थिति में निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक माँ मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट में संपन्न हुई। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि संबंधित विभिन्न विभाग, अपने विभागों के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों की नियमित समीक्षा करेंए यदि कार्यदायी संस्थाएं निर्माण कार्य में रुचि नहीं ले रहे हैं अथवा गुणवत्तापूर्ण निर्माण नहीं करा रहे, तो उसके संबंध में अवगत कराए, जिससे समय अंतर्गत कार्यवाही की जा सके। उन्होंने सभी कार्यदायी संस्थाओं को सख्त निर्देश देते कहा कि कार्यदायी संस्थाएं अपने कार्यों में तेजी लाएं अन्यथा की स्थिति में कठोर कार्यवाही की जाएगी। निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही अब क्षम्य नहीं होगी। सभी कार्यदायी संस्थाएं मानक व गुणवत्ता के अनुरूप समय अंतर्गत निर्माण कार्यों को पूरा करे। जो निर्माण कार्य अंतिम चरण में है उन्हें बरसात से पहले पूर्ण कर, संबंधित विभाग को हस्तानांतरित कर दिया जाए। डीएम ने कार्यदायी संस्था सीएनडीएस, यूपीपीसीएलए की धीमी कार्य प्रगति पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। डीएम ने सड़कों के निर्माण के संबंध निर्देश देते हुए कहा कि नई सड़कों का निर्माण अथवा पुरानी सड़कों के मरम्मतीकरण के साथ ही सड़कों पर साइनेज आदि का कार्य कराया जाये। उन्होंने उन स्थानों को ब्लैक स्पॉट के रूप में चिन्हित करने के निर्देश दिए जहां दो या दो से अधिक बार एक्सीडेंट से संबंधित घटनाएं घट चुकी हैं तथा संबंधित स्थान पर साइनेज आदि लगाने के भी निर्देश दिए।

पालिका प्रशासन ने दशकों पुराने कब्जे को मुक्त कराया

● पालिका की कार्रवाई से अतिक्रमणकारियों में मचा हडकम्प

गुरसहायगंज (कन्नौज)। विगत कई दशकों से पालिका की जमीन पर अवैध कब्जा जमाए करीब एक दर्जन दुकानों पर पालिका का बुलडोजर ने गरज कर अवैध कब्जे को ध्वस्त कर सामग्री जप्त कर ली। पालिका द्वारा की गई कार्यवाही से दुकानदारों में हड़कंप मच गया। बुधवार को उच्चाधिकारियों के निर्देश पर नगर पालिका परिषद अधिशासी अधिकारी अनिल पंडित ने कर्मियों सहित पालिका की जेसीबी ले जाकर जीटी रोड स्थित विद्युत उपकेंद्र के बाहर कई दशकों से पालिका की जमीन पर टीन सेड डालकर अवैध कब्जा जमाए लोगों को चेतावनी के उपरांत अतिक्रमण हटाओ अभियान की शुरुआत कर दी। जिससे अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया और मौजूद अधिकारियों से कुछ समय की मोहलत मांगते दिखाई दिए लेकिन उच्चाधिकारियों के आदेश का हवाला देते हुए कार्यवाही जारी रखी और अतिक्रमणकारियों के टीन सेडों को जब्त कर लिया। प्रधान लिपिक आरपी सिंह, जिलेदार सिंह, सफाई इंचार्ज राजन बाबू, जनार्दन मिश्रा, मनोज तिवारी, प्रसनजीत मिश्रा, जगदीश सिंह, पूरन सिंह आदि मौजूद रहे।

अतिक्रमण हटाती पालिका की जेसीबी।

नालों की सफाई का कार्य पूर्ण करवाया गया

गुरसहायगंज (कन्नौज)। वर्षा ऋतु में जल भराव की समस्या न हो इसके लिये पालिका द्वारा मानसून से पूर्व ही रोस्टर बनाकर समस्त नालों का सफाई कार्य पूर्ण करवा लिया गया है। शासन द्वारा इस सम्बन्ध में सख्त दिशा निर्देश जारी किये गये थे। शासनादेश के अनुपालन में पालिका के सभी 12 नालों जिनकी कुल लम्बाई लगभग 8000 मीटर है को डेडीकेटेड टीम एवं जेसीबी आदि मशीनों की सहायता से साफ करवा दिया गया है। नाला सफाई का सत्यापन ड्रोन द्वारा करवाया जायेगा। यह जानकारी स्थानीय नगर पालिका परिषद अधिशासी अधिकारी अनिल पंडित नें दी।

श्रीराम के आशीर्वाद से सपा अयोध्या से चुनाव जीती: खुर्शीद

फर्रुखाबाद। कांग्रेस की राजनीति परिवारवाद से जुड़ी है क्योंकि हम पूरे देश को परिवार मानते हैं। यह बात पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद ने फतेहगढ़ स्थित लाल कोठी में मिर्जा वसीम के आवास पर प्रेस वार्ता में कही ।उन्होंने कहा कि ऊ. प्र. में गठबन्धन हुआ उसमे हमे भी कुर्बानी देनीपड़ी,गठबंधन में ही हमने छ सीट जीती। कांग्रेस तीन दिवसीय धन्यवाद यात्रा निकाल रही हैं जिसमे हम जीतने के बाद जनता का आभार व्यक्त कर रहे हैं। फर्रुखाबाद से मेरा हमेशा घरेलू रिश्ता रहा है इसीलिए मैं अपने घर में जीतने और हारने वालों को शुभकामनाएं देने आया हूं ।यह पूछने पर कि सपा को हारने पर कोर्ट जाना चाहिए जवाब में कहा बीस साल पहले भी हम कोर्ट गए थे कुछ नही हुआ नवल किशोर को भी कोर्ट जाना चाहिए। नवलकिशोर ने मुझसे कोई राय नहीं ली है।

उन्होंने कहा कि भाजपा नारा देती थी हम राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे,पर राम के आशीर्वाद से अयोध्या में सपा जीत गई ।विधानसभा चुनाव में सपा कांग्रेस गठबंधन के पूछे प्रश्न पर कहा अभी तीन साल पहले की बात नहीं की जा सकती है ।अभी तो गठबंधन को लगातार मजबूत बनाए रखना है। जम्मू कश्मीर में आतंकवादियो द्वारा बस में गोली चलाकर दस लोगो को मारने की घटना पर पूछे प्रश्न पर कहा आतंकवाद पर सभी पार्टियां सरकार के साथ है सभी आतंतकवाद को समाप्त करना चाहते हैं।

एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि अग्निवीर योजना पर सरकार ने संसद में बहस करने की बात कही है,कांग्रेस अग्निवीर योजना को समाप्त करने की मांग पहले ही कर चुकी है। आंध्र प्रदेश में 5 प्रतिशत आरक्षण ओबीसी मुस्लिमो को जारी रखने की टी डी पी की मांग के प्रश्न पर सलमान ने कहा किसी भी राज्य में ओबीसी मुस्लिमो को आरक्षण नहीं है, तो इस राज्य में यह आरक्षण कैसे चल सकता है। वार्ता में पूर्व विधायक लुईस खुर्शीद, मिर्जा वसीम, अनिल मिश्रा, जिला अध्यक्ष शकुंतला देवी, नगर अध्यक्ष पुन्नी शुक्ला, अंकुर मिश्रा, उजेर खा, अर्चना राठौर, उषा सिंह सहित कई कांग्रेसी मौजूद रहे।

मौत को दावत दे रहा बस स्टाप में खड़ा जला ट्रक

भरुआ सुमेरपुर। 19 दिन पूर्व बस स्टाप में जलकर खाक हुये ट्रक को प्रशासन बस स्टाप में हाईवे पर खड़ा कराकर दुर्घटनाओं को दावत दे रहे हैं। यहां किसी भी वक्त बड़ा हादसा हो सकता है। दुकानों के सामने ट्रक के खड़ा होने से दुकानदार भी परेशान है। गत 23 मई की रात एक ट्रक कबरई से गिट्टी लादकर कानपुर जा रहा था। बस स्टैंड में यह अनियंत्रित होकर विद्युत पोल तोड़ता हुआ दुकानों के सामने पलट गया था। 24 मई को करीब 11रू00 बजे ट्रक को सीधा करते समय आग लग गई थी। इसमें ट्रक जलकर खाक हो गया था। इसके बाद जले हुए ट्रक को सीधा कराकर बस स्टाप में हाईवे के ऊपर खड़ा कर दिया गया था। तब से यह ट्रक बस स्टाप में हाईवे पर ही खड़ा होकर हादसे को न्योता दे रहा है। यहां किसी भी वक्त बड़ा हादसा हो सकता है। दुकानों के सामने जला ट्रक खड़ा होने से दुकानदार भी परेशान है। खादी आश्रम के संचालक शिवशंकर सचान, पुष्पांजलि मेडिकल स्टोर के संचालक राजकिशोर प्रजापति, जूस सेंटर के मनीष साहू, सिकंदर चौरसिया, सुरेश श्रीवासए अमरनाथ साहू, नरेश मिश्रा आदि ने बताया कि उनका कारोबार प्रभावित हो रहा है। हाईवे के पेट्रोलिंग अफसर ललित सिंह ने बताया कि मामला पुलिस केस का है अगर पुलिस मौके पर रहकर सहयोग करें तो जले हुए ट्रक को तत्काल हटा दिया जाएगा।

सपा नेता के प्रतिष्ठान में निर्वाचित सांसद का हुआ स्वागत

● जिले को विकास के पथ पर ले जाने का होगा काम: नरेश उत्तम

खागा/फतेहपुर। लोकसभा चुनाव समाप्त होने के बाद सपा के नवनिर्वाचित सांसद नरेश उत्तम पटेल के स्वागत का जो सिलसिला शुरू हुआ वह लगातार जारी है। बुधवार को नगर के युवा सपा नेता मोहसिन नफीस राईन के प्रतिष्ठान एनआरएस कलेक्शन पर नवनिर्वाचित सांसद का स्वागत समारोह आयोजित हुआ। नवनिर्वाचित सांसद को सपाईयों ने फूलों की माला से लाद दिया। तत्पश्चात सांसद श्री उत्तम ने कहा कि जिले को विकास के पथ पर ले जाने का काम किया जाएगा।

स्वागत समारोह का आयोजन युवा सपा नेता मोहसिन नफीस राईन ने किया। अध्यक्षता नगर अध्यक्ष शिव सिंह यादव ने की। जैसे ही सांसद नरेश उत्तम पटेल खागा नगर पहुंचे सपाईयों ने जोशीले नारों के बीच उनकी अगवानी की। सांसद एनआरएस कलेक्शन पहुंचे। जहां मोहसिन नफीस राईन समेत तमाम सपाईयों ने फूल-मालाओं से सांसद को लाद दिया। सांसद उत्तम ने कहा कि जिस उम्मीद के साथ जिले की जनता ने उन्हें फतेहपुर लोकसभा सीट से जिताकर संसद भेजा है उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने का काम किया जाएगा। जिले को विकास के पथ पर ले जाने के लिए वह यहां की समस्याओं को प्रमुखता से संसद में उठाने का काम करेंगे। पिछले कई वर्षो में जिले का विकास रूका हुआ था जिससे नाराज होकर जनता ने भाजपा प्रत्याशी को हराकर उन्हें जीत दिलाने का काम किया है। सभी की उम्मीदों पर खरा उतरने का काम किया जाएगा। युवा सपा नेता मोहसिन नफीस राईन ने खागा नगर के साथ-साथ जिले की जनता का शुक्रिया अदा किया। नवनिर्वाचित सांसद के कार्यकाल में जिले का ऐतिहासिक विकास होगा। जिसे जनता हमेशा याद रखेगी। नागेंद्र सिंह यादव, कामरान नफीस राईन, कलीम शेख, संतोष यादव, गुलाब सिंह, इंदल सिंह, मुराद अली फारूकी, जावेद, ज्वाला राईन, इस्माइल फारूकी, निसार सिद्दीकी, शमीम राईन, मनोज चौरसिया, धर्म यादव, गोलू सोनी, इम्तेयाज आरिफ शहजादे सिद्दीकी आदि मौजूद रहे।

नवनिर्वाचित सांसद का माला पहनाकर स्वागत करते सपाई।

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 13 जून, 2024

भाजपा के आदिवासी नेता माझी बने ओडिशा के मुख्यमंत्री

भाषा। भुवनेश्वर

आदिवासी नेता एवं चार बार के विधायक मोहन चरण माझी ने बुधवार को यहां एक समारोह में ओडिशा के पहले भाजपा मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। शपथग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कई केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री शामिल हुए। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पटनागढ़ से विधायक केवी सिंह देव तथा निमापारा विधानसभा क्षेत्र से पहली बार विधायक बनीं प्रभाती परिदा ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। पिछली विधानसभा में भाजपा के मुख्य सचेतक रहे 52 वर्षीय माझी हाल में हुए विधानसभा चुनाव में चौथी बार विधानसभा के लिए चुने गए। उन्होंने क्योंझर विधानसभा क्षेत्र से जीत दर्ज की। वह संथाल समुदाय से संबंध रखते हैं। जनता मैदान में राज्यपाल रघुबर दास ने माझी और उनकी मंत्रिपरिषद के अन्य सदस्यों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। यह पहली बार है जब ओडिशा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनी है।

भाजपा को पहली बार ओडिशा में स्पष्ट जनादेश मिला जिससे नवीन पटनायक के नेतृत्व वाले बीजू जनता दल (बीजद) का 24 साल पुराना शासन खत्म हो गया। मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "यह ओडिशा में एक ऐतिहासिक दिन हैउ ओडिशा की मेरी बहनों और भाइयों के आशीर्वाद से, भाजपा ओडिशा राज्य में अपनी पहली सरकार बना रही है। मैंने भुवनेश्वर में शपथग्रहण समारोह में भाग लिया। उन्होंने कहा, श्री मोहन चरण माझी को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर और श्री कनक वर्धन (के. वी.) सिंह देव के साथ-साथ श्रीमती प्रभाती परिदा को उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई। मंत्री के रूप में शपथ लेने वाले अन्य लोगों को भी बधाई। महाप्रभु जगन्नाथ के आशीर्वाद से, मुझे विश्वास है कि यह टीम ओडिशा में रिकॉर्ड विकास करेगी और अनगिनत लोगों के जीवन में सुधार लाएगी।

समारोह में मोदी के अलावा भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, भूपेन्द्र यादव, धर्मेंद्र प्रधान, जुएल उरांव, अश्विनी वैष्णव और अन्य शामिल हुए। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश, गोवा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, असम, गुजरात, छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड सहित भाजपा शासित राज्यों के कई मुख्यमंत्री भी उपस्थित थे। समारोह में ओडिशा के निवर्तमान मुख्यमंत्री नवीन पटनायक भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री माझी के नेतृत्व वाली 16 सदस्ईय मंत्रिपरिषद एक विविध समूह के रूप में नजर आई जिसमें माझी सहित चार आदिवासी, दो दलित और एक महिला शामिल हैं। माझी की मंत्रिपरिषद में दो उपमुख्यमंत्री, आठ कैबिनेट मंत्री और पांच राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) शामिल हैं।

सुरेश पुजारी, रबिनारायण नाइक, नित्यानंद गोंड, कृष्ण चंद्र पात्र, पृथ्वीराज हरिचंदन, मुकेश महालिंग, बिभूति भूषण जेना और कृष्ण चंद्र महापात्र ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। गणेश राम सिंह खूंटिया, सूर्यबंशी सूरज, प्रदीप बालासनंता, गोकुला नंदा मल्लिक और संपद कुमार स्वैन ने राज्य मंत्री (स्वतंत्र) के रूप में शपथ ली। विधानसभा के लिए चुने गए 78 भाजपा सदस्यों में से केवल पांच महिलाएं हैं। सूत्रों ने संकेत दिया कि नयागढ़ जिले के रणपुर से निर्वाचित सुरमा पाढ़ी के विधानसभा अध्यक्ष बनने की उम्मीद है। मंत्रिपरिषद में चार सदस्य ओडिशा के पश्चिमी क्षेत्र से, मुख्यमंत्री सहित तीन उत्तरी क्षेत्र से, चार तटीय क्षेत्र से, तीन दक्षिणी क्षेत्र से और एक मध्य ओडिशा से हैं। राज्य की 147 सदस्ईय विधानसभा में भाजपा 78 सीट हासिल करके सत्ता में आई, जबकि पटनायक के नेतृत्व वाली बीजद को 51, कांग्रेस को 14, माकपा को एक सीट मिली तथा तीन सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार विजई रहे।

जयपुर के एक इलाके में घरों पर लगे पोस्टर, कहा गैर हिंदुओं को न बेचें संपत्ति

जयपुर। जयपुर के भट्टा बस्ती थाना क्षेत्र के शिवाजी नगर के कुछ घरों पर बुधवार को पोस्टर लगे दिखाई दिए, जिसमें कहा गया है कि गैर-हिंदुओं को घर नहीं बेचे जाने चाहिए। इन पोस्टरों में हिंदू समुदाय के लोगों से पलायन रोकने की भी अपील की गई है। कुछ स्थानीय लोगों ने एक टीवी चैनल को बताया कि उन्होंने अपनी मर्जी से अपने घरों पर पोस्टर चिपकाए हैं ताकि अपने इलाके के लोगों से गैर-हिंदू लोगों को अपना घर न बेचने की अपील की जा सके। संपर्क करने पर, भट्टा बस्ती थानाधिकारी कैलाश ने पोस्टर लगाए जाने की पुष्टि की और कहा कि लोगों ने अपने घरों पर पोस्टर चिपकाए हैं और इस बारे में अब तक कोई शिकायत नहीं मिली है। सर्व हिंदू समाज के नाम से लगाए गए सभी पोस्टर में हिंदी में लिखा है, सनातनियों से अपील, पलायन को रोकें। सभी सनातन भाइयों बहनों से निवेदन है कि अपना मकान गैर-हिंदुओं को ना बेचें।

आंध्र के मुख्यमंत्री बने चंद्रबाबू नायडू

अमरावती। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को आयोजित शपथ समारोह में चौथी बार आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह समेत कई केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता शामिल हुए। जनसेना प्रमुख और अभिनेता पवन कल्याण और नायडू के बेटे नारा लोकेश उन 24 मंत्रियों में शामिल हैं, जिन्हें नायडू मंत्रिमंडल में जगह मिली है। आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस. अब्दुल नजीर ने मंत्रियों को पद की शपथ दिलाई। तेदेपा प्रमुख के पद की शपथ लेने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने चंद्रबाबू नायडू को गले लगाया और उनकी पीठ थपथपाई। इस समारोह में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और जेपी नड्डा भी शामिल हुए। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी समारोह में मौजूद थे। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आंध्र प्रदेश की नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया। मुख्यमंत्री बनने के लिए नायडू को और सरकार में मंत्री पद की शपथ लेने वाले अन्य सभी लोगों को बधाई। मोदी ने कहा कि दक्षिणी राज्य में तेदेपा, जनसेना और भाजपा की सरकार आंध्र प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने और राज्य के युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। नायडू ने मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा, आज अमरावती में शपथ ग्रहण समारोह में गरिमामई उपस्थिति के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को धन्यवाद। नायडू ने संकल्प लिया कि तेदेपा, जनसेना और भाजपा सरकार जन-केंद्रित शासन देने का प्रयास करेगी। शाह ने नायडू और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण और पद की शपथ लेने वाले अन्य सभी मंत्रियों को भी बधाई दी। केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा, मेरा दृढ़ विश्वास है कि राजग सरकार लोगों की आकांक्षाओं और आशाओं को पूरा करते हुए आंध्र प्रदेश राज्य को समृद्धि की नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। प्रधानमंत्री ने अभिनेता चिरंजीवी और पवन कल्याण का हाथ पकड़कर उनसे आत्मीयता से बात की और मंच पर तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम, तमिल सुपरस्टार रजनीकांत और उनकी पत्नी लता के साथ भी बातचीत की। हाल में हुए चुनाव में नायडू ने अपनी कुप्पम सीट बरकरार रखी, जबकि पवन कल्याण और लोकेश ने क्रमशः पिथापुरम और मंगलगिरि विधानसभा क्षेत्रों से जीत हासिल की। केंद्रीय मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी तथा जे.पी. नड्डा और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी इस मौके पर मौजूद थे। पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू, भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश एन.वी. रमण और अभिनेता रजनीकांत तथा चिरंजीवी भी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। नायडू और लोकेश के अलावा, तेदेपा विधायक के. अच्चेन्नायडू, पी. नारायण, कोल्लू रवींद्र, निम्मला राम नायडू, अनिता वंगालापुडी, अनम रामनारायण रेड्डी, कोलुसु पार्थसारथी, एनएमडी फारूक, पय्यावुला केशव, ए. सत्य प्रसाद, डोला श्री बाला वीरंजनेय स्वामी, गोट्टीपति रवि कुमार, जी संध्या रानी, बीसी जनार्दन रेड्डी, टीजी भारत, एस. सविता, वासमसेट्टी सुभाष, कोंडापल्ली श्रीनिवास और मंडीपल्ली राम प्रसाद रेड्डी ने भी शपथ ली। जनसेना पार्टी से नादेंदला मनोहर और कंदुला दुर्गेश, जबकि भाजपा विधायक सत्य कुमार यादव ने मंत्री पद की शपथ ली। आंध्र प्रदेश विधानसभा की सदस्य संख्या (175) के अनुसार, मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री सहित 26 मंत्री हो सकते हैं। इससे पहले मंगलवार को अलग-अलग बैठकों में तेलुगु देशम विधायक दल और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सहयोगियों ने नायडू को अपना नेता चुना था।

रूसी सेना में कार्यरत भारतीयों की वापसी के लिए दबाव बना रहेः क्वात्रा

भाषा। नई दिल्ली

भारत ने कहा कि वह रूसी सेना में कार्यरत अपने नागरिकों की सुरक्षा और स्वदेश वापसी सुनिश्चित करने के लिए रूस पर दबाव डाल रहा है। विदेश सचिव विनय क्वात्रा की यह टिप्पणी विदेश मंत्रालय के यह कहने के एक दिन बाद आई कि रूसी सेना में कार्यरत दो और भारतीय रूस-यूक्रेन संघर्ष में मारे गए हैं। दो भारतीयों के मारे जाने से ऐसी मौतों की संख्या चार हो गई है।

क्वात्रा ने कहा, पहले दिन से ही हम लगातार रूसी अधिकारियों और नेतृत्व के साथ इस मामले पर चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने इस मुद्दे पर एक सवाल का जवाब देते हुए संवाददाताओं से कहा, हमारे सभी प्रयासों का उद्देश्य भारतीयों को सुरक्षित रखना है। उन्होंने कहा, हमने रूसी अधिकारियों से स्पष्ट रूप से कहा है कि युद्ध क्षेत्र में सभी भारतीयों को, चाहे वे किसी भी तरह से वहां पहुंचे हों, उन्हें (भारत वापस) लौटाया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय ने दो भारतीयों की मौत की पुष्टि करते हुए मंगलवार को कहा था कि भारत ने रूस के साथ इस मामले को दृढ़ता से उठाया है और रूसी सेना में कार्यरत सभी भारतीय नागरिकों की शीघ्र वापसी की मांग की है।

विदेश सचिव ने कहा कि भारत ने इस मुद्दे को बहुत गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा, हमने उनके परिवारों से संपर्क किया है, जांच की है कि वे व्यक्ति (रूस) कैसे पहुंचे, और रूसी अधिकारियों से जवाब देने को कहा है तथा यह जारी रहेगा। मार्च में, 30 वर्षीय हैदराबाद निवासी मोहम्मद असफान की यूक्रेन से लगती सीमा पर रूसी सैनिकों के लिए काम करते समय घायल होने के कारण मृत्यु हो गई थी। फरवरी में, गुजरात के सूरत निवासी 23 वर्षीय हेमल अश्विनभाई मंगुआ की डोनेट्स्क क्षेत्र में सुरक्षा सहायक के रूप में काम करते समय यूक्रेन के हवाई हमले में मृत्यु हो गई थी।

अभिनेता दर्शन की गिरफ्तारीः हत्या जांच में कई अहम तथ्य सामने आए

भाषा। बेंगलुरु

कर्नाटक में अभिनेता दर्शन थूगुदीप से जुड़े रेणुकास्वामी हत्याकांड की जांच के दौरान पुलिस को चौंकाने वाली जानकारी मिली है। पुलिस को पता चला है कि रेणुकास्वामी की कथित तौर पर बेल्ट से पिटाई की गई और फिर एक दीवार पर दे मारा गया, जिससे उसकी मौत हो गई। हत्या के सिलसिले में मंगलवार को प्रमुख कन्नड़ अभिनेता थूगुदीप, उनकी करीबी मित्र पवित्रा गौड़ा और 11 सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया था। दर्शन (47) के प्रशंसक चित्रदुर्ग के जिला मुख्यालय शहर के निवासी रेणुकास्वामी ने कथित तौर पर अभिनेत्री गौड़ा के सोशल मीडिया अकाउंट पर टिप्पणी कर उनपर अभिनेता व उनकी पत्नी के बीच दरार पैदा करने का आरोप लगाया था।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, रेणुकास्वामी ने कथित तौर पर "अभद्र भाषा का भी इस्तेमाल किया था और आपत्तिजनक संदेश पोस्ट किए थे। दर्शन, मुख्य आरोपी गौड़ा और अन्य आरोपियों को बुधवार को घटनास्थल का निरीक्षण करने के लिए पटनागेरे ले जाया गया, जहां अपराध हुआ था।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, दर्शन गौड़ा की सोशल मीडिया पोस्ट पर रेणुकास्वामी (33) के टिप्पणी करने से क्रोधित हो गए थे। सूत्रों ने दावा किया, पवित्रा ने ही दर्शन को रेणुकास्वामी को दंडित करने के लिए उकसाया था। इसी के अनुसार योजना बनाई गई। दर्शन ने दर्शन फैन क्लब के संयोजक राघवेंद्र उर्फ रघु की चित्रदुर्ग इकाई से संपर्क किया, जिसने रेणुकास्वामी के बारे में सारी जानकारी हासिल की। रेणुकास्वामी की पत्नी सहाना ने कहा कि राघवेंद्र उनके पति को शुक्रवार रात उनके घर के पास से ले गया। सूत्रों ने कहा कि पीड़ित का अपहरण करके बेंगलुरु के कामाक्षीपाल्या इलाके में एक झोपड़ी में ले जाया गया।

उन्होंने बताया, दर्शन ने रेणुकास्वामी को बेल्ट से पीटा। जब वह बेहोश हो गया तो उसके साथियों ने उसे लाठियों से पीटा। इसके अलावा, उन्होंने उसे दीवार पर दे मारा, जो जानलेवा साबित हुआ और उसकी कई हड्डियां टूट गईं। सूत्रों ने बताया कि हत्या के बाद उसके शव को शहर के कामाक्षीपाल्या इलाके में एक नाले में फेंक दिया गया। जब एक भोजन की आपूर्ति करने वाले व्यक्ति ने देखा कि कुत्ते एक मानव शरीर को खा रहे हैं तो उसने इसकी जानकारी पुलिस को दी।

मामले की जांच के दौरान दो आरोपियों ने कामाक्षीपाल्या पुलिस से संपर्क किया और यह स्वीकार किया कि वित्तीय विवाद के चलते उन्होंने रेणुकास्वामी को मार डाला। हालांकि, जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, पुलिस को दर्शन व पवित्रा की संलिप्तता का पता चला। इस बीच, गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा कि पुलिस को पूरी छूट दे दी गई है और मामले के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए दर्शन व उसके सहयोगियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्वाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पुलिस जांच करेगी और तय करेगी कि क्या दर्शन एक आदतन अपराधी है। उन्होंने कहा कि इसके अनुसार पुलिस कानूनी धाराएं लगाएगी और कार्रवाई करेगी। साल 2011 में पत्नी को पीटने और धमकाने के आरोप में पुलिस ने दर्शन को गिरफ्तार किया था। बाद में उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया था। इसके बाद पति-पत्नी के बीच झगड़ा खत्म हो गया था और पत्नी ने दर्शन के खिलाफ दर्ज मामला वापस ले लिया था।

कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स (केएफसीसी) के अध्यक्ष एन. एम. सुरेश ने कहा कि दर्शन के खिलाफ कार्वाई के बारे में निर्णय कलाकार संघ के साथ चर्चा के बाद लिया जाएगा। उन्होंने संकेत दिया कि पुलिस के मामले में आरोप-पत्र दाखिल करने के बाद ही कार्वाई की जाएगी। सुरेश कुछ कन्नड़ समर्थक संगठनों के सदस्यों को जवाब दे रहे थे, जिन्होंने उनसे मुलाकात कर केएफसीसी दर्शन के खिलाफ कड़ी कार्वाई की मांग की थी। दर्शन ने 2002 में फिल्म मैजेस्टिक में मुख्य अभिनेता के रूप में अपनी शुरुआत की। उन्होंने करिया, क्रांतिवीरा सांगोली रायन्ना , कलसीपल्या , गजा , नवग्रह , सारथी , बुलबुल , यजमाना , रॉबर्ट और काटेरा सहित कई व्यावसायिक रूप से सफल फिल्मों में अभिनय किया।

विधवाओं से जुड़े सरकारी आश्रय गृहों का केंद्रीकृत डेटाबेस बनाया जाएः एनएचआरसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने विधवाओं का कल्याण सुनिश्चित करने के लिए सरकारी अधिकारियों के वास्ते परामर्श जारी किया है और सभी सरकार-संचालित आश्रय गृहों का एक केंद्रीकृत डेटाबेस बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया है। जो विधवाएं पुनर्विवाह करने या जीवनसाथी तलाशने की इच्छा रखती हैं, उन्हें उचित एजेंसियों या गैर-सरकारी संगठनों से जोड़ा जाना चाहिए। यह परामर्श केंद्र और राज्य सरकारों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के अधिकारियों को जारी की गई है। उसे परामर्श जारी करने की जरूरत महसूस हुई, क्योंकि उसने देखा कि विधवाओं को जीवनसाथी खोने, सामाजिक बहिष्कार, आय की हानि और यहां तक कि निवास के नुकसान के कारण भावनात्मक संकट जैसी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और सभी संबंधित राज्य विभागों की वेबसाइटों पर विधवाओं के लिए सभी सरकारी संचालित गृहों का एक केंद्रीकृत डेटाबेस बनाने की सिफारिश की।

गैंगस्टर पुजारी ने अदालत परिसर में पाकिस्तान के समर्थन में नारे लगाए, हुई मारपीट

भाषा। बेलगावी (कर्नाटक)

जेल में बंद गैंगस्टर जएश पुजारी ने अदालत परिसर में कथित तौर पर पाकिस्तान के समर्थन में नारे लगाए। यह घटना तब हुई जब गैंगस्टर को उसके खिलाफ लंबित एक मामले की सुनवाई के सिलसिले में अदालत में पेश होने के लिए लाया गया था। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि नारे लगाने के बाद वहां एकत्र हुए लोगों और वकीलों ने कथित तौर पर उसके साथ धक्का मुक्की की। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, हमारे पास अभी इस बात का कोई निर्णायक जवाब नहीं है कि उसने यह नारे क्यों लगाए। हम इस मामले की जांच कर रहे हैं।

पुलिस ने बताया कि गैंगस्टर जएश पुजारी के खिलाफ 2018 में दर्ज एक मामले के संबंध में बुधवार को उसकी सुनवाई होनी थी और इसलिए उसे हिंडालगा स्थित केंद्रीय कारागार से अदालत लाया गया, जहां वह बंद है। पुलिस अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) आलोक कुमार को कथित तौर पर धमकी देने के बाद यह मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि गैंगस्टर पुजारी दोहरे हत्याकांड में भी दोषी है। उन्होंने कहा कि बुधवार को जब उसे पेशी के लिए अदालत में ले जाया जा रहा था, तभी उसने परिसर के अंदर पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए। वहां मौजूद पुलिस अधिकारियों ने उसे दबोचा और थाने ले आए।

यह पूछे जाने पर कि क्या पाकिस्तान समर्थक नारे लगाने पर उस पर हमला किया गया, अधिकारी ने कहा, हम जांच कर रहे हैं, हमें अभी पता लगाना है कि क्या हुआ था। फुटेज में दिखाया गया है कि उस पर कथित रूप से हमला किया गया था, लेकिन क्या वास्तव में उस पर हमला किया गया था या नहीं, इसकी हम अभी जांच कर रहे हैं। चोट का कोई निशान साफ साफ नहीं दिख रहा है। पुलिस अधिकारी ने आगे कहा, "आज की घटना के संबंध में गैंगस्टर पुजारी के खिलाफ बेलगावी शहर के बाजार पुलिस थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 295 ए (जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कृत्य, किसी भी वर्ग के धर्म या धार्मिक विश्वास का अपमान करके उसकी धार्मिक भावनाओं को आहत करने का इरादा) और धारा 505 (2) (वर्गों के बीच दुश्मनी, घृणा या दुर्भावना पैदा करने या बढ़ावा देने वाले बयान) के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है और बाद में उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया जाएगा। पुलिस ने बताया कि गैंगस्टर जएश पुजारी ने पिछले साल केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के कार्यालय में फिरौती की मांग करते हुए धमकी भरे फोन किए थे।

असम सरकार बाल विवाह पर काबू पाने के लिए लड़कियों को मासिक भत्ता देगी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को घोषणा की कि उनकी सरकार बाल विवाह पर काबू पाने के लिए अगले पांच वर्षों तक कक्षा 11 से स्नातकोत्तर तक की पढ़ाई करने वाली सभी लड़कियों को मासिक भत्ता देगी। शर्मा ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि कैबिनेट ने निजुत मोइना योजना को मंजूरी दी है और अनुमान है कि लगभग 10 लाख लड़कियों को प्रोत्साहन देने के लिए पांच साल में।,500 करोड़ रुपए की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा, विवाहित लड़की को इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा। वे विवाहित लड़कियां अपवाद होंगी जो पीजी पाठ्यक्रमों में पढाई कर रही हैं, उन्हें भी लाभ मिलेगा। शर्मा ने कहा कि इस योजना का एकमात्र उद्देश्य लड़की की शादी में जल्दबाजी को रोकना है ताकि वह आर्थिक रूप से स्वतंत्र हो सके और अपने तथा अपने परिवार के लिए कमाई शुरू कर सके। उन्होंने जोर दिया, इस योजना से लड़कियों के सकल दाखिला अनुपात में काफी वृद्धि होगी" शर्मा ने कहा कि कक्षा 11 और 12 में पढ़ने वाली सभी छात्राओं को हर महीने।,000 रुपए मिलेंगे जबकि डिग्री छात्राओं को।,250 रुपए और पोस्ट-ग्रेजुएशन की छात्राओं को 2,500 रुपए होंगे। उन्होंने कहा, मंत्रियों, विधायकों और सांसदों की बेटियों और निजी कॉलेजों में पढ़ने वाली छात्राओं को छोड़कर, सभी लड़कियों को इस योजना में शामिल किया जाएगा।

मानसून की प्रगति धीमी, उत्तर भारत में अगले कुछ दिनों तक जारी रहेगी गर्म हवाएं

भाषा। नई दिल्ली

सुस्त दक्षिण-पश्चिम मानसून बुधवार को महाराष्ट्र के बड़े हिस्से को अपने दायरे में ले लिया, जबकि भीषण गर्मी से जूझ रहे मध्य और उत्तर भारत को अब भी मानसून के पहुंचने का इंतजार है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि मानसून अगले तीन से चार दिनों के दौरान ओडिशा, तटीय आंध्र प्रदेश और उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी तक पहुंच सकता है। एक अधिकारी ने कहा, बंगाल की खाड़ी में मानसून कमजोर है और इसके वहां से आगे बढ़ने का इंतजार है।

बुधवार को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, झारखंड के अधिकांश भागों, उत्तरी राजस्थान के कई भागों, हिमाचल प्रदेश के कुछ भागों, दक्षिणी बिहार, उत्तरी ओडिशा तथा पश्चिम बंगाल में गंगा के तटवर्ती क्षेत्रों में भीषण गर्मी का प्रकोप रहा। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, झारखंड और पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदानी इलाकों में भी भीषण गर्मी की स्थिति देखी गई। पश्चिमी झारखंड, दक्षिणी उत्तर प्रदेश, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, पंजाब, उत्तरी राजस्थान के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान 45-47 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। उत्तर प्रदेश के कानपुर में सबसे अधिक 47.5 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि उत्तर-पश्चिम से आने वाली गर्म हवाएं बंगाल की खाड़ी के ऊपर कमजोर मानसून पर हावी हो रही हैं और मध्य तथा उत्तरी भारत के कुछ हिस्सों में गर्म मौसम की स्थिति को बढ़ा रही हैं। पूर्व पृथ्वी विज्ञान सचिव माधवन राजीवन ने कहा कि सामान्य प्रगति के बाद मानसून का क्रम भंग हो रहा है।

राजीवन ने एक्स पर कहा, अगले 8-10 दिनों में बहुत ज्यादा प्रगति की उम्मीद नहीं है, इसलिए उत्तर भारत में इसकी शुरुआत में देरी हो सकती है। इससे दिल्ली, उत्तर प्रदेश और बिहार समेत उत्तर भारत में अत्यधिक तापमान और लू चलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, मानसून के बिहार और झारखंड में 16-18 जून तक, उत्तर प्रदेश में 20-30 जून तक और दिल्ली में 27 जून के आसपास पहुंचने की उम्मीद है, जो राष्ट्रीय राजधानी के लिए सामान्य शुरुआत की तारीख है।

पेज 1 का शेष

जम्मू में...

तीर्थयात्रियों की बस पर आतंकी हमले का असर आने वाले सीज़न में क्षेत्र में पर्यटकों के आगमन पर भी पड़ना तय है। हालाँकि माँ वैष्णो देवी तीर्थ की यात्रा सुचारू रूप से चल रही है, लेकिन यात्रा अवधि के दौरान आने वाले हफ्तों में तीर्थयात्रियों पर किसी भी अन्य हमले को रोकने के लिए सुरक्षा बलों को अपनी कमर कसनी पड़ सकती है। रिपोर्ट लिखे जाने तक हीरानगर में ऑपरेशन अभी भी जारी था क्योंकि सुरक्षा बलों को इलाके में और आतंकियों की मौजूदगी का संदेह था। निवासियों को किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए घर के अंदर रहने और विशेष रूप से रात के दौरान अत्यधिक सावधानी बरतने की सलाह दी गई। आतंकी हिंसा की लगातार तीन घटनाओं के बाद पूरे जम्मू क्षेत्र में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। खुफिया एजेंसियों ने अगले 48 घंटों में सीमावर्ती जिले राजौरी और जम्मू के कुछ हिस्सों में महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रतिष्ठानों पर आत्मघाती हमलों की आशंका जताते हुए चेतावनी भी जारी की है। हीरानगर में सुरक्षा बलों ने मारे गए आतंकी के पास से अमेरिका निर्मित एम4 कार्बाइन भी बरामद की। बरामदगी से पता चलता है कि आतंकवादियों के पाकिस्तानी आतंकवादी समूह जैश ए मोहम्मद से होने की सबसे अधिक संभावना है।

विवाद बढ़ा...

पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। मेहता ने अदालत को बताया कि एनईईटी यूजी परीक्षा से संबंधित याचिकाएं देश के कई उच्च न्यायालयों के समक्ष दायर की गई हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए कि उच्च न्यायालयों द्वारा कोई विरोधाभासी विचार नहीं हैं, एनटीए ऐसे सभी मामलों की सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध करेगा।

इटली में...

13 से 15 जून तक इटली के अपुलीया क्षेत्र में बोर्गो इग्नाज़िया के लक्जरी रिसॉर्ट में आयोजित होने वाले जी7 शिखर सम्मेलन में यूक्रेन में भीषण युद्ध और गाजा में संघर्ष का मुद्दा छाए रहने की संभावना है। शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले शीर्ष नेताओं में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन, उनके फ्रांसीसी समकक्ष इमैनुएल मैक्रॉ, जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा और कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो शामिल हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की का भी अपने देश पर रूसी आक्रमण पर एक सत्र का कार्यक्रम है।

टैंकर माफिया...

हलफनामे से पता चलता है कि ये मामले वर्ष 2018, 2019 और 2021 में भी सामने आए हैं। हर बार यह अदालत कहती है कि हम ऐसा नहीं कर सकते, यह काम यमुना जल बोर्ड (ऊपरी यमुना नदी बोर्ड-यूवाईआरबी) द्वारा किया जाना चाहिए। पीठ ने कहा, यदि यह समस्या बार-बार आती है तो आपने दोनों बैराज से आने वाले पानी की बर्बादी को रोकने के लिए क्या उपाय किए हैं। हमें बताएं कि आपने टैंकर माफियाओं के खिलाफ क्या कार्रवाई की है या प्राथमिकी दर्ज की है। दिल्ली सरकार की ओर से पेश हुए वकील शादान फरासत ने अदालत की चिंता को दूर करने का प्रयास करते हुए कहा कि पानी की बर्बादी रोकने के लिए कार्रवाई की गई है, जिसमें उन स्थानों पर आपूर्ति बंद करना भी शामिल है जहां इसकी तत्काल आवश्यकता नहीं है।

सरकारी....

करा सकते हैं। इसके बाद कार्ड जनरेशन पोर्टल से आसानी से कार्ड डाउनलोड किया जा सकेगा।कैशलेस उपचार के तहत न सिर्फ गंभीर बीमारियों का इलाज किया जाएगा बल्कि सभी प्रकार के इनडोर उपचारों व डे केयर प्रक्रियाओं को कवर किया जाएगा। गंभीर बीमारियों में हृदय संबंधी आपात स्थिति, मस्तिष्क रक्तस्राव, कोमा, बिजली का झटका,तीसरी और चौथी स्टेज का कैंसर और दुर्घटनाओं को कवर किया जाएगा। सरकार के पैनल में शामिल सभी अस्पतालों में मरीजों का इलाज पूरी तरह निशुल्क होगा। कार्ड बनाने और डाउनलोड करने के लिए जरूरी है कि संबंधित कर्मचारी और उसके परिजनों का आधार कार्ड और परिवार पहचान पत्र सहित अन्य डेटा मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (एचआरएमएस) पर अपडेट हो। कैशलेस उपचार के लिए कर्मचारियों को अस्पतालों में उनके वेतनमान के अनुसार कमरा मिलेगा। 50 हजार, 500 रुपये तक बेसिक वेतनमान वाले कर्मचारियों को जनरल वार्ड रूम और 50 हजार, 501 रुपये से लेकर 64 हजार, 100 रुपये के बेसिक वेतनमान वाले कर्मचारियों को सेमी प्राइवेट रूम की सुविधा मिलेगी। इसी तरह 64 हजार, 101 रुपये से अधिक बेसिक वेतनमान पर सिंगल प्राइवेट रूम मिलेगा।

कुवैत में ...

कुवैत में भारतीय राजदूत आदर्श स्वैका ने कई अस्पतालों का दौरा किया जहां घायलों को भर्ती कराया गया है। भारतीय दूतावास ने एक्स पर कहा, राजदूत आदर्श स्वैका ने अल-अदन अस्पताल का दौरा किया जहां आज की आग की घटना में घायल हुए 30 से अधिक भारतीय मजदूरों को भर्ती कराया गया है। उन्होंने कई मरीजों से मुलाकात की और उन्हें दूतावास से पूरी सहायता का आश्वासन दिया। कुवैत के गृह मंत्री शेख फहद अल-यूसुफ अल सबाह ने आग की घटना की जांच के आदेश दिए और अल-मंगफ इमारत के मालिक तथा चौकीदार को पकड़ने के निर्देश जारी किए।

राहुल ने...

समर्थन देना चाहिए। अपने भाषण के दौरान गांधी ने कहा कि कई लोग अटकलें लगा रहे हैं कि वह रायबरेली या वायनाड में से कौन सी लोकसभा सीट छोड़ेंगे। उन्होंने कहा, इसका जवाब मेरे अलावा हर कोई जानता है। इससे पहले दिन में एडवन्ना में गांधी ने कहा कि वह कोई एक सीट छोड़ने को लेकर दुविधा में हैं।

पशु कानूनों...

मसौदा विधेयक वर्तमान पशु कानून में संशोधन पेश करता है जिसमें पशु क्रूरता, नए संज्ञेय अपराधों के लिए कड़े दंड शामिल हैं, और प्रत्येक जानवर के लिए पांच मौलिक स्वतंत्रताएं स्थापित की गई हैं – भूख और प्यास से मुक्ति; असुविधा से मुक्ति; दर्द, चोट और बीमारी से मुक्ति; और सामान्य और प्राकृतिक व्यवहार को व्यक्त करने की स्वतंत्रता। कार्यकर्ताओं ने इस बात पर अफसोस जताया कि भारत में दुनिया के कुछ सबसे मजबूत पशु कानून होने के बावजूद, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 इसके लागू होने के बाद से अपरिवर्तित बना हुआ है, जिससे जानवरों के खिलाफ गंभीर अपराध करने के बाद पशु अपराधियों को छूटने की गुंजाइश मिलती है। पिछले साल, अन्य कार्यकर्ताओं के अलावा मर्सी फॉर एनिमल्स इंडिया फाउंडेशन ने भी प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर भारतीय पशु कल्याण बोर्ड और 140 से अधिक सांसदों की सिफारिशों के बावजूद विधेयक की लंबित स्थिति पर प्रकाश डाला था। मर्सी फॉर एनिमल्स इंडिया फाउंडेशन के सीईओ निकुंज शर्मा ने कहा, मजबूत कानून के अभाव में पशु क्रूरता की घटनाएं बढ़ रही हैं क्योंकि अपराधियों को मौजूदा कानून के तहत कमजोर दंड के बारे में पता है।

डब्लूएचओ...

अन्य व्यक्ति ने श्वसन संबंधी बीमारी के किसी भी लक्षण की सूचना नहीं दी। हालाँकि वायरस आम तौर पर मनुष्यों में हल्की बीमारी का कारण बनता है, वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसी ने चेतावनी दी है कि छिटपुट मानव मामले सामने आते रह सकते हैं। एच 9 एन 2 दुनिया के कई हिस्सों में पोल्ट्री में कम-रोगजनक वायरस के रूप में फैलता है। हालाँकि अब तक संक्रमण के कारण दुनिया भर में दो मौतें हुई हैं, लेकिन W H O ने कहा कि समग्र जोखिम कम है, क्योंकि H9 N2 ने लोगों के बीच आसानी से फैलने की क्षमता नहीं दिखाई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पड़ोसी देश चीन की मुख्य भूमि पर इस साल इस वायरस से जुड़े पांच संक्रमणों की सूचना मिली है। अपने जोखिम मूल्यांकन में डब्ल्यूएचओ ने कहा वायरस से संक्रमण के अधिकांश मानव मामले संक्रमित पोल्ट्री या दूषित वातावरण के संपर्क के माध्यम से सामने आते हैं... पोल्ट्री आबादी में वायरस की निरंतर पहचान को देखते हुए, छिटपुट मानव मामलों की उम्मीद की जा सकती है। एच 9एन 2 से मानव संक्रमण हल्का होता है, लेकिन ऐसे कुछ मामले सामने आए हैं जहां अस्पताल में भर्ती करने की आवश्यकता पड़ी, जैसे कि पश्चिम बंगाल में। चूंकि बर्ड फ्लू के अधिकांश मामले मुर्गीपालन करने वाले लोगों द्वारा रिपोर्ट किए जाते हैं, इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि जानवरों और मुर्गीपालन को सावधानी से संभाला जाए। लोगों को जानवरों और मुर्गों तथा उनके मल से दूषित क्षेत्रों के साथ संपर्क कम से कम करने की आवश्यकता है। मृत जानवरों के संपर्क से बचना चाहिए। डब्ल्यूएचओ ने कहा, हर किसी को जितनी बार संभव हो अपने हाथ साबुन और पानी से अच्छी तरह धोने चाहिए, खासकर जानवरों को छूने से पहले और बाद में।

नई लोकसभा का पहला सत्र 24 जून से

जुलाई के आखिर में पेश हो सकता है बजट

भाषा। नई दिल्ली

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बुधवार को कहा कि 18वीं लोकसभा का पहला सत्र 24 जून से शुरू होगा जिसमें नवनिर्वाचित संसद सदस्य शपथ ग्रहण करेंगे और निचले सदन के नए अध्यक्ष का चुनाव किया जाएगा।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 27 जून को लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी जिसमें नई सरकार की अगले पांच साल की रूपरेखा पेश की जा सकती है। सत्र तीन जुलाई को संपन्न होगा। सत्र के पहले तीन दिन में नवनिर्वाचित सदस्य शपथ लेंगे तथा लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव किया जाएगा। संसद के दोनों सदनों की अगली बैठक जुलाई के तीसरे सप्ताह में बुलाई जा सकती है जिसमें केंद्रीय बजट पेश किया जाएगा। इसी के साथ निर्मला सीतारमण लगातार सात केंद्रीय बजट पेश करने वाली पहली वित्त मंत्री बन जाएंगी। आगामी बजट के साथ वह मोरारजी देसाई के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ देंगी। देसाई ने लगातार छह बजट पेश किए थे। रीजीजू ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 18वीं लोकसभा का पहला सत्र 24 जून 2024 से तीन जुलाई 2024 तक नवनिर्वाचित सदस्यों के शपथ, अध्यक्ष के चुनाव, राष्ट्रपति के अभिभाषण और उस पर चर्चा के लिए आहूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्यसभा का 264वां सत्र 27 जून को शुरू होगा और तीन जुलाई को संपन्न होगा।समझा जाता है कि प्रधानमंत्री मोदी 27 जून को राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद संसद में अपनी मंत्रिपरिषद के सदस्यों का परिचय देंगे।राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान विपक्ष द्वारा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरने की कोशिश की जा सकती है। प्रधानमंत्री संसद के दोनों सदनों में, राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देंगे। संसदीय कार्य मंत्री रीजीजू ने बुधवार को सभी राजनीतिक दलों से संसद के आगामी सत्र में रचनात्मक बहस की अपील की और कहा कि देश सदन में अच्छी चर्चा देखना चाहता है। रीजीजू ने मंगलवार को संसदीय कार्यमंत्री के रूप में नया दायित्व संभालने के एक दिन बाद कहा कि सरकार आम सहमति से संसद चलाना चाहती है क्योंकि लोगों ने जनादेश दिया है और देश की सेवा के लिए हर किसी को टीम इंडिया की भावना के अनुरूप काम करना चाहिए।उन्होंने कहा, हमें संसद में गुणवत्तापूर्ण बहस करनी चाहिए। देश संसद में सार्थक बहस देखना चाहता है। मैं सदन को सुचारू रूप से चलाने के लिए सभी राजनीतिक दलों से सहयोग की अपील करता हूं। रीजीजू ने कहा कि सरकार सदन को चलाने में सभी राजनीतिक दलों की भागीदारी और सहयोग चाहती है।

शिवराज ने कृषि क्षेत्र में नई जान फूंकने को 100 दिन की कार्ययोजना बनाई

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ 100 दिवसीय कार्ययोजना पर चर्चा की। इसका उद्देश्य कृषि क्षेत्र को मजबूत करना और किसानों के संकट को कम करना है। बैठक में कृषि राज्यमंत्री रामनाथ ठाकुर और भागीरथ चौधरी, कृषि सचिव मनोज आहूजा और अन्य शीर्ष अधिकारी शामिल हुए। बैठक में चौहान ने देशभर में कृषि उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए किसानों तक गुणवत्तापूर्ण आदानों की आपूर्ति सुनिश्चित करने की जरूरत पर बल दिया। एक सरकारी बयान में कहा गया है कि कार्ययोजना का उद्देश्य न केवल कृषि उत्पादों में आत्मनिर्भरता हासिल करना है, बल्कि इस क्षेत्र से निर्यात की गुणवत्ता को भी बढ़ाना है।मंत्री ने फसल की पैदावार बढ़ाने और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार करने के लिए किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज, उर्वरक और अन्य आवश्यक आदानों (इनपुट) तक पहुंच प्रदान करने के महत्व को रेखांकित किया।कृषि क्षेत्र अनियमित मानसून, कीटों के हमलों और बाजार कीमतों में उतार-चढ़ाव के प्रभाव से जूझ रहा है, ऐसे में केंद्र की 100-दिन की कार्ययोजना को कृषक समुदाय के भविष्य को पुनर्जीवित करने के लिए एक बहुत जरूरी उपाय के रूप में देखा जा रहा है। आने वाले दिनों में कार्ययोजना को विभिन्न राज्यों और फसल चक्रों में कार्यान्वयन के लिए विशिष्ट लक्ष्यों और समयसीमा के साथ लागू किए जाने की उम्मीद है।

सड़क के किनारे सो रहे लोगों पर पलटा ट्रक, आठ की मौत

भाषा। हरदोई

हरदोई जिले में गंगा नदी से बालू भरकर ला रहा एक ट्रक बुधवार की सुबह अनियंत्रित होकर, सड़क के किनारे बनी झोपड़ी के बाहर सो रहे लोगों पर पलट गया, जिससे एक ही परिवार के चार बच्चों समेत आठ लोगों की दबकर मौत हो गई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक केशव चंद्र गोस्वामी ने बताया कि मल्लावा थाना क्षेत्र के अंतर्गत कानपुर-उन्नाव मार्ग पर बालू से भरा एक ट्रक अनियंत्रित हो गया और सड़क के किनारे झोपड़ी के बाहर सो रहे एक ही परिवार के लोगों पर पलट गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि रात में वह लोग सो रहे थे, तभी अचानक चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। एक प्रत्यक्षदर्शी ने कहा हम लोग दौड़कर अवधेश के घर पहुंचे और देखा कि पूरा परिवार ट्रक के नीचे दबा था। एक बच्ची घायल पड़ी थी।

स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जेसीबी बुलवाई। इसके बाद ट्रक को सीधा किया गया और बालू को हटवाया गया। पुलिस ने बताया कि ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है तथा चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। अधिकारी ने बताया कि हादसे में एक ही परिवार के चार बच्चे और दो महिलाओं समेत आठ लोगों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई।उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने जेसीबी की मदद से ट्रक और बालू को हटाया और उसके नीचे दबे शवों को बाहर निकाला। गोस्वामी ने बताया कि हादसे में अवधेश (40), सुधा (35), लाला (पांच), सुनैना (11), बुद्धू (चार), हीरो (25), करण (30) तथा बिहारी (दो) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि चार साल की एक बच्ची घायल हो गई, जिसका उपचार अस्पताल में किया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक और जिलाधिकारी मौके पर पहुंचे और तत्परता से राहत कार्य शुरू कराया।जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह और पुलिस अधीक्षक केशव चंद गोस्वामी ने घटनास्थल का जायजा लिया और मृतकों के परिजनों को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया है।

जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने बताया कि मल्लावां कस्बे में देर रात बालू से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर झोपड़ी पर पलट गया जिसकी चपेट में आने से आठ लोगों की मौत हो गई जबकि एक बच्ची घायल हो गई है। ट्रक के चालक और सहायक को हिरासत में लिया गया।

जोशीमठ का नया नाम ज्योतिर्मठ, कोश्याकुटोली बनी श्री कैंचीधाम तहसील

देहरादून। उत्तराखंड के चमोली जिले की जोशीमठ तहसील को अब उसके प्राचीन नाम ज्योतिर्मठ के रूप में जाना जाएगा जबकि नैनीताल जिले की कोश्याकुटोली तहसील का नया नाम अब श्री कैंचीधाम हो गया है। अधिकारियों ने बुधवार को यहां बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा की गई घोषणाओं के अनुरूप इस संबंध में प्रस्ताव बनाकर केंद्र सरकार को भेजे गए थे, जिन्हें अब उसकी मंजूरी मिल गई है। जोशीमठ की स्थानीय जनता लंबे समय से जोशीमठ को ज्योतिर्मठ नाम दिए जाने की मांग कर रही थी और मुख्यमंत्री के सामने भी यह मांग प्रमुखता से उठाई गई थी जिसके मद्देनजर पिछले साल उन्होंने चमोली जिले में एक कार्यक्रम के दौरान नाम परिवर्तन की घोषणा की थी। मान्यता है कि आठवीं सदी में आदि गुरु शंकराचार्य इस क्षेत्र में आए थे और कल्पवृक्ष के नीचे तपस्या की थी जिससे उन्हें दिव्य ज्ञान की ज्योति की प्राप्ति हुई थी। दिव्य ज्ञान ज्योति और ज्योतेश्वर महादेव की वजह से इस स्थान को ज्योतिर्मठ कहा गया लेकिन बाद में यह जोशीमठ के नाम से प्रचलित हो गया। जोशीमठ को बदरीनाथ धाम का प्रवेशद्वार माना जाता है। नैनीताल जिले की कोश्याकुटोली तहसील को बाबा नीब करौरी महाराज के आश्रम श्री कैंची धाम का नया नाम देने के प्रस्ताव को भी केंद्र से मंजूरी मिल गई है। धामी ने बीते वर्ष कैंची धाम मंदिर के स्थापना दिवस पर 15 जून को आयोजित एक समारोह के मौके पर कोश्याकुटोली तहसील का नाम बदलकर श्री कैंची धाम करने की घोषणा की थी। प्रतिदिन भारी संख्या में बाबा के भक्त धाम में दर्शन को पहुंचते हैं। कैंची धाम में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए उत्तराखंड सरकार वहां सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य कर रही है। कैंची धाम को मानसखंड मंदिरमाला मिशन में भी शामिल किया गया है।

जमा पर ब्याज दरें चरम पर, मध्यम अवधि में नीचे आने की उम्मीद : एसबीआई चेयरमैन

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन दिनेश कुमार खारा ने कहा है कि जमा पर ब्याज दरें अपने चरम पर हैं और मध्यम अवधि में इनके नीचे आने की उम्मीद है। देश के सार्वजनिक क्षेत्र के प्रमुख बैंक ने यह भी कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही से ब्याज दर चक्र को आसान बनाना शुरू कर सकता है। पिछले सप्ताह भारतीय रिजर्व बैंक ने मजबूत आर्थिक वृद्धि के बीच मुद्रास्फीति पर ध्यान केंद्रित करते हुए लगातार आठवीं बार अपनी प्रमुख नीतिगत दर रेपो को यथावत रखा था। खारा ने कहा, हमें उम्मीद है कि अक्टूबर से शुरू होने वाली तीसरी तिमाही में शायद मुद्रास्फीति के चार प्रतिशत की ओर बढ़ने की कुछ संभावना होगी, और वह सही समय होगा जब हम रिजर्व बैंक से नीतिगत दर में कुछ कटौती की उम्मीद कर सकते हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने लाल किला हमले में दोषी पाक आतंकी की दया याचिका खारिज की

भाषा। नई दिल्ली

करीब 24 साल पुराने लाल किला हमला मामले में दोषी ठहराए गए पाकिस्तानी आतंकवादी मोहम्मद आरिफ उर्फ अशफाक की दया याचिका राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने खारिज कर दी है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रपति द्वारा 25 जुलाई 2022 को पदभार ग्रहण करने के बाद खारिज की गई यह दूसरी दया याचिका है। उच्चतम न्यायालय ने तीन नवंबर, 2022 को आरिफ की पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी थी और मामले में उसे दी गई मौत की सजा को बरकरार रखा था।विशेषज्ञों का हालांकि मानना है कि मौत की सजा पाया दोषी अब भी संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत लंबे समय तक हुई देरी के आधार पर अपनी सजा में कमी के लिए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटा सकता है।अधिकारियों ने राष्ट्रपति सचिवालय के 29 मई के आदेश का हवाला देते हुए बताया कि 15 मई को आरिफ की दया याचिका प्राप्त हुई थी, जिसे 27 मई को खारिज कर दिया गया।उच्चतम न्यायालय ने मौत की सजा बरकरार रखते हुए कहा कि आरिफ के पक्ष में कोई भी ऐसा साक्ष्य नहीं था जिससे उसके अपराध की गंभीरता कम होती हो। शीर्ष अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि लाल किले पर हमला देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता के लिए सीधा खतरा था। इस हमले में घुसपैठियों ने 22 दिसंबर 2000 को लाल किला परिसर में तैनात 7 राजपूताना राइफल्स की इकाई पर गोलीबारी की थी, जिसके परिणामस्वरूप तीन सैन्यकर्मी मारे गए थे। पाकिस्तानी नागरिक और प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के सदस्य आरिफ को हमले के चार दिन बाद दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था।शीर्ष अदालत के 2022 के आदेश में कहा गया था, अपीलकर्ता-आरोपी मोहम्मद आरिफ उर्फ अशफाक एक पाकिस्तानी नागरिक था और उसने अवैध रूप से भारतीय क्षेत्र में प्रवेश किया था। आरिफ को अन्य आतंकवादियों के साथ मिलकर हमले की साजिश रचने का दोषी पाया गया और अधीनस्थ अदालत ने अक्टूबर 2005 में उसे मौत की सजा सुनाई। दिल्ली उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय ने बाद की अपीलों में इस फैसले को बरकरार रखा।

हिमाचल प्रदेश में छह नवनिर्वाचित विधायकों ने शपथ ली

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के लिए नवनिर्वाचित छह विधायकों ने बुधवार को सदन की सदस्यता की शपथ ली। पूर्व मंत्री और धर्मशाला से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक सुधीर शर्मा ने सबसे पहले शपथ ली। उनके बाद लाहौल और स्पीति से कांग्रेस विधायक अनुराधा राणा ने शपथ ली। शपथ लेने वाले अन्य नेताओं में सुजानपुर से कांग्रेस विधायक कैप्टन रणजीत सिंह, बड़सर से भाजपा विधायक इंद्र दत्त लखनपाल, गगरेट से कांग्रेस विधायक राकेश कालिया और कुटलैहड़ से कांग्रेस विधायक विवेक शर्मा शामिल हैं। नए विधायकों को बधाई देते हुए विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने उम्मीद जताई कि वे विधानसभा में राज्य और जन कल्याण से जुड़े मुद्दे उठाएंगे। एक जून को हुए उपचुनाव में कांग्रेस ने छह विधानसभा सीटों में से चार पर जीत हासिल की।

आरएसएस अप्रांसगिक हो गया, अब भागवत के बोलने का क्या फायदा: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत की हालिया टिप्पणी को लेकर बुधवार को उन पर निशाना साधा और दावा किया कि जब आरएसएस अप्रासंगिक हो गया तो भागवत के बोलने का क्या फायदा है। पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यह भी कहा कि बीते 10 वर्षों में भागवत ने कई अहम मुद्दों पर चुप्पी साधे रखी थी, लेकिन अब बोल रहे हैं। नागपुर में गत 10 जून को डॉ. हेडगेवार स्मृति भवन परिसर में संगठन के कार्यकर्ता विकास वर्ग-द्वितीय के समापन कार्यक्रम में आरएसएस प्रशिक्षुओं की एक सभा को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा था कि सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आम सहमति की आवश्यकता है ताकि आम जनता के लिए काम किया जा सके। भागवत ने यह भी कहा था कि चुनाव बहुमत हासिल करने के लिए होते हैं और यह एक प्रतिस्पर्धा है, युद्ध नहीं। खेड़ा ने एक बयान में कहा, मोहन भागवत जी, जो बीज आपने बोया था, अब वह लहलहाता हुआ बबूल का वृक्ष, वृक्षासन लगा रहा है। दोष माटी का नहीं है, दोष माली का है। और वो माली आप हैं। उनका कहना था, जब किसान राजधानी के बाहर मौसम और पुलिस की मार खा रहे थे, आप चुप थे। जब हाथरस में एक दलित बच्ची का बलात्कार और हत्या कर दी गई, आप चुप थे। जब बिल्कीस बानो के बलात्कारियों की रिहाई हुई और आपके वैचारिक बंधुओं ने उनका स्वागत किया, आप चुप थे। जब दलितों के मुंह में पेशाब किया जा रहा था, आप चुप थे। जब पहलू ख़ान व अख़लाक़ को मारा गया, आप चुप थे और जब कन्हैया लाल के हत्यारों का भाजपा से संबंध उजागर हुआ, आप चुप थे। खेड़ा ने कहा, आपकी (भागवत) चुप्पी ने और नरेन्द्र मोदी ने आपको और संघ को अप्रासंगिक बना दिया है। अब बोल कर क्या फ़ायदा? कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, भागवत जी, याद है वह संत कबीर का दोहा: करता रहा सो क्यों किया, अब करी क्यों पछताए। बोए पेड़ बबूल का, अमुआ कहां से पाए। पर कहते हैं न कि अब पछताए होत क्या जब चिड़ियां चुग गई खेत।

आईपीएल का मूल्यांकन 2024 में 6.5 प्रतिशत बढ़कर 16.4 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग का मूल्यांकन वर्ष 2024 में 6.5 प्रतिशत बढ़कर 16.4 अरब डॉलर (करीब 1,34,858 करोड़ रुपए) हो गया। अमेरिकी निवेश बैंक होलिहन लोके की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। इसके अलावा, नकदी समृद्ध टी20 लीग का ब्रांड मूल्य भी साल-दर-साल 6.3 प्रतिशत बढ़कर 3.4 अरब डॉलर (करीब 28,000 करोड़ रुपए) हो गया है।आईपीएल के मूल्य में वृद्धि को नमक से लेकर सॉफ्टवेयर बनाने वाली कंपनी टाटा समूह द्वारा अगले पांच वर्षों (वर्ष 2024 से वर्ष 2028) के लिए लगभग 30 करोड़ डॉलर (2,500 करोड़ रुपए) के लिए टाइटल प्रायोजन से मदद मिली है, जो प्रति सीजन 335 करोड़ रुपए के पिछले सौदे से लगभग 50 प्रतिशत अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया है, पिछले कुछ वर्षों में फ्रेंचाइजी राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो मुख्य रूप से टेलीविजन अधिकारों से प्राप्त राजस्व के कारण है, जबकि प्रत्एक टीम का प्रायोजन राजस्व 50-120 लाख डॉलर के बीच है। कतर एयरवेज ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के साथ तीन साल के अनुबंध के लिए लगभग 90 लाख डॉलर (75 करोड़ रुपए) के लिए एक प्रमुख समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) 22.7 करोड़ डॉलर के ब्रांड और व्यवसाय मूल्य के मामले में दूसरे स्थान पर है। इसके बाद मुंबई इंडियंस (एमआई) का स्थान है, जिसका ब्रांड मूल्य 20.4 करोड़ डॉलर है। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) 13.3 करोड़ डॉलर के ब्रांड मूल्य के साथ पांचवें स्थान पर है। वहीं, सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) 13.2 करोड़ डॉलर की ब्रांड वैल्यू के साथ सूची में छठे स्थान पर है। बाकी टीमों में, दिल्ली कैपिटल्स, अपने कप्तान और सबसे अधिक बिकने वाले खिलाड़ी ऋषभ पंत की वापसी के साथ, 13.1 करोड़ डॉलर की ब्रांड वैल्यू के साथ सातवें स्थान पर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गुजरात टाइटंस 12.4 करोड़ डॉलर की ब्रांड मूल्य के साथ आठवें स्थान पर है और पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) का ब्रांड मूल्य 10.1 करोड़ डॉलर और लखनऊसुपर जायंट्स का 9.1 करोड़ डॉलर है।

चुनावी प्रदर्शन से खुश नहीं, आत्ममंथन किया जाएगा: एचुरी

भाषा। नई दिल्ली

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेता सीताराम एचुरी ने कहा है कि सीट संख्या में थोड़ी वृद्धि के बावजूद पार्टी लोकसभा चुनाव में अपने प्रदर्शन से खुश नहीं है और वह इस बारे में गंभीर आत्ममंथन करेगी कि जमीन पर संघर्ष शुरू करने की इसकी क्षमता एवं सीट जीतने के लिए इसकी ताकत के बीच अंतर को कैसे कम किया जाए। माकपा महासचिव ने पीटीआई-भाषा के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि पार्टी में कुछ निराशा है क्योंकि वामपंथी संगठनों द्वारा कई जनसंघर्षों का नेतृत्व किए जाने बावजूद इसका प्रभाव उसके चुनावी प्रदर्शन में दिखाई नहीं दिया।

वर्तमान में वाम दलों द्वारा शासित एकमात्र राज्य केरल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवेश के बारे में पूछे जाने पर एचुरी ने कहा कि वाम दलों का वोट प्रतिशत बरकरार है, लेकिन कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के कुछ वोट भाजपा की ओर स्थानांतरित हो गए हैं। हाल में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में वामपंथी दलों ने लोकसभा में अपनी सीट संख्या बढ़ाकर आठ कर ली, जो 17वीं लोकसभा में पांच थी। माकपा ने चार सीट पर जीत दर्ज की, जबकि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन ने दो-दो सीट जीतीं। एचुरी ने कहा, वाम दलों ने लोकसभा में अपनी उपस्थिति में थोड़ी वृद्धि की है, लेकिन हम खुश नहीं हैं। वास्तव में, हम थोड़ा निराश हैं क्योंकि वाम नेताओं के नेतृत्व में किए गए सभी संघर्षों के बावजूद हम इसे चुनावी प्रदर्शन के रूप में नहीं भुना सके। उन्होंने कहा, "एक गंभीर आत्ममंथन की आवश्यकता है। हम ऐसा करेंगे और आवश्यक सुधार करेंगे ताकि आने वाले दिनों में जनसंघर्ष को शुरू करने और बनाए रखने की वामपंथियों की क्षमता और दृढ़ संकल्प तथा उनके चुनावी प्रदर्शन के बीच अंतर को कम किया जा सके। एचुरी ने कहा कि पार्टी के पोलित ब्यूरो ने फैसला किया है कि लोगों की आजीविका के मुद्दों पर संघर्ष तेज किया जाएगा जिनमें किसानों का संघर्ष, रोजगार के लिए युवाओं का संघर्ष, शिक्षा प्रणाली से जुड़े मुद्दे और नीट परीक्षा संबंधी चिंताओं जैसे विषय शामिल हैं।उन्होंने कहा, ये वे संघर्ष हैं जो संसद के अंदर और बाहर दोनों जगह होंगे। केरल में त्रिशूर सीट पर भाजपा के सुरेश गोपी की जीत के बारे में पूछे जाने पर एचुरी ने कहा कि भाजपा ने यूडीएफ के मतों में सेंध लगाई। उन्होंने कहा, यह बहुत चिंताजनक है। यदि कांग्रेस का आधार भाजपा की ओर बढ़ रहा है, तो यह न केवल केरल के लिए बल्कि देश में अन्य जगहों के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है"।

आईआईएससी के शोधकर्ताओं ने भूजल से भारी धातु प्रदूषकों को हटाने की प्रक्रिया विकसित की

भाषा। बेंगलुरु,

भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) के सतत प्रौद्योगिकी केंद्र (सीएसटी) के शोधकर्ताओं ने भूजल से आर्सेनिक जैसे भारी धातु संदूषकों को हटाने के लिए एक नवीन उपचार प्रक्रिया विकसित की है। बेंगलुरू स्थित आईआईएससी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि पेटेंट के लिए लंबित तीन चरण की यह प्रक्रिया सुनिश्चित करती है कि हटाए गए भारी धातुओं का निपटान पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊतरीके से किया जाए, न कि अनुपचारित भारी धातु-समृद्ध अपशिष्ट को लैंडफिल में भेजा जाए। यहां से इनके पुन: भूजल में प्रवेश करने की संभावना रहती है। सीएसटी में सहायक प्रोफेसर यज्ञसेनी रॉय की प्रयोगशाला में यह विधि विकसित की गई है। उन्होंने कहा, मौजूदा हर तकनीक में आप आर्सेनिक को निकाल कर स्वच्छ जल उपलब्ध करा सकते हैं। हालांकि मौजूदा तकनीक में आर्सेनिक को निकालने के बाद पर्यावरण में इसके दोबारा प्रवेश करने के पहलू पर उचित ध्यान नहीं दिया जाता है। हमारी नवीन उपचार प्रक्रिया इस समस्या को हल करने के लिए तैयार की गई है। विज्ञप्ति के अनुसार, रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के 21 राज्यों के 113 जिलों में आर्सेनिक का स्तर 0.01 मिलीग्राम प्रति लीटर से अधिक है, जबकि 23 राज्यों के 223 जिलों में फ्लोराइड का स्तर 1.5 मिलीग्राम प्रति लीटर से अधिक है, जो भारतीय मानक ब्यूरो और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा निर्धारित अनुमेय सीमा से ऊपर है। ए संदूषक मानव स्वास्थ्य और पशु स्वास्थ्य को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकते हैं, इसलिए इनका कुशल निष्कासन और सुरक्षित निपटान आवश्यक है। आईआईएससी टीम द्वारा विकसित प्रक्रिया के पहले चरण में संदूषित जल को चिटोसन से बने जैवअपघटीय अधिशोषक से गुजारा जाता है। चिटोसन क्रस्टेशियन समुदाय के प्राणियों में पाया जाने वाला एक रेशेदार पदार्थ है, जिसे द्विधात्विक (बाइमेटेलिक) हाइड्रॉक्साइडाऑक्सीहाइड्रॉक्साइड के साथ मिलाया जाता है। यह विषैले अकार्बनिक आर्सेनिक को पकड़ लेता है। क्रस्टेशियन, आर्थ्रोपोडा संघ के क्रस्टेशिया उपसंघ में अकशेरुकी प्राणी हैं जिनके अंग जोड़ वाले होते हैं। इसमें केकड़ा, क्रेफ़िश, झींगा, जल पिस्सू आदि आते हैं।

मुझे बड़ी जिम्मेदारी मिली सभी के समर्थन की बदौलत यहां पहुंचा हूं : सुरेश गोपी

कोझीकोड (केरल)। केंद्रीय मंत्री और त्रिशूर लोकसभा सीट से सांसद सुरेश गोपी ने बुधवार को कहा कि उन्हें एक बड़ी जिम्मेदारी दी गई है और क्षेत्र के सभी लोगों के समर्थन के कारण उन्हें नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के सदस्य के रूप में एक नई भूमिका मिली है।राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार में गोपी को पर्यटन एवं पेट्रोलियम राज्य मंत्री का पद सौंपा गया है। मंत्री बनने के बाद पहली बार केरल लौटे गोपी ने आज (बुधवार) सुबह कोझीकोड शहर में थली महादेव मंदिर में पूजा की।अभिनेता से राजनेता बने सुरेश ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि उनका मंदिरों और लोगों के साथ खास संबंध है और उन्होंने इन सब बातों को ध्यान में रखा है।

कड़ी सुरक्षा में करीब 5,000 कश्मीरी हिंदू खीरभवानी मेले के लिए कश्मीर रवाना हुए

नगरोटा (जम्मू)। कश्मीर में वार्षिक खीर भवानी मेले के लिए 5,000 से अधिक लोग कड़ी सुरक्षा के बीच बुधवार को यहां से रवाना हुए। इन तीर्थयात्रियों में अधिकतर कश्मीरी हिंदू समुदाय के लोग हैं।अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह यात्रा चार दिन तक चलेगी। संभागीय आयुक्त (जम्मू) रमेश कुमार, राहत आयुक्त डॉ. अरविंद करवानी और प्रमुख कश्मीरी पंडित नेताओं ने नगरोटा क्षेत्र से तीर्थयात्रा को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया।भजन गाते और मंत्रोच्चार करते हुए श्रद्धालु 176 बसों में सवार होकर कश्मीर घाटी में पांच धार्मिक स्थलों के लिए रवाना हुए।राहत आयुक्त डॉ. अरविंद करवानी ने यहां पीटीआई-भाषा को बताया, खीरभवानी मेले में भाग लेने के लिए 5,000 से अधिक कश्मीरी पंडित कश्मीर के लिए रवाना हुए हैं। वे कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 176 बसों में सवार होकर आज तड़के नगरोटा से रवाना हुए हैं। उन्होंने कहा कि तीर्थयात्री दोपहर में रामबन में रुकेंगे और भोजन करेंगे। उन्होंने बताया कि तीर्थयात्रा के सुचारू संचालन के लिए कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं। जम्मू में हाल ही में हुए आतंकी हमलों के बारे में एक श्रद्धालु ने कहा, हम इन आतंकी हमलों से नहीं डरते। हम कब तक डरते रहेंगे? हमारी सुरक्षा माता करेंगी।

किम ने रूस के साथ बढ़ते संबंधों का स्वागत किया

सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने इन खबरों के बीच, बुधवार को रूस के साथ देश के बढ़ते संबंधों का स्वागत किया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन उनके साथ अपनी तीसरी बैठक के लिए जल्द ही उत्तर कोरिया का दौरा करेंगे। पिछले वर्ष सितम्बर में पुतिन के साथ बैठक के लिए किम जोंग ने रूस की यात्रा की थी। इस बैठक के बाद से उत्तर कोरिया और रूस के बीच सैन्य, आर्थिक और अन्य सहयोग में तेजी से वृद्धि हुई है।

अमेरिका, दक्षिण कोरिया और उनके सहयोगियों का मानना है कि उत्तर कोरिया ने उन्नत सैन्य प्रौद्योगिकी और आर्थिक सहायता के बदले में रूस को तोपें, मिसाइलें और अन्य पारंपरिक हथियार उपलब्ध कराए हैं, जिसका इस्तेमाल वह यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में कर रहा है। किम जोंग उन ने कहा कि उत्तर कोरिया की क्षेत्रीय स्थिति को मजबूत करने और अमेरिका के खिलाफ संयुक्त मोर्चा खोलने के लिए, रूस और चीन के साथ साझेदारी बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं।

रूस के मुख्य अंतरिक्ष प्रक्षेपण स्थल पर सितम्बर में हुई बैठक के दौरान उत्तर कोरिया के नेता किम ने रूसी राष्ट्रपति को सुविधाजनक समय पर उत्तर कोरिया आने का निमंत्रण दिया था जिसे पुतिन ने स्वीकार कर लिया था। उत्तर कोरिया की आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार, बुधवार को किम ने पुतिन को रूस के राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर बधाई संदेश भेजा। अपने संदेश में किम ने कहा, पिछले वर्ष सितम्बर में वोस्तोचनी स्पेसपोर्ट में हमारे बीच हुई महत्वपूर्ण बैठक के फलस्वरूप, उत्तर कोरिया-रूस के बीच मैत्रीपूर्ण और सहयोगात्मक संबंध अब अच्छे साथियों के अटूट रिश्ते में विकसित हो गए हैं। मीडिया की खबरों में कहा गया है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अगले सप्ताह की शुरुआत में उत्तर कोरिया का दौरा कर सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो, यह पुतिन और किम के बीच तीसरी शिखर बैठक होगी। ऐसी पहली शिखर बैठक अप्रैल 2019 में व्लादिवोस्तोक में हुई थी। निप्पॉन होसो क्योकाई (एनएचके) ने कहा कि यूक्रेन के साथ युद्ध में रूस हथियारों की कमी का सामना कर रहा है, जिसको देखते हुए पुतिन उत्तर कोरिया के साथ मजबूत सैन्य संबंध बनाने की कोशिश करेंगे। वहीं, उत्तर कोरिया रूस से अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में मदद चाहता है।

इस्लामिक स्टेट से संबंध रखने पर अमेरिका में आठ गिरफ्तार

वाशिंगटन। ताजिकिस्तान के आठ लोगों को इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह से संबंध रखने के संदेह में अमेरिका में हाल के दिनों में गिरफ्तार किया गया है। मामले से अवगत लोगों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तारियां न्यूयॉर्क, फिलाडेल्फिया और लॉस एंजिल्स में हुई हैं। उन्होंने बताया कि दक्षिणी सीमा से होकर अमेरिका में प्रवेश करने वाले इन व्यक्तियों को आव्रजन कानूनों के उल्लंघन के आरोप में हिरासत में लिया गया है। नाम जाहिर न करने के अनुरोध पर इन लोगों ने बताया कि पकड़े गए लोगों के आईएस से उनके संदिग्ध संबंधों की प्रकृति तत्काल स्पष्ट नहीं हो पाई है, लेकिन फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के संयुक्त आतंकवाद कार्य बल (जेटीटीएफ) द्वारा इन व्यक्तियों पर नजर रखी जा रही थी।

ये लोग अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन विभाग की हिरासत में थे, जिसने जेटीटीएफ के साथ काम करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया। उन्हें देश से निकालने की कार्यवाही लंबित है। मामले से अवगत लोगों में से एक ने बताया कि ताजिकिस्तान के ए लोग पिछले एक साल के भीतर अमेरिका में दाखिल हुए और अमेरिकी सरकार की जांच प्रक्रिया से गुजरे, लेकिन अधिकारियों को ऐसी कोई जानकारी नहीं मिली जिससे यह पता चल सके कि वे आतंकवाद से संबंधित मामलों से संबद्ध हैं। एफबीआई और घरेलू सुरक्षा विभाग ने एक बयान जारी कर कहा कि गैर-नागरिकों की आव्रजन संबंधी गिरफ्तारी की पुष्टि की, लेकिन इस बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी। एफबीआई के निदेशक क्रिस्टोफर रे ने कहा कि खास तौर पर सात अक्टूबर को हमास द्वारा इजराइल पर किए गए हमले के बाद अमेरिका घरेलू हिंसक चरमपंथियों के साथ-साथ विदेशी आतंकवादी संगठनों से बढ़ते खतरों का सामना कर रहा है।

राष्ट्रपति चुनाव श्रीलंका के लिए महत्वपूर्णः विक्रमसिंघे

भाषा। कोलंबो

श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने कहा है कि इस साल के अंत में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव व्यक्तिगत हार-जीत के बजाय द्वीपीय राष्ट्र की सफलता और असफलता का निर्धारण करेंगे। बुधवार को मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। पिछले महीने श्रीलंका के चुनाव आयोग ने कहा था कि राष्ट्रपति चुनाव इसी साल 17 सितंबर से 16 अक्टूबर के बीच आयोजित किए जाएंगे। बुधवार को नीति सुधार पर एक चर्चा के दौरान 75 वर्षीय विक्रमसिंघे ने कहा, आगामी चुनाव का परिणाम केवल मेरी व्यक्तिगत जीत या हार के बारे में नहीं है, बल्कि यह चुनाव निर्धारित करेगा कि हमारा देश सफल होगा या विफल।

जुलाई 2022 के मध्य से अपदस्थ राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे का शेष कार्यकाल पूरा कर रहे रानिल विक्रमसिंघे ने फिर से चुनाव कराने को लेकर कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया। राष्ट्रपति के मीडिया प्रभाग ने उनके बयान को दिखाया, जिसमें उन्होंने कहा, यह चुनाव केवल व्यक्तियों के चयन के बारे में नहीं है, बल्कि यह हमारे देश की प्रगति के लिए सबसे प्रभावी प्रणाली को चुनने का है। अगर आप वर्तमान दृष्टिकोण में विश्वास रखते हैं, तो हमें उसी के अनुसार आगे बढ़ना चाहिए। डेली मिरर समाचार ने बताया कि विक्रमसिंघे ने नकदी की कमी से जूझ रहे देश में दीर्घकालिक समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए मजबूत आर्थिक सुधारों को लागू करने के महत्व पर भी जोर दिया।

विक्रमसिंघे के नेतृत्व में श्रीलंकाई सरकार ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के निर्देशों के तहत कठोर आर्थिक सुधार किए हैं। विक्रमसिंघे, जो वित्त मंत्री भी हैं, आर्थिक परिवर्तन विधेयक को प्रस्तुत करके द्वीपीय देश के राजकोषीय कानूनों में सुधार लाने के लिए तत्पर हैं। इस विधेयक को इसकी संवैधानिकता पर उच्चतम न्यायालय की समीक्षा प्रक्रिया के बाद संसद में पेश किया जाना है।

चर्चा के दौरान विक्रमसिंघे ने कहा कि यदि लोग सरकार के आर्थिक कार्यक्रम से संतुष्ट हैं तो वे उसका समर्थन कर सकते हैं। उन्होंने आगाह किया कि अन्यथा उन्हें एक ध्वस्त अर्थव्यवस्था वाले देश में रहने के परिणाम भुगतने होंगे। श्रीलंका ने 1948 में ब्रिटेन से स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद अप्रैल 2022 में पहली बार संप्रभुता ऋण चूक की घोषणा की। पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे ने मंगलवार को कड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा कि चुनाव स्थगित करने से विक्रमसिंघे के नेतृत्व वाली यूनाइटेड नेशनल पार्टी (यूएनपी) समाप्त हो जाएगी। चुनाव में देरी की चर्चाओं पर अविश्वास व्यक्त करते हुए राजपक्षे ने इसे मूर्खतापूर्ण बताया। चुनाव आयोग ने भी आगामी राष्ट्रपति और संसदीय चुनावों में किसी भी प्रकार की देरी के प्रयासों पर निराशा जताई और कहा कि वे निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ रहे हैं।

सत्तारूढ़ गठबंधन में दरार, पीपीपी ने पीएमएल-एन पर बजट में छूट न देने का आरोप लगाया

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान की पीएमएल (एन)-नीत सत्तारूढ़ गठबंधन की सहयोगी पीपीपी ने वार्षिक बजट की तैयारी में उसके सुझावों की अनदेखी करने का सरकार पर आरोप लगाते हुए सवाल किया है कि क्या शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार अब भी उसके समर्थन को तरजीह देती है। पाकिस्तान की सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार के सहयोगियों के बीच कथित तौर पर दरार पैदा हो गई है। डॉन अखबार ने बुधवार को बताया कि पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने संसद में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए बजट पेश किए जाने से पहले मंगलवार को पार्टी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो-जरदारी की अध्यक्षता में अपनी संसदीय समिति की बैठक में अपनी आपत्ति व्यक्त की।

पीपीपी ने पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) सरकार पर वार्षिक बजट तैयार करते समय उससे (पीपीपी से) कोई सुझाव न लेने का आरोप लगाया और आश्चर्य जताया कि क्या उसे अब भी सहयोगी का समर्थन चाहिए। पार्टी के संसदीय दल की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में नेशनल असेंबली की सदस्य और पीपीपी की सूचना सचिव शाजिया मारी ने कहा कि सांसदों ने अपने निर्वाचन क्षेत्रों की समस्याओं से नेतृत्व को अवगत कराया और विकास योजनाओं पर आपत्ति जताई।

पीएमएल-एन के नेतृत्व वाली सरकार के व्यवहार पर पीपीपी की ओर से नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, संघीय सरकार द्वारा हमारे सांसदों के प्रति अपनाया गया रवैया हमारे सदस्यों के लिए समस्याएं पैदा कर रहा है, क्योंकि वे लोगों के प्रति जवाबदेह हैं। उन्होंने कहा, बजट तैयार करने में हमारी पार्टी से कोई इनपुट नहीं लिया गया। संघीय पीएसडीपी (सार्वजनिक क्षेत्र विकास कार्यक्रम) में भी हमारी राय नहीं ली गई। हमने ऐसी स्थिति पर रोक लगाने की कोशिश की थी और पार्टी के वरिष्ठ सदस्यों ने सरकार से संपर्क किया था, लेकिन इसका कोई नतीजा नहीं निकला। हमें उम्मीद नहीं थी कि हमारी आवाज नहीं सुनी जाएगी। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में सोमवार को राष्ट्रीय आर्थिक परिषद (एनईसी) की बैठक में संघीय पीएसडीपी में 47 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि को मंजूरी दी गई, जो चालू वर्ष के 950 अरब रुपए की तुलना में 1400 अरब रुपए हो गई। गत आठ फरवरी को हुए विवादास्पद आम चुनावों में बड़े पैमाने पर धांधली के आरोपों के बाद, पीएमएल-एन और पीपीपी ने खंडित चुनावी नतीजों के बाद गहन बातचीत के उपरांत गठबंधन सरकार बनाई थी। यह पहली बार नहीं है जब पीपीपी ने महत्वपूर्ण निर्णय लेने के दौरान पीएमएल-एन के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा अनदेखी किए जाने पर अपनी नाराजगी व्यक्त की है।

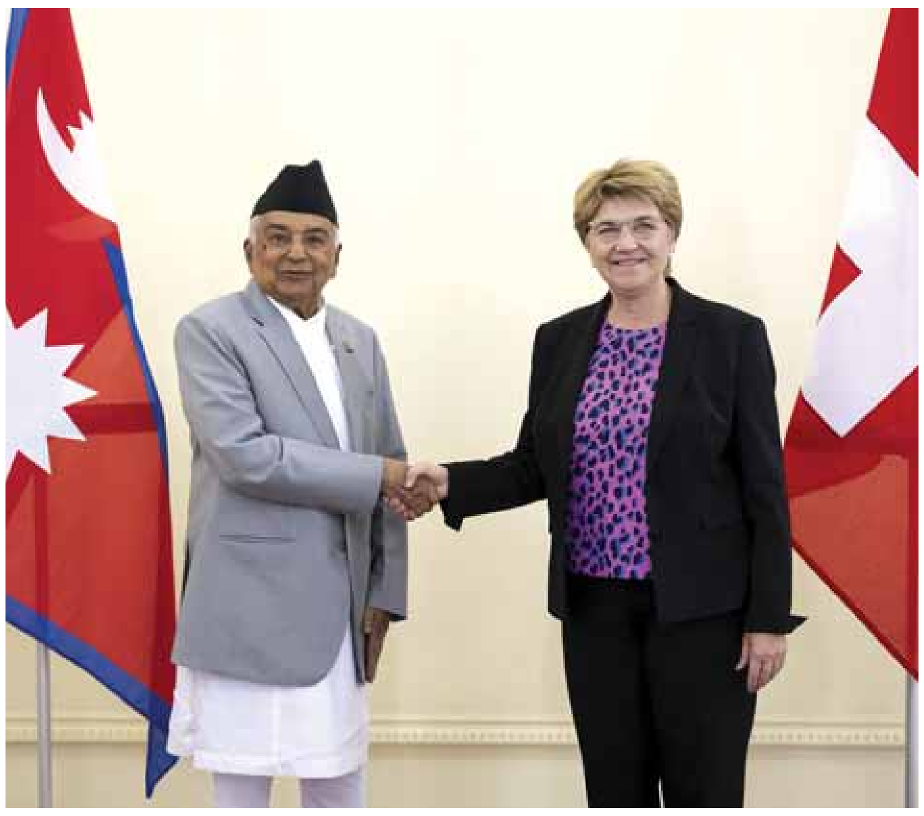

बुधवार को स्विस संघीय राष्ट्रपति वियोला एमहर्ड नेपाल संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य के राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल मुलाकात करते हुए।

जेल में बंद इमरान ने अपना विचार बदला, पाकिस्तान सरकार से बातचीत के लिए हरी झंडी दी

इस्लामाबाद। अपने पुराने रुख से पीछे हटते हुए पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने मौजूदा राजनीतिक तनाव को कम करने के लिए सरकार से बातचीत के लिए हरी झंडी दे दी है। इससे पहले उन्होंने सत्ताधारी गठबंधन के साथ बातचीत से इनकार कर दिया था। जेल में बंद इमरान का विचार उस समय बदला जब देश के भ्रष्टाचार कानूनों में बदलाव के मामले की सुनवाई के दौरान उच्चतम न्यायालय ने कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी को सरकार से बातचीत शुरू करनी चाहिए और संसद में बातचीत के जरिए अपने मुद्दों को सुलझाना चाहिए। पीटीआई इमरान की पार्टी है। इमरान अभी अडियाला जेल में बंद हैं। पीटीआई नेता गौहर अली खान ने जेल के बाहर पत्रकारों से बातचीत करते हुए मंगलवार को कहा कि इमरान खान ने सरकार से बातचीत के लिए हरी झंडी दे दी है। उन्होंने कहा कि पार्टी शुरू में अपने सहयोगियों को विश्वास में लेगी, लेकिन इस मुद्दे पर अकेले भी आगे बढ़ सकती है। गौहर ने कहा, हमने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक (इमरान) से कहा कि बातचीत जरूरी है, क्योंकि दूरियां बढ़ रही हैं। वह इस पर हमसे सहमत थे। गौहर के अनुसार, इमरान खान (71) चाहते हैं कि बातचीत के रास्ते खुलें। जियो टीवी ने गौहर के हवाले से कहा, पीटीआई संस्थापक ने कई बार कहा है कि उनके साथ जो हुआ, वह उसे माफ करने के लिए तैयार हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या बातचीत उच्चतम न्यायालय की सलाह के तहत होगी, गौहर ने कहा: उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए विकल्प पर भी विचार किया जा रहा है। हालांकि उन्होंने जोर दिया कि बातचीत करना पीटीआई का ‘अपना निर्णय’ है। गौहर ने कहा कि पार्टी पख्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी के प्रमुख महमूद खान अचकजई से बातचीत के बाद अपनी चर्चा शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि अचकजई और अन्य दलों के साथ गठबंधन है और उनकी पार्टी उन्हें विश्वास में लेगी। पार्टी प्रमुख ने कहा, गठबंधन स्तर पर भी बातचीत हो सकती है। पीटीआई खुद भी पहल कर सकती है।

यूक्रेन को सहायता भेजने पर आपत्ति नही जताएगा हंगरीः नाटो प्रमुख

ब्रसेल्स। उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के महासचिव जेंस स्टॉलटेनबर्ग ने बुधवार को बताया कि हंगरी ने कहा है कि वह नाटो की ओर से यूक्रेन को सहायता भेजने पर आपत्ति नहीं जताएगा। स्टॉलटेनबर्ग ने कहा कि हालांकि हंगरी सरकार युद्धग्रस्त यूक्रेन को निजी सहायता या अनुदान प्रदान नहीं करेगी। अगले महीने वाशिंगटन में होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और नाटो के सदस्य देशों के प्रमुखों के बीच यूक्रेन को अधिक विश्वसनीय एवं दीर्घकालिक सुरक्षा तथा सैन्य प्रशिक्षण सहायता प्रदान करने के लिए एक नई प्रणाली को लेकर सहमति बनने की उम्मीद है। हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन के साथ वार्ता के बाद स्टॉलटेनबर्ग ने बुडापेस्ट में संवाददाताओं से कहा, हंगरी नाटो के इन प्रयासों में भाग नहीं लेगा और मैं इस रुख को स्वीकार करता हूं। स्टॉलटनबर्ग ने कहा कि उन्होंने और ओर्बन ने यूक्रेन के लिए नाटो के समर्थन में हंगरी की गैर-भागीदारी के तौर-तरीकों पर सहमति व्यक्त की है। स्टॉलटेनबर्ग ने कहा, इन गतिविधियों में हंगरी का कोई भी कर्मी भाग नहीं लेगा तथा इनमें हंगरी के धन का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। स्टॉलटेनबर्ग ने कहा, इसके साथ ही, प्रधानमंत्री ने मुझे आश्वासन दिया है कि हंगरी इन प्रयासों का विरोध नहीं करेगा, जिससे अन्य सहयोगी आगे बढ़ सकेंगे। हंगरी अपनी नाटो प्रतिबद्धताओं को पूरी तरह बरकरार रखेगा। नाटो सर्वसम्मति से सभी फैसले लेता है।

इजराइली सेना और फलस्तीनी उग्रवादियों ने यौन और लिंग आधारित हिंसा की

जिनेवा। इजराइली सेना और फलस्तीनी उग्रवादियों ने इजराइल-हमास युद्ध के पहले महीनों के दौरान यौन और लिंग आधारित हिंसा की। यह बात संयुक्त राष्ट्र समर्थित मानवाधिकार विशेषज्ञों ने बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में कही है। स्वतंत्र विशेषज्ञों ने ज्यादातर मीडिया में आई घटनाओं का तारीखवार विवरण देते हुए कहा कि इजराइली सेना और फलस्तीनी उग्रवादियों ने युद्ध अपराध किए, जबकि इजराइल ने मानवता के विरुद्ध भी अपराध किए हैं। इजराइल ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है। उसने संस्था के साथ सहयोग करने से इनकार कर दिया था और उस पर पक्षपात का आरोप लगाया था। रिपोर्ट में सात अक्टूबर की हिंसा और पिछले साल के अंत के बीच के समय को शामिल किया गया है। इसमें संघर्ष के दौरान दोनों पक्षों द्वारा अधिकारों के कथित उल्लंघन और अपराधों की एक विस्तृत श्रृंखला को सामने रखा गया है। इजराइली सुरक्षा बलों ने जबरन भूख से मारना, हत्या या जानबूझकर हत्या, सामूहिक दंड और नागरिकों पर जानबूझकर हमले जैसे कृत्य किए हैं।

पाकिस्तान में गधों की संख्या बढ़कर 59 लाख हुई

इस्लामाबाद। कृषि प्रधान देश पाकिस्तान में पशुधन पर जारी नवीनतम आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान देश में गधों की संख्या 1.72 प्रतिशत बढ़कर 59 लाख हो गई है। मंगलवार को पाकिस्तान आर्थिक सर्वेक्षण (पीईएस) 2023-24 जारी किया गया जिसमें मौजूदा वित्तीय वर्ष में प्रमुख आर्थिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया है। इसमें दिखाया गया है कि देश में गधों की संख्या बढ़ रही है। पीईएस में जारी आंकड़ों से पता चलता है कि ‘बोझ ढोने वाले जानवरों’ की संख्या 2019-2020 में 55 लाख थी। यह संख्या 2020-21 में 56 लाख, 2021-22 में 57 लाख और 2022-23 में 58 लाख थी, जबकि 2023-24 में यह बढ़कर 59 लाख हो गई है। इसमें कहा गया है कि घोड़े और खच्चरों की संख्या में पिछले पांच वर्षों में कोई खास बदलाव नहीं आया है, तथा यह क्रमशः चार लाख और दो लाख है। गधे कई पाकिस्तानियों की आखिरी उम्मीद हैं, खास करके उन लोगों के लिए जो ग्रामीण इलाकों में रहते हैं।

बांग्लादेश में नोबेल पुरस्कार के विजेता मुहम्मद यूनुस पर गबन के आरोप तय

भाषा। ढाका

बांग्लादेश में एक विशेष न्यायाधीश की अदालत ने 20 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक राशि के गबन मामले में नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस और 13 अन्य पर बुधवार को आरोप तय किए। गरीब लोगों, विशेष रूप से महिलाओं की मदद करने के लिए सूक्ष्म ऋण की शुरुआत करने के लिए वर्ष 2006 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित 83 वर्षीय यूनुस ने खुद को निर्दोष बताया। फिलहाल यूनुस जमानत पर बाहर हैं। अधिकारी उन्हें और उनके अन्य सहयोगियों को परेशान कर रहे हैं। उन्होंने किसी भी भ्रष्टाचार में शामिल होने से इनकार किया।

ढाका के विशेष न्यायाधीश सैयद अराफात हुसैन ने खचाखच भरी अदालत में यूनुस के गैर-लाभकारी ग्रामीण टेलीकॉम पर लगे आरोपों को हटाने संबंधी याचिकाओं को खारिज कर दिया। अभियोजन पक्ष ने यूनुस और अन्य लोगों पर ग्रामीण टेलीकॉम के श्रमिक कल्याण कोष से करीब 20 लाख अमेरिकी डॉलर का गबन करने का आरोप लगाया है। ग्रामीण टेलीकॉम देश की सबसे बड़ी मोबाइल फोन कंपनी ग्रामीणफोन की 34.2 प्रतिशत हिस्सेदार है। ग्रामीणफोन नॉर्वे की दूरसंचार दिग्गज टेलीनॉर की सहायक कंपनी है। कंपनी पर धन शोधन का भी आरोप है। न्यायाधीश हुसैन ने कहा कि अभियोजन पक्ष पहले ही अपनी दलीलों को साबित कर चुका है, जिसमें धन के दुरुपयोग तथा पैसों को अवैध रूप से विदेश भेजने के आरोप भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मुकदमे पर सुनवाई 15 जुलाई से शुरू होगी। यूनुस को जनवरी में श्रम कानूनों के उल्लंघन के एक अलग आरोप में छह महीने की जेल की सजा सुनाई गई थी।

संघर्ष में बच्चों के खिलाफ हिंसा 2023 में चरम स्तर पर पहुंचीः संरा

संयुक्त राष्ट्र। दुनियाभर में संघर्ष की बढ़ती घटनाओं में फंसे बच्चों के खिलाफ हिंसा 2023 में ‘चरम स्तर’ पर पहुंच गई। इजराइल और फलस्तीन के क्षेत्रों से लेकर सूडान, म्यांमा और यूक्रेन में बड़ी संख्या में हत्याएं हुईं और कई लोग घायल हुए। संयुक्त राष्ट्र की एक नई रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। एसोसिएटेड प्रेस को सशस्त्र संघर्ष में बच्चों के संबंध में एक वार्षिक रिपोर्ट मंगलवार को प्राप्त हुई जिसमें कहा गया है कि एक के बाद एक युद्ध में 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के खिलाफ हिंसा के मामलों में 21 प्रतिशत की चौंकाने वाली वृद्धि हुई है, जिसमें कांगो, बुर्किना फासो, सोमालिया और सीरिया के मामलों का भी हवाला दिया गया है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार इजराइली सेना को पहली बार बच्चों की हत्या और उन्हें दिव्यांग बनाने और स्कूलों तथा अस्पतालों पर हमला करने तथा बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन करने वाले देशों की काली सूची में डाला। रिपोर्ट में पहली बार हमास और फलस्तीनी इस्लामिक जिहाद आतंकवादियों को भी बच्चों की हत्या करने, उन्हें घायल करने और उनका अपहरण करने के कारण सूचीबद्ध किया गया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस की रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षिणी इजराइल में सात अक्टूबर को हमास के हमले और गाजा में इजराइल की जबरदस्त सैन्य जवाबी कार्वाई के कारण बच्चों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं में वृद्धि हुई है। संयुक्त राष्ट्र ने रूसी सशस्त्र बलों और संबद्ध सशस्त्र समूहों को यूक्रेन में बच्चों की हत्या और उन्हें दिव्यांग बनाने तथा स्कूलों और अस्पतालों पर हमला करने के लिए दूसरे वर्ष भी अपनी काली सूची में रखा। रिपोर्ट में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र ने पिछले वर्ष रूसी सेना और उसके सहयोगियों द्वारा 80 यूक्रेनी बच्चों की हत्या और 419 अन्य को अपंग बनाने की पुष्टि की है।

हरियाली को देखने भर से बेहतर हो सकता है मानसिक स्वास्थ्य

द कन्वरसेशन। बांगोर

यह तेजी से स्पष्ट होता जा रहा है कि प्रकृति में समय बिताने से हमारे मानसिक स्वास्थ्य और खुशहाली को फायदा हो सकता है। लेकिन मेरे सहकर्मियों और मेरे द्वारा किए गए एक नए अध्ययन से पता चलता है कि यह लाभ हासिल करने के लिए आपको वास्तव में प्रकृति में रहने की ज़रूरत नहीं है। किसी शहर के मध्य में भी, केवल प्राकृतिक तत्वों की ओर अपना ध्यान केंद्रित करने से भी खुशहाली बढ़ सकती है। पीपुल एंड नेचर जर्नल में प्रकाशित हमारा पेपर, यह पता लगाने के लिए आई-ट्रैकिंग तकनीक का उपयोग करता है कि प्राकृतिक बनाम मानव निर्मित तत्वों पर ध्यान केंद्रित करने से मानसिक स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पड़ता है। शहरी जीवन, अपनी तेज़ गति और तनाव के उच्च स्तर के साथ, चिंता और अवसाद सहित कई मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों से जुड़ा हुआ है।

हमारी शोध टीम, जिसका नेतृत्व मैंने किया था और जिसमें मेरे सहकर्मी ब्रायन रिज़ोवी और असफ़ श्वार्ट्ज़ शामिल थे, ने अध्ययन के लिए 117 वयस्कों को चुना। प्रतिभागियों को बेतरतीब ढंग से तीन समूहों में बांटा गया : एक जो पेड़ों (हरा समूह) जैसे प्राकृतिक तत्वों पर केंद्रित था, एक जो इमारतों (ग्रे समूह) जैसे मानव निर्मित तत्वों पर केंद्रित था और तीसरा समूह जो दोनों के मिश्रण पर ध्यान केंद्रित करता था शहर और परिसर में 45 मिनट की गाइडेड वॉक के दौरान प्रत्एक प्रतिभागी ने विशेष आई-ट्रैकिंग चश्मा पहना था। मार्ग में समूह के आधार पर प्राकृतिक या मानव निर्मित तत्वों पर जोर देने के लिए डिज़ाइन किए गए दस निर्दिष्ट ठहराव शामिल थे।

वॉक से पहले और बाद में, प्रतिभागियों ने अपने मूड, चिंता के स्तर और वॉक की पुनर्स्थापनात्मक गुणवत्ता का आकलन करते हुए सर्वेक्षण पूरा किया। सर्वेक्षण में सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव जैसे मानकीकृत उपाय शामिल थे। आंखों पर नज़र रखने वाले चश्मे ने रिकॉर्ड किया कि प्रतिभागी पूरी सैर के दौरान कहां देख रहे थे, जिससे शोधकर्ताओं को हरे (प्राकृतिक) या ग्रे (मानव निर्मित) तत्वों पर ध्यान केंद्रित करने में बिताए गए समय की मात्रा निर्धारित करने में मदद मिली। वास्तव में, हमारी तकनीक ने दृश्य जुड़ाव का एक सटीक और उद्देश्यपूर्ण उपाय पेश किया, जिससे प्रकृति के संपर्क और बेहतर भलाई के बीच संबंध मजबूत हुआ। डेटा ने पुष्टि की कि प्रत्एक समूह ने वास्तव में उन दृश्यों को देखने में अधिक समय बिताया, जिन पर हमने उनसे ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा था। नतीजे चौंकाने वाले थे. जिन प्रतिभागियों ने हरे तत्वों पर अधिक ध्यान केंद्रित किया, उन्होंने ग्रे तत्वों पर ध्यान केंद्रित करने वालों की तुलना में मूड में महत्वपूर्ण सुधार और चिंता में कमी दर्ज की। और सैर के बाद उनमें सकारात्मक भावनाओं का उच्च स्तर और चिंता का स्तर कम दिखा। उन्होंने यह भी बताया कि वे अधिक तरोताजा महसूस कर रहे हैं। इसके विपरीत, ग्रे समूह ने ए सुधार नहीं दिखाए, और मिश्रित समूह में मध्यवर्ती परिणाम थे, जो सुझाव देते हैं कि प्रकृति पर आंशिक ध्यान भी फायदेमंद हो सकता है। इन निष्कर्षों का शहरी नियोजन और मानसिक स्वास्थ्य प्रथाओं पर महत्वपूर्ण प्रभाव है। शहरी स्थानों को डिज़ाइन करना जो प्राकृतिक तत्वों को शामिल करता है और प्रकृति के साथ दृश्य जुड़ाव को प्रोत्साहित करता है, शहरी जीवन के मानसिक स्वास्थ्य बोझ को कम करने में मदद कर सकता है। उदाहरण के लिए, योजनाकार हरे-भरे स्थानों, पेड़ों से घिरी सड़कों, पार्कों और तालाबों को प्राथमिकता दे सकते हैं जो लोगों को रुकने और प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने के लिए आमंत्रित करते हैं। निष्कर्ष मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए भी उपयोगी हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, वे चिकित्सा में निर्देशित ध्यान अभ्यास को शामिल करना चाह सकते हैं, जिससे रोगियों को सैर या अन्य बाहरी गतिविधियों के दौरान विशेष रूप से प्राकृतिक तत्वों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। यह सरल, किफायती प्रभावी रणनीति चिंता और अवसाद के लिए पारंपरिक उपचार को बेहतर बना सकती है। अध्ययन प्रकृति के साथ दृश्य जुड़ाव के महत्व पर प्रकाश डालता है, यह पुख्ता सबूत प्रदान करता है कि प्रकृति के मानसिक स्वास्थ्य लाभ इस बात से निकटता से जुड़े हुए हैं कि हम अपना ध्यान कहाँ केंद्रित करते हैं। औसत व्यक्ति के लिए, यह अध्ययन मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने का एक आसान तरीका सुझाता है: पेड़ों, फूलों और अन्य प्राकृतिक तत्वों को देखने में अधिक समय व्यतीत करें। चाहे दैनिक यात्रा के दौरान, पार्क में टहलना या सप्ताहांत की सैर के दौरान, सचेत रूप से प्रकृति की ओर अपना ध्यान केंद्रित करने से आप कैसा महसूस करते हैं, इसमें महत्वपूर्ण अंतर आ सकता है। हमारा शोध सरल, रोजमर्रा के कार्यों से मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव पड़ने की संभावना को रेखांकित करता है।

अमेरिका यूक्रेन को एक और पैट्रियट मिसाइल प्रणाली भेजेगा

वाशिंगटन। रूस के शक्तिशाली हमलों से जूझ रहे उत्तरपूर्वी खार्किव क्षेत्र में जवाबी हमलों के लिए हवाई सुरक्षा संबंधी मदद मांग रहे यूक्रेन को अमेरिका एक और पैट्रियट मिसाइल प्रणाली देगा। दो अमेरिकी अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति जो बाइडन ने इस फैसले को मंजूरी दे दी है। अमेरिका की ओर से यूक्रेन को दी जाने वाली यह दूसरी पैट्रियट प्रणाली होगी। इस निर्णय की हालांकि सार्वजनिक रूप से घोषणा नहीं की गई है। इस निर्णय के बारे में सबसे पहले न्यूयॉर्क टाइम्स ने खबर दी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने पिछले महीने के अंत में अमेरिका से पैट्रियट प्रणाली मांगी थी। मिसाइल प्रणाली भेजने का यह निर्णय ऐसे समय में लिया गया है जब अमेरिका, यूरोप और अन्य देशों के रक्षा विभाग से जुड़े नेता यूक्रेन की सुरक्षा आवश्यकताओं पर अपनी मासिक बैठक की तैयारी में जुटे हैं।

इंडियन बैंक Indian Bank
एच-1ए/18, सेक्टर 63, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर, यूपी-201301, ई-मेल- n615@indianbank.co.in

परिशिष्ट-IV नियम-8(1) कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति हेतु)

जबकि अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अधीन इंडियन बैंक का प्राधिकृत अधिकारी होने तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए हमारी **इंडियन बैंक नोएडा सेक्टर-63 शाखा** के उधारकर्ता **मैसर्स ए.एम. एंटरप्राइजेज**, प्रोपराइटर - श्री आस मोहम्मद पुत्र श्री सैयद खान, ... नगर - 201308 (यू.पी.) और ... बुद्ध नगर - 201308 और कर्जदार स्वर्गीय श्रीमती वकीला पत्नी श्री आस मोहम्मद, इसके सभी कानूनी उत्तराधिकारियों के माध्यम से 1.) ... खान पुत्र श्री आस मोहम्मद, निवासी मकान नं. 4, खेड़ा चौगानपुर, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश (2.) ... खान पुत्र श्री आस मोहम्मद, निवासी मकान नं. 4, खेड़ा चौगानपुर, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश (3.) ... पुत्री श्री आस मोहम्मद, निवासी मकान नं. 4, खेड़ा चौगानपुर, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश (4.) मुस्कान पुत्री श्री आस मोहम्मद, निवासी मकान नं. 4, खेड़ा चौगानपुर, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश (5.) श्री आस मोहम्मद पुत्र सैयद खान मकान नं. 4, खेड़ा चौगानपुर, जिला गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश को एक मांग सूचना दिनांक 05.10.2017 को जारी की गयी थी जिसमें सूचना में उल्लेखित राशि रु. **1,08,54,066.84** (रु. एक करोड़ आठ लाख चौवन हजार छियासठ और पैसे चौरासी मात्र) और ब्याज इत्यादि उक्त सूचना की तिथि से 60 दिनों के अंदर प्रति भुगतान करने को कहा गया था।

उधारकर्ता उक्त राशि का भुगतान करने में असफल हो गये हैं इसलिये एतद्द्वारा उधारकर्ता तथा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इंडियन बैंक के अधोहस्ताक्षरी ने सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 और 9 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13(4) के तहत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में नीचे वर्णित संपत्ति पर कब्जा दिनांक 12.06.2024 को ले लिया है।

विशेष रूप से उधारकर्ता तथा सामान्य रूप से जनसाधारण को एतद्द्वारा उक्त संपत्तियों के साथ लेन-देन न करने के लिए सावधान किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी लेन देन इंडियन बैंक के प्रभार वास्ते बकाया राशि रु. **1,08,54,066.84** (रु. एक करोड़ आठ लाख चौवन हजार छियासठ और पैसे चौरासी मात्र) और ब्याज इत्यादि सहित के अधीन होगा।

हम उधारकर्ता का ध्यान एक्ट की धारा 13 की उप धारा (8), के प्रावधानों के अंतर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मुक्त करने हेतु उपलब्ध समय सीमा की ओर आकर्षित किया जाता है।

अचल सम्पत्ति का विवरण

रिहायशी सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि गाँव खेड़ा चौगानपुर, परगना और तहसील दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित, क्षेत्रफल 293.53 वर्ग मी. (351.11 वर्ग गज), खसरा सं. 44 मिन, यह सम्पत्ति श्रीमती वकीला पत्नी श्री आस मोहम्मद के नाम पर है। प्लॉट की चौहद्दी: पूरब में - चंपा का प्लॉट, उत्तर में - गुलाब का प्लॉट, पश्चिम में - महाचंद का खेत और 8 फीट चौड़ी रोड, दक्षिण में - रामी का प्लॉट

दिनांक : 12.06.2024, स्थान : दिल्ली — प्राधिकृत अधिकारी, इंडियन बैंक

अमेरिका को सात विकेट से हराकर भारत सुपर आठ में पहुंचा

भाषा। न्यूयॉर्क

भारत ने आईसीसी टी20 विश्वकप के ग्रुप ए मैच में बुधवार को यहां अमेरिका को सात विकेट से हराकर सुपर आठ में अपनी जगह पक्की कर ली। अमेरिका को आठ विकेट पर 110 रन पर रोकने के बाद भारत ने 18.2 ओवर में तीन विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। भारत के लिए सूर्यकुमार यादव ने नाबाद 50 और शिवम दुबे ने नाबाद 31 रन का योगदान दिया। अमेरिका के लिए सौरव नेत्रवलकर ने दो विकेट चटकाए।इससे पहूर्व बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह (चार ओवर में नौ रन पर चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से भारत ने आईसीसी टी20 विश्व कप ग्रुप ए मैच में बुधवार को यहां अमेरिका को आठ विकेट पर 110 रन पर रोक दिया। अर्शदीप का यह प्रदर्शन टी20 विश्व कप में किसी भारतीय का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन है। इससे पहले यह रिकॉर्ड रविचंद्रन अश्विन के नाम था, जिन्होंने 2014 में मीरपुर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 11 रन पर चार विकेट लिए थे। अर्शदीप को हार्दिक पंड्या का अच्छा साथ मिला जिन्होंने चार ओवर में 14 रन देकर दो विकेट चटकाए। अक्षर पटेल को एक सफलता मिली। अमेरिका के लिए नितीश कुमार ने 23 गेंद में 27 जबकि सलामी बल्लेबाज स्टीवन टेलर ने 30 गेंद में 24 रन का योगदान दिया। इस पिच पर अब तक बल्लेबाजी काफी मुश्किल साबित हुई है ऐसे में यह लक्ष्य भारत के लिए भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इस मैच को जीतने वाली टीम सुपर आठ में अपनी जगह पक्की कर लेगी।अर्शदीप ने शुरुआती ओवर की पहली गेंद पर शयन जहांगीर (शून्य) को पगबाधा करने के बाद आखिरी गेंद पर ऐंड्रियस गौस (दो

रन) को चलता किया भारत को शानदार शुरुआत दिलाई।चोटिल कप्तान मोनाक पटेल की जगह टीम की अगुवाई कर रहे आरोन जोंस (11) ने मोहम्मद सिराज की बाउंसर पर छक्का लगाकर आक्रामक तेवर दिखाया लेकिन जसप्रीत बुमराह और हार्दिक ने किफायती ओवर डाले जिससे पावर प्ले में अमेरिका दो विकेट पर 18 रन ही बना सका।जोंस एक और बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में हार्दिक की गेंद पर सिराज को कैच दे बैठे।अब तक संभल कर खेल रहे टेलर ने नौवें ओवर में गेंदबाजी के लिए आए शिवम दुबे के खिलाफ छक्का लगाया। वह 12वें ओवर में अक्षर के खिलाफ अपनी पारी का दूसरा छक्का लगने के बाद बोल्ड हो गए। नितीश ने इसके बाद हार्दिक के खिलाफ स्ट्रेट में दर्शनीय छक्का और चौका लगाया तो वही न्यूजीलैंड के लिए खेल चुके कोरी एंडरसन (15) ने अक्षर की गेंद को दर्शकों के पास भेजा।पिछले तीन ओवर में 32 रन खाने के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने गेंद अर्शदीप को थमाई और इस गेंदबाज ने आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे नितीश को पवेलियन भेजा। सिराज ने बाउंड्री के पास शानदार कैच लपका। एंडरसन ने बुमराह के खिलाफ चौका तो वहीं हरमीत सिंह (10) ने छक्का लगाकर रनगति को बढ़ाया। हार्दिक ने 17वें ओवर में एंडरसन तो वहीं अर्शदीप ने 18वें ओवर में हरमीत को चलता कर अमेरिका को दोहरा झटका दिया। इन दोनों का कैच विकेट के पीछे ऋषभ पंत ने लिया। शैडली वान शाल्कविक (नाबाद 11) के एक रन से इसी ओवर में अमेरिका के रनों का शतक पूरा हुआ। उन्होंने आखिरी ओवर में सिराज के खिलाफ चौका जड़ स्कोर को 110 रन तक पहुंचाने में अपना योगदान दिया।

शारदुल के पैर की लंदन में सर्जरी हुई, तीन महीने के लिए बाहर: लंदन। भारत के ऑलराउंडर शारदुल ठाकुर के पैर की बुधवार को यहां सर्जरी हुई और संभावना है कि वह कम से कम तीन महीने तक प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से बाहर रहेंगे। इस 32 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर सर्जरी के बाद की तस्वीर साझा की जिसका शीर्षक था, ऑपरेशन सफलतापूर्वक हुआ। यह उनके पैर की दूसरी सर्जरी है। इससे पूर्व पांच साल पहले 2019 में भी उनके पैर की सर्जरी हुई थी। इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान चोट फिर से उभर आई थी।

हालांकि वह पिछले सत्र में रणजी ट्रॉफी में शानदार वापसी करने में सफल रहे और मुंबई को अपना 42वां खिताब जीतने में मदद की। उन्होंने खिलाड़ियों के उबरने और

व्यवस्थित ट्रायल, समान अवसर के कारण भारतीय निशानेबाजों ने किया शानदार प्रदर्शन: नारंग

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज गगन नारंग का मानना है कि व्यवस्थित ट्रायल, उचित अंकन प्रणाली और सभी दावेदारों को समान अवसर के कारण देश के निशानेबाजों ने पेरिस खेलों के लिए 15 कोटा स्थान हासिल किए। लंदन ओलंपिक 2012 में कांस्य पदक जीतने वाले नारंग को खुशी है कि पेरिस ओलंपिक में 15 निशानेबाज भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे जिसमें उनकी अकादमी की दो महिला निशानेबाज इलावेनिल वलारिवान और रमिता भी शामिल हैं। प्रेस विज्ञप्ति में नारंग के हवाले से कहा गया, ट्रायल भी बहुत व्यवस्थित तरीके से आयोजित किए गए जिसमें अंकन प्रणाली का उपयोग किया गया जिससे प्रतिभागियों को अपनी वास्तविक क्षमता दिखाने का समान अवसर मिला। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के उपाध्यक्ष नारंग ने खिलाड़ियों को लाभान्वित करने वाली विभिन्न विकास योजनाओं में सरकार की भूमिका और उसके निवेश की सराहना की। उन्होंने कहा, कुछ साल पहले तक

निशानेबाजी में अन्य देशों का दबदबा था। लेकिन अब भारतीय निशानेबाज सभी प्रमुख प्रतियोगिताओं में शीर्ष स्थान हासिल कर रहे हैं जो खेल में हमारी प्रगति का सबसे बड़ा संकेत है। नारंग ने कहा, यह उल्लेखनीय सुधार सरकार द्वारा अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बुनियादी ढांचे में निवेश करने और जमीनी स्तर पर खेलो इंडिया योजना द्वारा अपनाए गए वैज्ञानिक दृष्टिकोण और कार्यप्रणाली का परिणाम है।

पूर्व भारतीय फुटबॉलर और कोच टी के चथुन्नी का निधन

कोच्चि। पूर्व भारतीय फुटबॉलर और कोच टी के चथुन्नी का बुधवार को यहां निधन हो गया। वह 79 वर्ष के थे तथा पिछले कुछ समय से कैंसर से पीड़ित थे। चथुन्नी को रक्षापंक्ति में कुशल खिलाड़ी माना जाता था। उन्होंने संतोष ट्रॉफी में केरल और गोवा का प्रतिनिधित्व किया। खेल से संन्यास लेने के बाद वह कोच बन गए और अगले 40 वर्ष तक भारतीय फुटबॉल में अपनी अमिट छाप छोड़ी।चथुन्नी कई टीमों के कोच रहे जिनमें मोहन बागान, डेंपो गोवा और एफसी कोचीन भी शामिल हैं। वह 1979 में केरल की संतोष ट्रॉफी टीम के कोच भी रहे।

जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया सुपर आठ में

नामीबिया को 86 गेंद शेष रहते हुए 9 विकेट से दी करारी शिकस्त

नॉर्थ साउंड (एंटीगा)

लेग स्पिनर एडम जंपा की शानदार गेंदबाजी की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने नामीबिया को 86 गेंद शेष रहते हुए 9 विकेट से करारी शिकस्त देकर टी20 विश्व कप के सुपर आठ में जगह बनाई। ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया और नामीबिया को 17 ओवर में 72 रन पर आउट कर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने इसके बाद केवल 34 गेंद पर एक विकेट पर 74 रन बनाकर शानदार जीत हासिल की। सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड 34 और कप्तान मिचेल मार्श 18 रन बनाकर नाबाद रहे। डेविड वार्नर ने आठ गेंद पर 20 रन का योगदान दिया।ऑस्ट्रेलिया की यह लगातार तीसरी जीत है जिससे उसने एक मैच शेष रहते हुए ही सुपर आठ में प्रवेश कर लिया। उसे ग्रुप बी में अपना आखिरी मैच शनिवार को स्कॉटलैंड के खिलाफ खेलना है।

नामीबिया की यह तीन मैच में दूसरी हार है जिससे वह सुपर आठ में जगह बनाने की दौड़ से बाहर हो गया है। स्कॉटलैंड और इंग्लैंड ग्रुप बी से दूसरे स्थान पर रहने की दौड़ में हैं। नामीबिया के पास ऑस्ट्रेलिया के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण का कोई जवाब नहीं था। उसकी तरफ से कप्तान गेरहार्ड इरास्मस ने सर्वाधिक 36 रन बनाए जिससे नामीबिया 43 रन पर आठ विकेट गंवाने के बावजूद 50 रन की संख्या को पार कर पाया। नामीबिया ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना न्यूनतम स्कोर बनाया। जंपा ने बीच के ओवरों में अपना कमाल दिखाया तथा चार ओवर में 12 रन देकर चार विकेट लिए। जंपा ने अपने इस प्रदर्शन से एक बड़ी उपलब्धि भी हासिल की। वह ऑस्ट्रेलिया की तरफ से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। जोश हेज़लवुड (18 रन देकर दो विकेट) ने नामीबिया के सलामी बल्लेबाज माइकल वैन लिंगेन (10) और निको डेविन (02) को आउट किया। हेज़लवुड के साथ गेंदबाजी की शुरुआत करने वाले मार्कस स्टोइनिस (तीन ओवर में नौ रन देकर दो विकेट) ने भी दो विकेट लिए, जबकि कप्तान पैट कमिंस और नाथन एलिस ने एक-एक विकेट लिया। मार्श ने मैच के बाद कहा, हमारे गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। पूरी टीम ने अच्छा खेल दिखाया। यह वास्तव में हमारे लिए महत्वपूर्ण था और सुपर आठ में जगह बनाना शानदार है। उन्होंने एडम जंपा की तारीफ करते हुए कहा, अगर आप उसके पिछले चार-पांच वर्षों के करियर पर गौर करो तो वह संभवत

इंग्लैंड के अरमानों पर पानी फेर सकती है बारिश

नॉर्थ साउंड। अपनी पहली जीत दर्ज करने के लिए बेताब इंग्लैंड के अरमानों पर ओमान के खिलाफ यहां होने वाले टी20 विश्व कप के मैच में बारिश पानी फेर सकती है। पूर्व चैंपियन इंग्लैंड को सुपर 8 में जगह बनाने के लिए ग्रुप बी के अपने बाकी बचे दोनों मैच में हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। उसका दो मैच में केवल एक अंक है जो उसे स्कॉटलैंड के खिलाफ बारिश के कारण मैच नही हो पाने के कारण मिला था। जोस बटलर की अगुवाई वाली टीम के लिए खबर अच्छी नही है क्योंकि मौसम विभाग ने ओमान के खिलाफ मैच के दिन बारिश की संभावना व्यक्त की है। इंग्लैंड को ओमान के बाद अपना आखिरी लीग मैच इसी मैदान पर नामीबिया के खिलाफ खेलना है। इन दोनों मैच में जीत के बावजूद भी इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया और स्कॉटलैंड के बीच होने वाले मैच में अनुकूल परिणाम के लिए दुआ करनी होगी।

टी20 विश्वकप

श्रीलंका और नेपाल बाहर होने के कगार पर, दक्षिण अफ्रीका सुपर आठ में पहुंचा

लॉडरहिल (अमेरिका)।श्रीलंका और नेपाल के बीच टी20 विश्व कप के ग्रुप डी का मैच भारी बारिश के कारण नहीं हो पाया, जिससे दक्षिण अफ्रीका की सुपर आठ में जगह पक्की हो गई। बारिश के कारण इस मैच में एक भी गेंद नही डाली जा सकी। इससे श्रीलंका और नेपाल दोनों को एक-एक अंक मिला जिससे वह टूर्नामेंट से बाहर होने के कगार पर पहुंच गए है।दक्षिण अफ्रीका ने ग्रुप डी में शीर्ष पर रहते हुए सुपर आठ में जगह बनाई। उसने अभी तक अपने तीनों मैच जीते हैं। बांग्लादेश इस ग्रुप में अभी दूसरे स्थान पर है। उसके और नीदरलैंड के समान दो दो अंक हैं। बांग्लादेश की टीम हालांकि बेहतर नेट रन रेट के आधार पर दूसरे स्थान पर है।

उम्मीदें जीवंत रखने के लिए भिड़ेंगे बांग्लादेश-नीदरलैंड

किंग्सटाउन। बांग्लादेश और न्यूजीलैंड टी20 विश्व कप के सुपर आठ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को पंख लगाने के लिए गुरुवार को यहां एक दूसरे का सामना करेंगे। दक्षिण अफ्रीका ग्रुप डी से शीर्ष पर रहकर पहले ही अगले दौर में जगह बना चुका है। बांग्लादेश इस ग्रुप मे अभी दूसरे स्थान पर है। उसके और नीदरलैंड के समान दो दो अंक हैं। बांग्लादेश की टीम हालांकि बेहतर नेट रन रेट के आधार पर दूसरे स्थान पर है।नेपाल और श्रीलंका के एक-एक अंक है लेकिन उनके पास भी ग्रुप मे दूसरे स्थान पर रहकर सुपर 8 में

न्यूजीलैंड का सामना वेस्टइंडीज से: टस्बा न्यूजीलैंड को अगर टी20 विश्व कप में अपनी उम्मीदें जीवंत रखनी है तो उसे मेजबान वेस्टइंडीज के खिलाफ यहां होने वाले करो या मरो मैच में बेहतर प्रदर्शन करके हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी।अफगानिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में न्यूजीलैंड के बल्लेबाज नही चल पाए थे और उसकी पूरी टीम 15.2 ओवर में 75 रन पर आउट हो गई जिससे उसे 84 रन से हार का सामना करना पड़ा। इससे उसका नेट रन रेट भी गड़बड़ा गया और वह ग्रुप सी में सबसे निचले स्थान पर है।न्यूजीलैंड का विश्व कप में प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा है। वह पिछले तीन वनडे विश्व कप और तीन टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचा है लेकिन इस बार उसके लिए चुनौती आसान नहीं है। अफगानिस्तान के खिलाफ उसके केवल दो बल्लेबाज दोहरे अंक में पहुंच पाए थे। केन विलियमसन की अगुवाई वाली टीम को अब उस प्रदर्शन को भूलकर वेस्टइंडीज के खिलाफ अच्छा खेल दिखाना होगा।

इस तरह की पिचों से मुकाबला बराबरी का बन जाता है: जॉनसन

न्यूयॉर्क। नासाउ काउंटी मैदान की पिच की मौजूदा टी20 विश्व कप में कड़ी आलोचना की जा रही है, लेकिन कनाडा के सलामी बल्लेबाज आरोन जॉनसन को इससे कोई शिकायत नहीं है और उनका मानना है कि इससे छोटी टीमों के लिए भी मुकाबला बराबरी का बन जाता है। जॉनसन ने पाकिस्तान के खिलाफ मंगलवार को 44 गेंद पर 52 रन बनाए जो टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनका सर्वोच्च स्कोर है। उनकी टीम हालांकि जीत दर्ज नहीं कर पाई। पाकिस्तान ने 107 रन का लक्ष्य हासिल किया और इस मैदान पर सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने वाली टीम बनी। जॉनसन ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, मैं यह नहीं कहूंगा कि यह सर्वश्रेष्ठ पिच है। यह मुश्किल पिच है लेकिन जब टी20 क्रिकेट की शुरुआत हुई थी तो 120 से लेकर 130 रन का स्कोर अच्छा माना जाता था। अब सपाट विकेट बनने लग गए हैं तो टीम 200 रन से भी अधिक का स्कोर बना रही हैं। मेरा मानना है कि इस तरह की पिच भी होनी चाहिए। इससे मुकाबला बराबरी का हो जाता है तथा केवल पाकिस्तान ही नहीं अन्य टीमों के खिलाफ भी हमारे पास मौका होता है।

हेजलवुड ने कहा, इंग्लैंड जल्दी बाहर होता है तो ऑस्ट्रेलिया के हित में होगा लेकिन जीतना जरूरी

नार्थ साउंड (एंटीगा एवं बारबुडा। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने स्वीकार किया कि यदि इंग्लैंड टी20 विश्व कप से ग्रुप चरण में ही बाहर हो जाता है तो यह ऑस्ट्रेलिया के सर्वश्रेष्ठ हित में होगा लेकिन उन्होंने कहा कि किसी और को बाहर करने की कोशिश करने की तुलना में अच्छी जीत हासिल करना अधिक महत्वपूर्ण है। गत चैंपियन इंग्लैंड बारिश के कारण एक मैच रद्द होने और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बड़ी हार के बाद मुश्किल स्थिति में है और उसकी सुपर आठ में जगह बनाने की राह आसान नहीं है। ऑस्ट्रेलिया पहले ही सुपर आठ में जगह बना चुका है। हेजलवुड ने नार्थ साउंड में नामीबिया पर नौ विकेट की बड़ी जीत के बाद मीडिया से बातचीत में कहा, हां, मुझे ऐसा लगता है। इस टूर्नामेंट में आप संभावित रूप से किसी चरण में फिर से इंग्लैंड के खिलाफ खेल सकते हैं। उन्होंने कहा, वे शायद अपने दिन शीर्ष टीमों में से एक हैं और हमें टी20 क्रिकेट में उनके खिलाफ काफी संघर्ष करना पड़ा है इसलिए अगर हम उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर सकते हैं तो यह हमारे और शायद सभी के हित में होगा।

पेन ने ऑस्ट्रेलिया से स्कॉटलैंड मैच में हेरफेर करने और इंग्लैंड को बाहर करने का आग्रह किया

मेलबर्न।ऑस्ट्रेलिया के पूर्व टेस्ट कप्तान टिम पेन चाहते हैं कि मिशेल मार्श और उनकी टीम स्कॉटलैंड के खिलाफ अपने अंतिम ग्रुप मैच में हेरफेर करे जिससे कि इंग्लैंड को टी20 विश्व कप से बाहर किया जा सके। गत चैंपियन इंग्लैंड बारिश के कारण एक मैच रद्द होने और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बड़ी हार के बाद मुश्किल स्थिति में है और उसकी सुपर आठ में जगह बनाने की राह आसान नहीं है। ऑस्ट्रेलिया पहले ही सुपर आठ में जगह बना चुका है। पेन ने एसईएन रेडियो से कहा, बिल्कुल उन्हें ऐसा (परिणाम में हेरफेर) करना चाहिए और मैं मजाक नहीं कर रहा हूं। मैंने पिछले कुछ दिनों में लोगों से इस बारे में बात की है। मैं पूरी तरह गंभीर हूं। ग्रुप बी की मौजूदा स्थिति के अनुसार इंग्लैंड सिर्फ एक अंक और माइनस 1.800 के नेट रन रेट के साथ चौथे स्थान पर है। उसके दो और मैच बचे हैं। भले ही वह अपने दोनों मैच जीत लें लेकिन अंकों के मामले में स्कॉटलैंड से आगे नहीं निकल सकता जो पांच अंक और प्लस 2.164 के नेट रन रेट के साथ दूसरे स्थान पर है।

विवादास्पद गोल की जांच की मांग-एआईएफएफ ने कहा, अन्याय का समाधान निकालें

भाषा। नई दिल्ली

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने बुधवार को कहा कि महासंघ ने दोहा में विश्व कप क्वालीफाइंग मैच में कतर को दिए गए विवादास्पद गोल की जांच की मांग की है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से इस अन्याय का समाधान निकालने का आग्रह किया। एआईएफएफ प्रमुख ने कहा कि भारत ने गोल की विस्तृत जांच की मांग की है। मंगलवार को जस्सिम बिन हमाद स्टेडियम में करो या मरो के मुकाबले में भारत की 1-2 की हार के दौरान दक्षिण कोरिया के रैफरी किम वू सुंग ने गोल को स्वीकृति दी थी जबकि इससे पहले ही गेंद खेल के मैदान से बाहर जा चुकी थी। चौबे ने एक बयान में कहा, जीत और हार खेल का हिस्सा हैं, हमने इसे विनम्रता से स्वीकार करना सीख लिया है, हालांकि कल रात भारत के खिलाफ किए गए दो गोल में से एक ने कुछ सवाल छोड़े हैं जिनका जवाब नहीं मिला है। इस गोल पर काफी विवाद हुआ क्योंकि इसने 2026 के टूर्नामेंट के लिए भारत को पहली बार फीफा विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में प्रवेश से वंचित कर दिया। चौबे ने

कहा, हमने फीफा क्वालीफायर के प्रमुख, एएफसी रैफरी के प्रमुख और मैच आयुक्त को रैफरी की गंभीर त्रुटि के बारे में लिखा है जिसके कारण हमें फीफा विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में जगह नहीं मिल पाई। उन्होंने कहा, इसकी गंभीरता को देखते हुए, हम संबंधित अधिकारियों से गहन जांच की मांग करते हैं। हमने उनसे अन्याय को दूर करने के लिए क्षतिपूर्ति की संभावनाओं का पता लगाने का आग्रह किया है और हमें विश्वास है कि फीफा और एएफसी आवश्यक कदम उठाएंगे। ईरान के हामेद मोमेनी इस मुकाबले के मैच आयुक्त थे। मैच आयुक्त की भूमिका मैच के आयोजन की निगरानी करना और यह सुनिश्चित करना होती है कि मुकाबले के दौरान फीफा के नियमों का पालन किया जाएगा। मैच के 73वें मिनट में अब्दुल्लाह अलाहरक की फ्री किक पर यूसेफ आयमेन ने हेडर लगाने का प्रयास किया जिसे भारतीय कप्तान और गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने रोक दिया। गुरप्रीत हालांकि मैदान पर गिर गए और इस दौरान गेंद खेल के मैदान से बाहर चली गई। हाशमी हुसैन किक मारकर गेंद को दोबारा खेल के मैदान में ले आए और आयमेन ने गोल कर दिया। गेंद के खेल के मैदान से बाहर जाने के कारण खेल रोका जाना चाहिए था और कतर को कॉर्नर किक मिलनी चाहिए थी क्योंकि गुरप्रीत गेंद के बाहर जाने से पहले उससे संपर्क करने वाले आखिरी खिलाड़ी थे।

नागल ने जियानेसी के खिलाफ रोमांचक जीत हासिल कर पेरुजिया चैलेंजर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया

पेरुजिया (इटली)। भारतीय टेनिस स्टार सुमित नागल ने अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए यहां चल रहे पेरुजिया चैलेंजर के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। छठी वरीयता प्राप्त भारतीय ने बुधवार को यहां गैर वरीय स्थानीय खिलाड़ी एलेसेंड्रो जियानेसी को तीन सेटों के रोमांचक मुकाबले शानदार वापसी करते हुए 0-6, 7-5, 7-6 से हराया।उन्होंने पिछले सप्ताह जर्मनी में हेइलब्रॉन चैलेंजर जीतकर पेरिस ओलंपिक में एकल वर्ग का टिकट पक्का किया था। नागल के सामने अंतिम आठ में पोलैंड के मैक्स कास्निकोवस्की और क्रोएशिया के तीसरी वरीयता प्राप्त बोर्ना कोरिच के बीच होने वाले प्री-क्वार्टर फाइनल के विजेता की चुनौती होगी।

उद्योगपति लोहिया ईस्ट बंगाल के अध्यक्ष बने

कोलकाता। उद्योगपति मुरारी लाल लोहिया ने बुधवार को यहां डॉ. प्रणब दासगुप्ता की जगह प्रतिष्ठित फुटबॉल क्लब ईस्ट बंगाल के अध्यक्ष का पदभार संभाला। रेलवे वैगन निर्माण कंपनी ज्यूपिटर वैगन्स के संस्थापक और आईआईटी से पढाई करने वाले लोहिया ने प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ दासगुप्ता से पदभार संभाला है।अध्यक्ष के तौर पर पहले दिन लोहिया ने ईस्ट बंगाल को एशिया का सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल क्लब बनाने का वादा किया।

नडाल और अलकराज पेरिस ओलंपिक में टेनिस युगल में स्पेन का प्रतिनिधित्व करेंगे

मैड्रिड। राफेल नडाल और कार्लोस अलकराज पेरिस ओलंपिक में स्पेन के लिए युगल मुकाबले खेलेंगे। यह जानकारी स्पेन के टेनिस महासंघ ने बुधवार को दी।अलकराज ने रविवार को फ्रेंच ओपन जीता था जो इस 21 साल के खिलाड़ी का तीसरा ग्रैंडस्लैम खिताब है। इस खेल के सबसे बड़े दिग्गजों में शामिल 38 साल के नडाल के पास पहले से ही 22 ग्रैंडस्लैम खिताब के साथ एकल (2008) और युगल (2016 में मार्क लोपेज के साथ) में ओलंपिक स्वर्ण पदक हैं। ओलंपिक में टेनिस मुकाबलों को उन्हीं कोर्ट पर खेला जाएगा जो फ्रेंच ओपन की मेजबानी करते हैं। नडाल ने रिकॉर्ड 14 बार फ्रेंच ओपन का पुरुष एकल खिताब जीता है। अलकराज का यह पहला ओलंपिक होगा। उन्हें नडाल के उत्तराधिकारी के रूप में देखा जाता है।

एशियाई टीम स्क्वाश चैंपियनशिप

भारत की पुरुष-महिला टीम जीती

डेलियान (चीन)।भारत की पुरुष और महिला टीमों ने यहां चल रही एशियाई टीम स्क्वाश चैंपियनशिप 2024 में अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। चोटिल अभय सिंह के बिना खेल रही पुरुष टीम ने अनुभवी वेलावन सेंथिलकुमार की अगुआई में कुवैत को 2-। से हराया। रतिका एस सीलान की अगुआई में महिला टीम ने मकाउ को 2-। और मंगोलिया को 3-0 से शिकस्त दी। भारतीय पुरुष टीम को हालांकि अपने दूसरे ग्रुप मैच में जापान के खिलाफ हार झेलनी पड़ी। इस मुकाबले के पूर्ण नतीजों का अभी इंतजार है। पुरुष वर्ग में सेंथिलकुमार ने कुवैत के अथबी हमाद को 11-4, 11-5, 11-4 से हराया लेकिन राहुल भाटिया को मोहम्मद अल्खानफिर के खिलाफ 8-11, 12-10, 8-11, 11-9, 2-11 से शिकस्त झेलनी पड़ी। सूरज कुमार चंद ने बदर अलमोघरेबी को 11-6, 11-7, 11-6 से हराकर भारत की जीत सुनिश्चित की। मकाउ के खिलाफ रतिका ने भारत को अच्छी शुरुआत दिलाते हुए ल्यु क्वाई ची को 11-4, 11-4, 11-5 से हराया। पूजा आरती रघु को एउंग वेंग ची के खिलाफ 6-11, 5-11, 2-11 से हार का सामना करना पड़ा लेकिन जेनेट विधि ने एउंग वेई वेंग को 11-9, 6-11, 14-12, 11-9 से हराकर भारत को जीत दिलाई। मंगलोलिया के खिलाफ रतिका, पूजा और सुनिता पटेल ने जीत दर्ज करते हुए भारत की 3-0 से जीत सुनिश्चित की।

टिटमस ने महिला 200 मीटर फ्रीस्टाइल तैराकी में नया विश्व रिकॉर्ड बनाया

ब्रिसबेन (ऑस्ट्रेलिया।ऑस्ट्रेलिया की एरियार्न टिटमस ने बुधवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के ओलंपिक तैराकी ट्रायल के दौरान महिला 200 मीटर फ्रीस्टाइल में विश्व रिकॉर्ड बनाया। टिटमस ने एक मिनट 52.23 सेकेंड का समय लेकर पिछले साल की विश्व चैंपियनशिप में मोली ओकालाघन के एक मिनट 52.85 सेकेंड के समय से बेहतर प्रदर्शन किया।मोली एक मिनट 52.48 सेकेंड के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहीं।टिटमस 200 और 400 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा की ओलंपिक चैंपियन हैं और अब इन दोनों स्पर्धा के विश्व रिकॉर्ड भी उनके नाम हैं।

रहाणे, कुलकर्णी, एमसीए अधिकारियों ने अध्यक्ष अमोल काले को अंतिम विदाई दी

मुंबई। भारतीय खिलाड़ी अजिंक्य रहाणे और धवल कुलकर्णी के साथ क्रिकेट जगत के कई लोगों ने बुधवार को मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) के अध्यक्ष अमोल काले को अंतिम विदाई दी जिनका न्यूयॉर्क में निधन हो गया था। काले का भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 विश्व कप मैच देखने के बाद नौ और 10 जून की दरमियानी रात को न्यूयॉर्क में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। उनका पार्थिव शरीर बुधवार दोपहर को भारत वापस लाया गया। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने एक्स पर लिखा, एमसीए अध्यक्ष अमोल काले के आकस्मिक निधन के बारे में सुनकर गहरा दुख हुआ। मुंबई क्रिकेट के प्रति उनका समर्पण अनुकरणीय था। इस कठिन समय में उनके परिवार और दोस्तों के प्रति गहरी संवेदना। एमसीए सचिव अजिंक्य नाइक, एमसीए के अन्य अधिकारी और भारत की पूर्व खिलाड़ी और एमसीए की महिला क्रिकेट सलाहकार डायना एडुल्जी भी वानखेड़े स्टेडियम के एमसीए लाउंज में मौजूद थीं, जहां काले का पार्थिव शरीर लगभग एक घंटे के लिए लाया गया था।महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस, भाजपा नेता और बीसीसीआई कोषाध्यक्ष आशीष शेलार, शिवसेना (यूबीटी) नेता सचिन अहीर, राकांपा (शरद पवार) नेता और एमसीए शीर्ष परिषद सदस्य जीतेन्द्र अव्हद भी काले को अंतिम सम्मान देने वालों में शामिल थे। फडणवीस ने एक्स पर लिखा, मुंबई में अपने दोस्त के वानखेडे स्टेडियम में अंतिम दर्शन किए। मुंबई क्रिकेट संघ के अध्यक्ष अमोल काले को अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। अक्टूबर 2022 में हुए चुनावों में 47 वर्षीय काले भारत और मुंबई के पूर्व क्रिकेटर संदीप पाटिल को हराने के बाद एमसीए अध्यक्ष बने थे। उनके कार्यकाल के दौरान कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जिसमें आगामी 2024-25 सत्र के लिए लाल गेंद के प्रारूप में अपने सभी खिलाड़ियों के लिए बीसीसीआई के बराबर मैच फीस भी शामिल है। उनके कार्यकाल के दौरान, प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम में पिछले साल एकदिवसीय विश्व कप के दौरान महान सचिन तेंदुलकर की प्रतिमा का अनावरण किया गया था।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5,बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-69342500।